जबलपुर
रविवार 7 जून 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष –7
वर्ष : 21, अंक : 38
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 38
न्यून. 28

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

नामांकन दाखिल करते हुए रजनीश अग्रवाल

नामांकन दाखिल करते हुए तरुण चुघ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित पार्टी के प्रमुख नेता, विधायक रहे साथ

पहले शिव एवं हनुमान मंदिर में पूजा, इसके बाद राज्यसभा प्रत्याशियों रजनीश और तरुण ने दाखिल किया नामांकन

नामांकन से पहले प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक हुई

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने शनिवार को विधानसभा परिसर पहुंच कर दोपहर लगभग 12.30 बजे नामांकन पत्र दाखिल कर दिया।

इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य प्रमुख नेता और विधायक मौजूद रहे। नामांकन से पहले प्रदेश भाजपा कार्यालय में पार्टी विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और दोनों प्रत्याशी कार्यालय परिसर स्थित शिव एवं हनुमान मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर जीत का आशीर्वाद लिया।

नामांकन के बाद लिया गया सामूहिक चित्र

क्या बोले भाजपा के प्रत्याशी?

भाजपा के राज्यसभा प्रत्याशी तरूण चुघ ने कहा कि मध्यप्रदेश से मेरा पुराना और आत्मीय संबंध रहा है। संगठन विस्तारक के रूप में उन्हें पहले भी इस प्रदेश में कार्य करने का अवसर मिला है। आज मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलना उनके लिए विशेष सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की शक्ति से संचालित होने वाला संगठन है। यहां कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने के साथ समर्पण, परिश्रम और संगठन के प्रति निष्ठा को सर्वोच्च महत्व दिया जाता है। दूसरे राज्यसभा प्रत्याशी रजनीश अग्रवाल ने कहा कि हमारी पार्टी का नेतृत्व देवतुल्य है। देवतुल्य नेतृत्व के मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं को सम्मान और अवसर मिल रहा है।

सबने मिल कर दाखिल कराया नामांकनः सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे दोनों राज्यसभा प्रत्याशियों ने नामांकन भर दिया है। इस दौरान भाजपा के सभी दिग्गज नेता मौजूद रहे। हम सभी हर्ष और उल्लास के साथ हैं। हमारा राज्य संगठन देश में सर्वश्रेष्ठ राज्य संगठनों की श्रेणी में आता है। हम सबने मिलकर उनका नामांकन फॉर्म जमा कराया है। हम सभी वर्गों की सेवा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम कर रहे हैं।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मप्र बना निवेश एवं निर्यात का नया केंद्र

इंदौर में हुई इंडिया-लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट समिट 2026

लैटिन अमेरिकी देशों में बढ़ रही 'मेड इन एमपी' की मांग

सीएम ने कहा कि लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन देशों के प्रतिनिधियों की प्रदेश की 50 से ज्यादा कंपनियों के साथ बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकें हुईं और प्रत्यक्ष व्यापार के अवसर निकलकर आए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र देश और दुनिया में फूड बास्केट के तौर पर जाना जाता है। मप्र और ग्वाटेमाला के बीच खेती और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में मजबूत साझेदारी बन सकती है। इससे वैश्विक खाद्य सुरक्षा की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी। लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन देशों के साथ निरंतर बढ़ता व्यापार और निर्यात इन देशों का मप्र पर अटूट भरोसे का प्रमाण है।

इन देशों के प्रतिनिधियों की प्रदेश की 50 से ज्यादा कंपनियों के साथ बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकें हुईं और प्रत्यक्ष व्यापार के अवसर निकलकर आए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित 'इंडिया-लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन ट्रेड एंड इंवेस्टमेंट फोरम-2026' में बोल रहे थे। कार्यक्रम में 15 देशों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ 350 से ज्यादा निवेशक-अधिकारी-प्रतिनिधि शामिल हुए।

15 देशों के प्रतिनिधियों के साथ 350 से ज्यादा निवेशक हुए शामिल

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सीएम डॉ.मोहन यादव

इंदौर में इसी महीने होगा ब्रिक्स के सदस्य देशों का कृषि सम्मेलन

- ***फार्मा- ऑटोमोबाइल और टैक्सटाइल खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में साझेदारियां बनाने का प्रयास***
- ***लैटिन अमेरिकी देशों के साथ एमपी का निर्यात करीब 3 हजार 835 करोड़ तक पहुंचा***

पेरू के साथ इंजीनियरिंग मशीनों की सप्लाई के लिए मप्र एक भरोसेमंद पार्टनर

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैव संपदा, खनिज संपदा और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में मप्र पर ईश्वर की बड़ी कृपा है। पेरू के साथ इंजीनियरिंग मशीनों की सप्लाई के लिए मप्र एक भरोसेमंद पार्टनर बन सकता है। राज्य सरकार की स्थिर और पारदर्शी नीतियों की वजह से आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, नवकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, डिफेंस सेक्टर, टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में मप्र ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

भारत के लिए लंबी छलांग लगाने का भी अवसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत नवाचारों के साथ औद्योगिक विकास की दिशा में गतिशील है। ऐसे समय में लैटिन अमेरिका और कैरिबियन देशों के निवेशकों और प्रतिनिधियों का यहां आना भारत के लिए लंबी छलांग लगाने का भी अवसर है।

जो एक बार आता है, एमपी में रह जाता है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र का इंदौर और पीथमपुर फॉर्मास्युटिकल का वैश्विक हब है। हमारी दवाएं वैश्विक बाजार में पहुंच रही हैं। इसके साथ ही क्यूबा विश्व प्रसिद्ध बायोटेक एवं फॉर्मा मेडिकल सेक्टर में नवाचार के लिए अलग वातावरण उपलब्ध करा रहा है।

ताबड़तोड़ चलती रही जेसीबी और साफ होता रहा अतिक्रमण

ग्लोबल स्किल पार्क के सामने जिला प्रशासन की कार्रवाई

भोपाल-रायसेन सड़क किनारे की 50 करोड़ की जमीन मुक्त कराई

सड़क चौड़ी करने पर हंगामा, हटाईं 70 दुकानें, 42 झुग्गियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रायसेन सड़क के चौड़ीकरण के लिए शनिवार को जिला प्रशासन ने 70 दुकानें और 42 झुग्गियां हटाई। पिपलानी चमारन स्थित लेबर कॉलोनी झुग्गी बस्ती में ग्लोबल स्किल पार्क के सामने स्थित दुकानें और झुग्गीवासियों को हटाने शनिवार सुबह से कार्रवाई शुरू की गई। दोपहर तक पुलिस और नगर निगम अमले ने दुकान और झुग्गियों को जमींदोज कर दिया।

पहले 6 जून थी, एक दिन और बढ़ाया

सीबीएसई 12वीं में वैरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन की आज अंतिम तिथि

पोर्टल पर साइबर अटैक मामले में एफआईआर दर्ज

एआई इमेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा की आंसर शीट के वैरिफिकेशन और री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 6 जून से बढ़ाकर 7 जून कर दी है। बोर्ड के मुताबिक यह फैसला छात्रों को ज्यादा समय देने और पोर्टल पर सामने आई तकनीकी समस्याओं को देखते हुए लिया है। सीबीएसई ने 2 जून को पोस्ट-रिजल्ट दिक्कतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इसके बाद कई छात्रों ने आंसर शीट देखने और वेरिफिकेशन, री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन करने के दौरान कई दिक्कत आने की शिकायत की थी। दूसरी तरफ बोर्ड ने पोर्टल पर साइबर हमलों के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुने गए

अब टी-20 टीम में दिखेगा सूयवंशी का वैभव, सचिन के रिकॉर्ड पर रहेगी नजर

- ***खराब परफॉर्मेंस के चलते सूर्यकुमार यादव की कप्तानी गई***
- ***टी-20 टीम के नए कप्तान होंगे श्रेयस अय्यर***

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टी20 टीम का ऐलान कर दिया है। जैसी उम्मीद की जा रही थी वैसा ही हुआ। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को टीम में जगह मिली है। एशियन गेम्स की टीम में भी वैभव को जगह मिली है। वैभव ने पिछले साल अपना आईपीएल डेब्यू किया था ।

अभिषेक व सैमसन के बाद क्या मिलेगा मौका?

वैभव को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम में जगह मिली है। अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम के पास पहले से ही अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन जैसे ओपनर हैं। अगर वैभव को मौका मिलता है तो वह सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू किया था।

देश के कई हिस्सों में ई-85 ईंधन मिलना शुरू हो गया है

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

13 बदलाव की नई बयार, श्रेयस टी20....

आजकल

8 पेपर लीक : सिस्टम को इलाज...

ब्राजील में दशकों से ई-85 ईंधन का इस्तेमाल हो रहा

आ गया ई-85 ईंधन... यह फ्लेक्स फ्यूल वाहन के लिए, लेकिन, ई-20 या पेट्रोल वाहन बंद नहीं होंगे

- ई-85 ईंधन 85% इथेनॉल और 15% पेट्रोल का मिश्रण होता है
- सामान्य पेट्रोल के मुकाबले लगभग 20 रु. प्रति लीटर सस्ता
- एक लीटर ई-85 पेट्रोल से वाहन 8 से 12 किलोमीटर तक का सफर तय कर सकता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में ई-85 फ्यूल लॉन्च हो गया है। अब जो नई कार और बाइक हैं, वो ई-85 फ्यूल से ही चलेंगी। अब ऐसे में लोगों को मन में सवाल उठ रहा कि उनकी पुरानी गाड़ियों का क्या होगा जो साधारण पेट्रोल या ई-20 पेट्रोल से चलती हैं। क्या आने वाले समय में पुरानी गाड़ियां बंद हो जाएंगी। इन सभी सवालों के जवाब केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एक वीडियो जारी कर दिए हैं। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि मेरे पास एक सवाल आया कि मैंने अप्रैल में ही ई-20 गाड़ी खरीदी है, अब तो वो बेकार हो जाएगी? इस सवाल का जवाब देते हुए पुरी ने कहा कि ई-20 और ई-85 दो अलग-अलग श्रेणियों के ईंधन हैं, जो अलग-अलग प्रकार के वाहनों के लिए बनाए गए हैं। ई-85 के आने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि ई-20 या पेट्रोल वाहन बंद हो जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने नई दिल्ली में ई-85 ईंधन भरकर पंप का शुभारंभ किया, सेल्फी की होड़ लगी

किसानों की आय बढ़ाने में मददगार: पुरी

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा यह किसानों की आय बढ़ाने, कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा सुरक्षा को भी मजबूत करेगा। यह भारत के स्वच्छ और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर निरंतर बढ़ते कदम को दर्शाता है। यह भारत के स्वच्छ और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर निरंतर बढ़ते कदम को दर्शाता है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जावरा से चोरी हुआ मासूम शिवपुरी में मिला

शिवपुरी। हुसैन टेकरी से चोरी हुए 6 माह के मासूम अयान खान को शिवपुरी पुलिस ने महज कुछ घंटों के भीतर फिल्मी अंदाज में बरामद कर लिया। पुलिस ने पूरनखेड़ी टोल प्लाजा पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर इंदौर से दिल्ली जा रही कमला बस से बच्चे को सुरक्षित बरामद किया। इस मामले में एक महिला और एक पुरुष को हिरासत में लिया गया है।

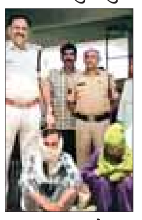

बेटे के सामने पत्नी को मारने वाला खुद लटका

जबलपुर। यहां एक शख्स ने अपने 8 वर्षीय सौतेले बेटे के सामने पत्नी की हत्या कर दी। और शव को फंदे पर लटका दिया। मासूम करीब तीन दिन तक मां के शव के साथ घर में डरा-सहमा बैठा रहा। इसके बाद आरोपी पति ने घर से करीब 6 किलोमीटर दूर एक खाली क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मुंबई जा रही इंडिगो फ्लाइट से टकराया पक्षी

नई दिल्ली। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान से पहले इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6283 से एक पक्षी टकरा गया। घटना शुक्रवार को हुई, जिसके बाद, पायलट ने एहतियाती जांच के लिए तुरंत विमान को वापस बे में बुला लिया। इंजीनियरों ने जांच की और विमान को उड़ान भरने के लिए मंजूरी दे दी। करीब एक घंटे से ज्यादा की देरी से उड़ी। के बाद फ्लाइट ने अपनी यात्रा फिर से शुरू की।

बड़ी बैठक: पश्चिम एशिया संकट के बीच पीएम मोदी की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल के साथ बैठक

तेल की कीमतों, सप्लाई चेन व महंगाई को थामने के लिए पीएम ने किया मंथन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम ने कहा कि भारत ने सामूहिक राष्ट्रीय प्रयासों के दम पर मजबूती दिखाई है और विकास केंद्रित नीतियों पर वह लगातार आगे बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल (पीएम-ईएसी) की बैठक की अध्यक्षता की, जहां बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत की आर्थिक रफ्तार को बनाए रखने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में आर्थिक विकास को मजबूत करने, अर्थव्यवस्था की मजबूती बढ़ाने, देश में ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए सुधारों को तेज करने से जुड़े कई सुझावों और नीतिगत उपायों पर विचार किया गया। काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की, इसके साथ ही पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संभावित प्रभावों का आकलन किया गया। चर्चाओं में भू-राजनीतिक अस्थिरता के ऊर्जा बाजारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, महंगाई और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर संभावित प्रभाव को शामिल किया गया, ये सभी मुद्दे दुनिया भर के नीति- निर्माताओं के लिए प्रमुख चिंता का विषय बने हुए हैं।

काउंसिल के सदस्यों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की बदलती परिस्थितियों की समीक्षा की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक लेते हुए

ये प्रमुख विषय | **इन पर हुई सर्वाधिक चर्चा**

ईंधन की कीमतें
वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति में आने वाली बाधाओं और कीमतों में अस्थिरता पर चिंता जताई गई

आपूर्ति श्रृंखला
युद्ध और तनाव के कारण वैश्विक लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में होने वाले व्यवधानों का विश्लेषण किया गया

महंगाई
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमोडिटी की बढ़ती कीमतों का घरेलू मुद्रास्फीति पर असर रोकने के उपायों पर बात हुई

वैश्विक व्यापार प्रवाह | दुनिया भर के नीति-निर्माताओं के लिए चिंता का विषय बने व्यापारिक गतिरोधों के बीच भारतीय निर्यात को सुरक्षित रखने की बनाई गई रणनीति

व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भी रहा मुद्दा

काउंसिल ने उन उपायों पर भी चर्चा की जो घरेलू आर्थिक गतिविधि को मजबूत करने, निवेश को समर्थन देने, उत्पादकता बढ़ाने और व्यवसायों के लिए अधिक अनुकूल वातावरण बनाने में मदद कर सकते हैं। बैठक के दौरान

पीएम मोदी ने कहा दुनिया चुनौतियों के दौर से गुजर रही

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया टिप्पणियों के मद्देनजर ये चर्चाएं काफी महत्वपूर्ण हो जाती हैं, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। सूरत में एक सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मौजूदा दशक को आपदाओं का दशक बताया, उन्होंने कोविड-19 महामारी और सशस्त्र संघर्षों से लेकर ऊर्जा बाजारों और आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तक के लगातार वैश्विक संकटों का जिक्र किया। प

पीएम मोदी के आर्थिक सुधार देश की समृद्धि को लगातार दे रहे हैं बढ़ावा: शाह

वित्त वर्ष 2026 में देश द्वारा दर्ज की गई 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए सुधार आर्थिक समृद्धि को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है।

युवा सितारे प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास

नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने वाले वे 'पहले' भारतीय बने

एजेंसी ▶▶ ओस्लो

■ विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को भी दी मात

भारतीय शतरंज के युवा सितारे और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने इतिहास रचते हुए प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। उन्होंने अंतिम राउंड में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर यह बड़ी उपलब्धि हासिल की और इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

पीएम बोले-यह अद्भुत उपलब्धि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे शतरंज 2026 का खिताब जीतने के लिए भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद रमेशबाबू को बधाई दी है। मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रज्ञानंद को बधाई देते हुए कहा है कि यह वास्तव में एक अद्भुत उपलब्धि है जो उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दिखाती है।

वैश्विक मंच पर भारतीय रेल का डंका

भारी माल ढुलाई प्रणालियों वाले विशिष्ट देशों के 'क्लब' में शामिल हुआ भारत

- *भारी माल ढुलाई की अत्याधुनिक तकनीकों से लैस हुआ भारतीय रेल नेटवर्क*
- *मालगाड़ियों की क्षमता और गति बढ़ाकर भारत ने हासिल किया विशिष्ट क्लब का दर्जा*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत भारी माल ढुलाई रेल प्रणालियों का संचालन करने वाले चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है। भारत माल ढुलाई संचालन की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं व उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने की दिशा में अग्रसर है। यह बात डीएफसीसीआइएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार नेकही। भारतीय समर्पित माल ढुलाई गलियारा लिमिटेड (डीएफसीसीआइएल) के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने यहां आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हैवी-हाल सेमिनार-2026 सम्मेलन से इतर बातचीत में लाजिस्टिक लागत घटाने में समर्पित गलियारे की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। यह सेमिनार दुनियाभर के विशेषज्ञों को एक साथ लाने और टेक्नोलाजी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है।

करैरा में हुआ दर्दनाक हादसा

डंपर की टक्कर से तीन की मौत, 1 गंभीर, वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

यह हादसा शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे करैरा-भितरवार मार्ग पर ग्राम हाजीनगर के पास हुआ। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार करैरा की ओर से आ रहा डंपर क्रमांक एमपी 33 एचए 3600 तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाया जा रहा था। इसी दौरान डंपर ने सामने मौजूद चार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

एनएच-52 पर हुई दुर्घटना

मजदूरों से भरी बस ट्रक से टकराई, 1 की मौत,18 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाजापुर

जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में बस चालक की मौत हो गई, जबकि महिला, पुरुष और बच्चों समेत 18 यात्री घायल हो गए। हादसा महाकाल ढाबे के पास उस समय हुआ, जब मजदूरों से भरी एक बस आगे चल रहे लकड़ी से लदे ट्रक से टकरा गई। जानकारी के अनुसार, कमला बस में करीब 50 से 60 मजदूर सवार थे। सभी इंदौर के सांवेर क्षेत्र में ईंट-भट्टों पर काम करने के बाद उत्तर प्रदेश के ललितपुर स्थित अपने गांवों की ओर लौट रहे थे। रात करीब 1 से 2 बजे के बीच बस की ट्रक से पीछे से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

दिल्ली में 'कॉकरोच जनता पार्टी' का 5 घंटे प्रदर्शन

अगले शनिवार फिर जंतर मंतर पर जुटने का ऐलान

अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री का 'इस्तीफा' मांगा

नई दिल्ली। *नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी, यानी सीजेपी ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया। पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा था कि मंत्री शनिवार शाम 5 बजे तक इस्तीफा दें, नहीं तो पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा। अगले शनिवार, यानी 13 जून को जंतर-मंतर पर फिर प्रदर्शन करेंगे।*

सुप्रीम कोर्ट की बेटे को फटकार

संपत्ति से बेदखली का आदेश बरकरार, कहा- पिता की सेवा करो

कोर्ट ने कहा कैसे बेटो हो पिता से लड़ रहे हो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत एक पिता की संपत्ति से बेटे को बेदखल करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए बेटे को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, तुम किस तरह के बेटे हो जो अपने ही पिता से लड़ रहे हो? यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जाओ और अपने पिता की देखभाल करो, उन्हें शांति से जीने दो।

यह विवाद राजस्थान के बिलाड़ा स्थित एक आवासीय घर से जुड़ा है। पिता ने ट्रिब्यूनल में शिकायत की थी कि उनका बेटा उन्हें प्रताड़ित करता है, जिसके बाद फरवरी 2024 में ट्रिब्यूनल ने बेटे को घर खाली करने का आदेश दिया। हाईकोर्ट ने भी इस पर मुहर लगाई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यह दादी के समय की पैतृक संपत्ति है और इस पर बेटे का भी कानूनी अधिकार है। साथ ही दलील दी गई कि बेदखली से उसकी पत्नी और बच्चे बेघर हो जाएंगे। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इन तर्कों को पूरी तरह नकार दिया और हस्तक्षेप करने से साफ इनकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया।

प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियों में 3 से 4 दिन के लिए आएगी कुछ कमी

कुछ उतार चढ़ाव के साथ ऐसा ही रहेगा मौसम का मिजाज

तीन दिन बाद कुछ जिलों में फिर लू चलेगी, कुछ में झमाझम जारी रहेगी

शनिवार को 12 से अधिक जिलों में दिन का पारा औसतन 3 डिग्री बढ़कर 40 से 42 डिग्री तक पहुंचा, नौगांव में 42.5 डिग्री रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में शनिवार को प्री-मानसून आंधी बारिश का दौर कुछ देर के लिए चला। इससे शाम को गर्मी से राहत मिली। लेकिन, दोपहर में धूप और हवाओं के रफ्तार मध्यम रहने से अधिकांश जिलों में औसत पारा 3 डिग्री तक बढ़ा है। श्योपुर में सर्वाधिक 7 डिग्री की बढ़त रही। अब तीन दिन में प्रदेश के कुछ जिलों में लू की वापसी होगी।

दृश्य, दोपहर 1:30 बजे

पारा बढ़ा, सामान्य से 2 डिग्री तक कम

शनिवार को अधिकांश जिलों में दोपहर के समय धूप से औसत पारा 3 डिग्री तक बढ़ गया। भोपाल में 3.6 डिग्री बढ़कर 38.8 डिग्री रहा, जो नॉर्मल से 1.7 डिग्री कम है। सर्वाधिक पारा नौगांव में 42.5 डिग्री तक पहुंच गया है। करीब 12 जिलों में पारा 40 से 42 डिग्री तक रहा। पूर्वी मप्र के सागर में 41.5 डिग्री रहा।

आज यहां आंधी-बारिश का अलर्ट

रविवार तक भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, दमोह, सागर, निवाड़ी व पांढुर्णा में अधिकांश जगह मध्यम से तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ेंगी।

जबलपुर
रविवार 7 जून 2026

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

कर्नाटक में कैबिनेट गठन के साथ ही सामने आई तनातनी तो तमिलनाडु में विजय की फिर विजय

यह मामला राजनीतिक चुनौती बन गया

सीएम शिवकुमार ने कहा- यहां सब कुछ ठीक चल रहा, लेकिन रामलिंगा रेड्डी इस्तीफे पर अड़े

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक की नई कांग्रेस सरकार के गठन के महज 3 दिन बाद ही मंत्री रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे को लेकर पैदा हुआ विवाद सरकार के लिए पहली बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गया है। शनिवार को रेड्डी ने संकेत दिए कि वह अपने इस्तीफे पर अंतिम फैसला लेने से पहले कांग्रेस नेतृत्व और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच चल रही बातचीत के नतीजे का इंतजार करेंगे। रेड्डी का बयान ऐसे समय में आया है जब सीएम शिवकुमार ने बताया कि मामला सुलझ गया है। शिवकुमार ने यह भी कहा कि रेड्डी उनके मित्र हैं।

किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे इस्तीफा

सीएम शिवकुमार से मिलते नेतागण

शिवकुमार ने रेड्डी के इस्तीफे को स्वीकार करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इसे चर्चाओं के जरिए सुलझाया जाएगा। हालातों को शांत करने के कांग्रेस नेतृत्व के प्रयासों के बीच शिवकुमार की यह टिप्पणी सामने आई है। हम किसी भी परिस्थिति में हम उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं करेंगे। डीके ने कहा रेड्डी का इस्तीफा मिला है, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि कोई भी फैसला लेने से पहले चर्चाएं जारी रहेंगी।

उन्हें दिया गया आश्वासन पूरा नहीं किया | रेड्डी ने उस समय इस्तीफे की घोषणा कर दी थी, जब उन्हें बंगलूरू विकास विभाग के बजाय प्रमुख व मध्यम सिंचाई विभाग (मेजर एंड मीडियम इरिगेशन) का प्रभार सौंपा गया।उन्हें जो आश्वासन दिया गया था, उसके पूरा नहीं होने से वह निराश हैं।

तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर

टीवीके में एआईएडीएमके के 4 पूर्व मंत्री डीएमके के पूर्व विधायक हो गए शामिल

चेन्नई। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके को शुक्रवार को एक बड़ी ताकत मिली। पुरानी और बड़ी पार्टियों के 5 बड़े नेता टीवीके में शामिल हो गए। इनमें से 4 नेता एआईएडीएमके के पूर्व मंत्री हैं और एक डीएमके के पूर्व विधायक हैं। टीवीके के नायक हैं विजय। अब तक विजय सिर्फ फिल्मों में थे, लेकिन उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा और सीधे मुख्यमंत्री बन गए। 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन किया और कुछ अन्य दलों की मदद से प्रदेश में सरकार बना ली।

एआईएडीएमके कई वर्षों तक सत्ता में रही

पार्टी ने किया उनका स्वागत

सीएम विजय

एआईएडीएमके से 4 नेता टीवीके में आए हैं। एआईएडीएमके तमिलनाडु की सबसे पुरानी और बड़ी पार्टियों में से एक है। इस पार्टी की सरकार पहले तमिलनाडु में रह चुकी है। ये हैं एमसी संपत, एनआर शिवापति, कडंबूर सी राजू और उदुमलाई के राधाकृष्णन। ये चारों एआईएडीएमके की सरकार में मंत्री रह चुके हैं यानी इनका राजनीतिक अनुभव बहुत लंबा है और तमिलनाडु की जनता इन्हें जानती है। पार्टी के महासचिव आनंद और चुनाव प्रबंधन महासचिव आदव अर्जुण ने उनका स्वागत किया। 2026 के विधानसभा चुनावों में उदुमलाई राधाकृष्णन उदुमलपेट सीट से हार गए थे। कदंबूर राजू कोविलपट्टी से चुनाव हार गए और संपथ चिदंबरम में तीसरे स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

राबड़ी देवी की तबीयत खराब, तेज प्रताप मिले

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की तबीयत खराब हो गई है। उनके बड़े बेटे एवं

जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शनिवार दोपहर को उनसे मिलने पहुंचे। तेज प्रताप ने कहा कि उनकी मां बीमार हैं, इसलिए मिलने आए। दूसरी ओर, लालू परिवार ने सुबह सरकार की ओर से मुहैया कराई गई सुरक्षा को वापस कर दिया।

ब्लास्ट मामले में टीएमसी का पूर्व विधायक गिरफ्तार

कोलकाता। भांगर ब्लास्ट के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी ने टीएमसी के पूर्व विधायक सौकल

मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले एजेंसी ने ब्लास्ट मामले में मोल्ला को भगौड़ा घोषित किया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी के लिए टीएमसी कार्यालय और मोल्ला के तमाम ठिकानों पर छापेमारी की थी। पहले 8 ठिकानों पर रेड की गई।

शाह से मिले अमिरंदर कई मुद्दों पर की बात

नई दिल्ली। भाजपा से नाराजगी और कांग्रेस में जाने की अटकलों के बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री

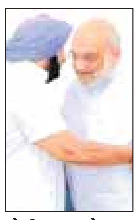

और वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात की। कैप्टन ने एक्स पर लिखा शाह के साथ बैठक की और पंजाब से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। पार्टी के जनाधार बढ़ाने पर चर्चा की।

कोटा में सोते हुए महंत की चाकू से हत्या की

राजस्थान। कोटा शहर के बोरखेड़ा थाना क्षेत्र में चंद्रेसल मठ के महंत की अज्ञात बदमाशों ने देर

रात चाकू से गोद गोदकर हत्या कर दी। बदमाशों ने सोते हुए महंत पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किया और मौके से फरार हो गए। इस हमले में चंद्रेसल गांव स्थित मठ में मायापुरी अखाड़े के 35 वर्षिया महंत देवानंद महाराज की मौके पर ही मौत हो गई। इससे सनसनी फैली है।

वायनाड के स्कूल में 150 छात्र बीमार

नई दिल्ली। केरल के वायनाड में कोयलाडी स्थित एक एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के लगभग 150 छात्र

पिछले 3 दिन से बुखार और उल्टी का इलाज करा रहे हैं। ये बच्चे मार बेसेलियस एडेड अपर प्राइमरी स्कूल के छात्र हैं और इनमें से 38 बच्चों को, जिन्हें लगातार परेशानी हो रही थी, बाथेरी तालुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिंता करने की कोई बात नहीं है।

पश्चिम बंगाल में केंद्र सरकार ने बुलेट ट्रेन का किया ऐलान

दिल्ली-सिलीगुड़ी के बीच समय की होगी बचत, 5 वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नई पीढ़ी की 60 ट्रेनें शुरू होंगी

बंगाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री वैष्णव ने अहम घोषणाएं कीं

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में पिछले महीने ही पहली बार भाजपा सरकार बनी है। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बंगाल सरकार को लेकर बड़े ऐलान हो रहे हैं। शनिवार को बंगाल में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सिलीगुड़ी के बीच प्रस्तावित बुलेट ट्रेन का उद्देश्य समय में कमी लाना है। ये सिलीगुड़ी को नई दिल्ली से सिर्फ 6 घंटे में जोड़ देगा। वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट बंगाल के लिए प्रस्तावित है। यह दिल्ली से सिलीगुड़ी को वाया लखनऊ, वाराणसी, पटना जोड़ेगा। वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि अगले 5 वर्ष में कोलकाता मेट्रो के लिए नई पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी।

अब बंगाल का किया जाएगा कायाकल्प

रेल प्रोजेक्ट समय पर होंगे पूरे

राज्य सचिवालय नबान्न में की बैठक

बैठक में हाथ मिलाते वैष्णव और सुवेंदु

राज्य सचिवालय नबान्न में सुवेंदु के साथ बैठक के दौरान रेल मंत्री ने कहा कि कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के केवल 28 किमी हिस्से का निर्माण 42 वर्षों में पूरा हुआ था, जबकि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से 45 किमी नईमेट्रो लाइन जोड़ी गई हैं। 5 वर्षों में नई पीढ़ी की 60 ट्रेन शुरू की जाएंगी।

सुवेंदु ने रेलवे परियोजनाएं के लिए जमीन देने की घोषणा की

सुवेंदु ने कहा कि आने वाले वर्षों में राज्य में लगभग एक लाख करोड़ की रेलवे परियोजनाएं लागू की जाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को इन परियोजनाओं के लिए भूमि रेलवे को सौंपने की टाइम टेबल तैयार करने का निर्देश दिया। वैष्णव के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

ममता सरकार में टकराव था : वैष्णवने कहा कि ममता सरकार के दौरान राज्य और केंद्र के बीच टकराव की स्थिति थी। बंगाल में रेलवे विकास लगभग ठप हो गया था। अब यह समस्या दूर हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के लिए लगभग एक लाख करोड़ की रेलवे परियोजनाएं प्रस्तावित हैं और राज्य के प्रत्येक जिले को रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा।

बंगाल में 63 लाख लोगों के राशन कार्ड होंगे रद्द

सुवेंदु सरकार ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की 'खाद्य साथी योजना' के तहत मुफ्त और सस्ते अनाज का लाभ ले रहे अपात्र और फर्जी लाभार्थियों को बाहर निकालने के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है। इससे बोझ बढ़ रहा था। नियमों के दायरे से बाहर के राशन कार्डों को चिन्हित कर डिलीट किया जाएगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के मुताबिक, विशेष गहन समीक्षा के दौरान जिन 63 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उनके राशन कार्डों की तुरंत पहचान कर उन्हें रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

ममता ने सौरव से भिजवाया था मैसेज

यूसुफ इस्तीफा दे दो, दादा ने बताया सारे आरोप झूठे

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया था कि ममता ने उनके जरिए यूसुफ पठान को बहरामपुर सीट छोड़ने मैसेज भिजवाया था। 'दादा' ने कहा ये आरोप झूठे हैं और वे संदेश पहुंचाने के काम में शामिल नहीं रहे। चर्चा थी कि ममता ने सौरव से कहा है कि वे यूसुफ से कहें कि बहरामपुर सीट से इस्तीफा दे दें, ताकि ममता उपचुनाव लड़ सकें।

खेल मंत्री निसिथ का टीएमसी पर हमला

पिछले 15 वर्षों में खिलाड़ियों के साथ भेदभाव किया

बंगाल सरकार के खेल मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने राज्य की खेल व्यवस्था को लेकर टीएमसी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पिछले 15 वर्षों का दौर बंगाल के लिए अंधकार युग रहा, जबकि अब राज्य में बदलाव और विकास की नई शुरुआत हुई है।न प्रमाणिक ने कहा कि टीएमसी शासन के दौरान केवल राजनीति और विकास ही नहीं, बल्कि खेल क्षेत्र भी प्रभावित हुआ।

मुख्यमंत्री ने राज्य से आतंकवाद खत्म करने का दिया भरोसा

संदेशखाली में टीएमसी नेता के तालाब से हथियारों का जखीरा बरामद

बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में टीएमसी के एक नेता से जुड़े तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए। ये हथियार कथित तौर पर तालाब में छिपाकर रखे गए थे। एसटीएफ ने संदेशखाली और आसपास के इलाकों में छापेमारी की। पूर्व तृणमूल क्षेत्रीय अध्यक्ष रॉबिन दास से जुड़े एक तालाब से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

दोनों भाई छापेमारी से पहले फरार

तालाब से हथियार बरामद करती टास्क फोर्स

एसटीएफ ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर आसपास के अन्य इलाकों में भी सर्च ऑपरेशन किया। अधिकारियों ने बताया कि फरार दोनों भाइयों की तलाश के लिए बड़े स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा विधायक सजल घोष ने आरोप लगाया कि आम लोगों खतरे में डाल रहे थे।

सुवेंदु ने की तारीफ

सुवेंदु ने इस कार्रवाई को अवैध हथियारों के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता बताया और पुलिस की सराहना की। सुवेंदु ने कहा कि कुमराखाली, बसंती और संदेशखाली में व्यापक छापेमारी की और शांति भंग करने के उद्देश्य से छिपाकर रखे बड़ी मात्रा में अवैध हथियार जब्त किए।

तृणमूल में हस्ताक्षर वार

ऋतब्रत ने उठाई फर्जीवाड़े की आशंका

बंगाल में टीएमसी के अंदर जारी सत्ता संघर्ष अब नए विवाद में बदल गया है। ममता के कालीघाट स्थित आवास पर हुई टीएमसी विधायकों की बैठकों से जुड़े दस्तावेज सामने आने के बाद पार्टी में हलचल तेज हो गई है। इन दस्तावेजों में विधायकों के हस्ताक्षर और बैठक में मौजूदगी का दावा किया गया है।नेता प्रतिपक्ष रितब्रत बनर्जी ने इन दस्तावेजों की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की जांच की मांग की है।

पंजाब के फिरोजपुर में सड़क हादसा

पिकअप और ट्रॉली की टक्कर में 9 की मौत, 15 लोग घायल

एजेंसी ▶▶ फिरोजपुर

पंजाब के फिरोजपुर में फाजिल्का रोड पर शनिवार सुबह एक बेहद

दर्दनाक सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। जंगा वाले मोड़ के निकट एक पिकअप गाड़ी और घोड़ा ट्राला के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप गाड़ी में सवार लोग परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। यात्रा के दौरान जब वाहन जंगा वाले मोड़ के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे घोड़ा ट्राला के साथ उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे कई लोग अंदर ही फंस गए। अंशप्रीत ने बताया कि सुबह 3:30 बजे वह घर से अस्थियां लेकर करीब 30 लोग रवाना हुए थे।

कोचिंग संस्थान में फायरिंग का मामला

खान सर ने नहीं किया सरेंडर अग्रिम जमानत याचिका देंगे

एजेंसी ▶▶ पटना

फैजल खान उर्फ खान सर पर प्राथमिकी दर्ज हुए 24 घंटे बीत गए,

लेकिन पटना पुलिस उनको गिरफ्तार नहीं कर पाई। अब खान के वकील पटना सिविल कोर्ट पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे सरेंडर नहीं करेंगे। पटना पुलिस ने गलत आरोप लगाकर उन पर प्राथमिकी दर्ज की है। पूरी एफआईआर ही गलत है। उन्होंने गोली चलाने का आदेश भी नहीं दिया है। हम कोर्ट में अग्रिम जमानत की याचिका दायर करेंगे। उनकी वजह से गोली भी नहीं चली। उन्हें फंसाया जा रहा है। इसलिए वे सरेंडर नहीं करेंगे। वकील ने अग्रिम जमानत याचिका दायर करने की कोशिश की लेकिन समय खत्म होने के कारण वह आज ऐसा नहीं कर पाए। इसलिए सोमवार को जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। पटना पुलिस के पास खान सर को गिरफ्तार करने का विकल्प खुला है। अब गिरफ्तारी पर सवाल अटका हुआ है।

लुधियाना स्टेशन पर बड़ा हादसा

दो हिस्सों में बंटी नई दिल्ली-कटड़ा ट्रेन धमाके के साथ टूटा स्लीपर का टॉयलेट

जान बचाने लोग इधर-उधर भागे

एजेंसी ▶▶ लुधियाना

यहां के रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से हड़कंप मच गया। नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जा रही स्पेशल ट्रेन (04081) जैसे ही स्टेशन से रवाना होने लगी, अचानक 2 डिब्बों को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई। कपलिंग टूटने से जोरदार धमाका हुआ और स्लीपर कोच का टॉयलेट

क्षतिग्रस्त हो गया। इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए यहां-वहां भागने लगे। हालांकि लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज से डिब्बा टूटा है।

धमाके की आवाज से सहम गए यात्री

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार सुबह जब न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन लुधियाना स्टेशन से अभी चलना शुरू ही हुई थी कि अचानक एक जोरदार आवाज सुनाई दी। यह आवाज इतनी तेज थी कि यात्रियों को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ। कपलिंग टूटने के झटके के कारण स्लीपर कोच का शौचालय बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

खुशखबर...देर से ही सही, लेकिन दुरुस्त आ रहा मानसून

तेजी से बढ़ रहा, महाराष्ट्र और गोवा में झमाझम शुरू

अगले 7 दिन तक इन राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मानसून इस साल भले देरी से पहुंचा हो, लेकिन वह तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने बताया 6 जून को मानसून महाराष्ट्र, गोवा, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु में कुछ हिस्सों में पहुंच चुका है। अब 7 दिन तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, पूर्वोत्तर भारत में बहुत भारी बारिश होगी। महाराष्ट्र, गोवा में भी तेज बारिश का अलर्ट है। 6-12 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, 7 से 12 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में काफी ज्यादा बारिश की चेतावनी है। 8-9 जून को असम, मेघालय में कहीं-कहीं आंधी तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं चलने का अलर्ट है।

आंध्र, कर्नाटक और तेलंगाना में भी होगी

6-12 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में, 12 जून को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 8-12 जून के दौरान दक्षिणी कर्नाटक में, 6-11 जून के दौरान रायलसीमा में, 6-10 जून और 12 जून को तेलंगाना में बारिश होने वाली है। 6-12 जून के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल, माहे, लक्षद्वीप, 6-11 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में बारिश होगी।

आंधी- तूफान बिजली कड़कने की भी संभावना

दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं का अनुमान है। 7 जून को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाएं चलेंगी। 6-7 जून के दौरान केरल, माहे, लक्षद्वीप में, 6-10 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी तूफान और बिजली कड़केगी।

बारिश के साथ ही तेज हवाएं भी चलेंगी

इस बीच जम्मू कश्मीर में काफी ज्यादा व्यापक बारिश का अलर्ट है। 11-12 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, 6-12 जून के दौरान उत्तराखंड में छिटपुट बारिश होगी। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब, 11-12 जून , उत्तर प्रदेश, 10-12 जून के दौरान पूर्वी यूपी, 6-7 जून के दौरान पश्चिमी राजस्थान, 6-12 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होगी।

नीट-यूजी पेपर लीक मामला

शुभम की न्यायिक हिरासत बढ़ी मनीषा पर फैसला 9 को होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी शुभम खैरनार की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ा दी।

मामले की एक अन्य आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला 9 जून के लिए सुरक्षित रख लिया है। सीबीआई ने वाघमारे की जमानत का कड़ा विरोध करते हुए उन्हें पूरे षड्यंत्र की अहम साजिशकर्ता बताया है।

धन का लेन-देन भी किया गया

विशेष सीबीआई न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में वाघमारे की ओर से अधिवक्ता श्रेयस गच्छे और सीबीआई की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक नीतू सिंह ने पक्ष रखे। इस दौरानधन के लेनदेन की भी बात सामने आई।

मदन महल थाने में हंगामा, फर्जी मामला लगाकर जेल भेजने का आरोप

महिला ने खुद पर पेट्रोल उड़ेलकर आत्मदाह का किया प्रयास

हरिभूमि, जबलपुर।

मदन महल थाना सोमवार को उस वक्त अचानक चर्चा का केंद्र बन गया, जब एक महिला ने थाने के अंदर ही अपने ऊपर पेट्रोल उड़ेलकर आत्महत्या करने की कोशिश कर दी। घटना से थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और महिला स्टाफ की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार गढ़ा थाना क्षेत्र के गुप्ता नगर निवासी जयंती यादव एक डिब्बे में पेट्रोल लेकर मदन महल थाने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि वह सितंबर 2025 में हुई एक चाकूबाजी की घटना में पुलिस कार्रवाई से नाराज थी। कुछ देर तक अधिकारियों से बातचीत करने के बाद अचानक उसने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। यह दृश्य देखते ही थाना परिसर में हड़कंप मच गया।

महिला पुलिस स्टाफ की तत्परता

घटना के दौरान मौजूद महिला पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए जयंती यादव को आत्मघाती कदम उठाने से रोक लिया। पुलिसकर्मियों ने समझाइश देकर उसे शांत कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। यदि कुछ क्षण की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

चाकूबाजी मामले को लेकर नाराजगी

बताया जा रहा है कि मामला स्नेह नगर क्षेत्र में सितंबर 2025 में हुई चाकूबाजी की घटना से जुड़ा है, जिसमें मान्या ठाकुर नामक युवक पर जानलेवा हमला हुआ था। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज किया था। दो आरोपियों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी थी, जबकि हाल ही में तीसरे आरोपी के रूप में लकी मरावी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जयंती यादव का आरोप है कि लकी मरावी को गलत तरीके से आरोपी बनाया गया है और मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई। महिला ने पुलिस पर रिश्वत मांगने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस व्यवस्था पर उठे सवाल

थाने के भीतर इस तरह की घटना ने पुलिस की शिकायत निवारण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों के बीच यह चर्चा रही कि यदि शिकायतकर्ता की आपत्तियों का समय रहते समाधान होता तो स्थिति यहां तक नहीं पहुंचती। फिलहाल पुलिस अधिकारियों का कहना है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच कराई जाएगी। वहीं पूरे घटनाक्रम के बाद यह मामला शहरभर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

बिना नोटिस ठेले-टपरे हटाने पर आक्रोश केंट बोर्ड अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

जबलपुर। केंट बोर्ड द्वारा ब्रह्माकुमारी आश्रम रोड स्थित केंट वार्ड क्रमांक 8 में कथित रूप से बिना पूर्व सूचना और नोटिस के गरीब दुकानदारों के ठेले-टपरे हटाए जाने पर विरोध तेज हो गया है। पीड़ितों और स्थानीय लोगों ने कार्रवाई को नियम विरुद्ध बताते हुए दोषी अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार 3 जून की सुबह करीब 5:30 बजे विकास पिल्ले, मुन्ना सेन, दुम्मीलाल, प्रकाश, संजय सेन तथा साईं चाट सेंटर सहित कई छोटे व्यापारियों के ठेले-टपरे तोड़ दिए गए। प्रभावित लोगों का आरोप है कि कार्रवाई के दौरान न तो पूर्व नोटिस दिया गया और न ही प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी थी, जिससे उनके परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जय महाकाल संघ अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कन्हैया रामकृष्ण तिवारी और पंकज गुप्ता ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि गरीबों को न्याय नहीं मिलने पर केंट बोर्ड कार्यालय का घेराव कर आंदोलन किया जाएगा। संगठन ने प्रभावित दुकानदारों को मुआवजा, वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। मामले की शिकायत गोरखपुर थाने में भी की गई है।

वृद्धा के गले से मंगलसूत्र लूटकर भागे बाईकर्स

चाकू अडाकर युवक का मोबाईल और चैन लूटी

जबलपुर। शहर में लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। पिछले 24 घंटों में गोरखपुर और विजयनगर थाना क्षेत्रों में लूट की दो घटनाएं सामने आयी हैं। गोरखपुर में सांई नगर व्हू प्वांइट के पास चार अज्ञात बदमाशों ने चाकू अड़ाकर एक युवक का मोबाइल और गले में पहनी चांदी की चैन छीनकर भाग गए। वहीं विजयनगर में शिवनगर टंकी के पास मोटर सायकल में आये अज्ञात 2 बदमाशों ने एक वृद्ध महिला के गले से सोने का मंगलसूत्र खींचकर ले भागे।

गोरखपुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड मदनमहल निवासी 19 वर्षीय आयुष नेमा गत शाम लगभग 6 बजे अपने साथी तनिष्क सिंह ठाकुर, साहिल श्रीवास के साथ सांई नगर व्हू प्वांइट नयागांव रामपुर घूमने आये थे तथा व्हू प्वाइंट के पास खड़े थे तभी वहां पर 4 अज्ञात लड़के आये, और उसकी गर्दन में चाकू अड़ा दिया तथा एक लड़के ने उसे पकड़कर उसका सेमसंग कम्पनी का मोबाइल व गले में पहनी चांदी की चैन छीन लिया तथा अन्य दो लड़कों ने उसके दोस्तों को पकड़ने की कोशिश की लेकिन दोनों दोस्त वहां से भाग गये। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 309(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी तरह विजयनगर में शिवनगर कदम गार्डन के पास विजयनगर निवासी 50 वर्षीय सुपारस जैन ने लिखित शिकायत की, कि उनकी मां श्रीमति आशा जैन प्रतिदिन की तरह सुबह लगभग 6 बजे शिवनगर जैन मंदिर गई थी। शिवनगर टंकी के पास अज्ञात दो व्यक्ति मोटर सायकिल में आए और आशा जैन के गले में पहनी सोने का मंगलसूत्र खींचकर ले गए। पुलिस ने लिखित शिकायत पर अज्ञात के विरूद्ध धारा 304 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

नेहा जेठा प्रदेश संयोजिका मनोनीत

जबलपुर। पूर्वी मध्यप्रदेश महेश्वरी महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष राजश्री राठी एवं प्रदेश सचिव रेणु झंवर ने 'स्वर्णिम आध्यात्मिक पर्व एवं संस्कृति समिति' की प्रदेश संयोजिका कथा वाचक नेहा-प्रदीप जेठा को मनोनीत किया है। उक्त जानकारी महेश्वरी महिला मंडल जबलपुर की प्रचार-प्रसार सचिव पूजा महेश्वरी द्वारा प्रेषित की गई है।

अब निरीक्षक स्तर पर बड़े फेरबदल के संकेत

नई टीम के भरोसे कानून-व्यवस्था की तैयारी

जबलपुर। पुलिस मुख्यालय द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) स्तर के तबादले किए जाने के बाद अब जबलपुर पुलिस महकमे में अगले चरण के फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। नई पदस्थापनाओं के साथ जिले की पुलिस व्यवस्था को नए सिरे से व्यवस्थित करने की तैयारी शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में निरीक्षक और उप निरीक्षक स्तर पर भी व्यापक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

हाल ही में जारी तबादला आदेशों के तहत कई नए अधिकारियों की जबलपुर में पदस्थापना हुई है। इनमें आईपीएस अधिकारी अनु बेनीवाल, आयुष जाखड़, अखिलेश तिवारी और मुकेश कुमार वैश्य के नाम प्रमुख हैं। नई टीम के कार्यभार संभालने के साथ विभिन्न शाखाओं और फील्ड इकाइयों में जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण भी शुरू होने की संभावना है।

अब नजर निरीक्षक सूची पर

पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार एएसपी और डीएसपी स्तर के फेरबदल के बाद अब निरीक्षक स्तर की सूची पर अंतिम मंथन चल रहा है। कई थाना प्रभारियों और शाखा प्रभारियों का कार्यकाल पूरा हो चुका है, ऐसे में उनके स्थानांतरण या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है। विभागीय स्तर पर इस सूची को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

कई शाखाओं में बदल सकती है कमान

इस प्रशासनिक पुनर्संरचना का असर केवल जिला पुलिस तक सीमित नहीं रहेगा। एसएएफ, विशेष शाखा, अपराध शाखा, लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू, सीआईडी और अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों में भी पदस्थापनाओं की समीक्षा की जा रही है। नए अधिकारियों के आने से कई संवेदनशील शाखाओं में नेतृत्व परिवर्तन संभव माना जा रहा है।

थानों में दिख सकती है नई कार्यशैली

पुलिस महकमे के जानकारों का मानना है कि अधिकारियों के बदलाव के बाद थाना स्तर पर भी नई कार्यशैली और प्राथमिकताएं दिखाई दे सकती हैं। कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, ट्रैफिक प्रबंधन और जनसुनवाई व्यवस्था को लेकर नई टीम अपनी कार्ययोजना के अनुसार काम करेगी। ऐसे में आने वाले कुछ सप्ताह जबलपुर पुलिस प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

15 जून तक बड़ा फेरबदल संभव

विभागीय सूत्रों का कहना है कि निरीक्षकों की सूची लगभग अंतिम चरण में है और जून के मध्य तक इसे जारी किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है तो जिले के कई प्रमुख थानों की कमान नए अधिकारियों को सौंपी जा सकती है। इससे पुलिस व्यवस्था के फील्ड ढांचे में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे।

पर्यावरण बचाने स्काउट्स गाइड्स ने चलाया जागरूकता अभियान

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं नर्मदा तट पर दो दिवसीय पर्यावरण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला कमिश्नर (स्काउट) घनश्याम सोनी के संरक्षण तथा जिला मुख्य आयुक्त डॉ. विजयकांत तिवारी के नेतृत्व में किया गया। अभियान के तहत 4 जून को आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में 70 स्काउट्स एवं गाइड्स ने भाग लिया। वेबिनार में विनोद शर्मा, विभूति सिंह एवं सहायक राज्य संगठन आयुक्त ललित कुमार मिश्रा ने पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन विषय पर मार्गदर्शन दिया। 5 जून को नर्मदा तट स्थित उमा घाट पर आयोजित जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम में 35 स्काउट्स एवं गाइड्स शामिल हुए। इस दौरान विद्यार्थियों ने पेंटिंग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। डॉ. विजयकांत तिवारी ने सभी को पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन और प्रकृति रक्षा का संकल्प दिलाया। संवाद सत्र में श्रद्धालु निशा, अतुल एवं बनवारी ने अपने विचार साझा किए तथा स्काउट्स-गाइड्स के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले स्काउट एवं गाइड लीडर्स को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विजय कुमार झारिया, राहुल राजपूत, शुभम ठाकुर, ममता सिंह, किरण येवले, रशिका द्विवेदी, शिल्पा श्रीवास एवं अंजलि श्रीवास्तव सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

खेत में लगा केबल वायर और स्टाटर चोरी

जबलपुर। मझौली थाना अतंर्गत लमान खेत में लगे केबल वायर और स्टाटर अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। मझौली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मनगवां निवासी 57 वर्षीय किसान देवकरण पटेल की लमान खेत में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल में डीपी से वायर खींचा था जिसमें स्टाटर लगा भी लगा था। शनिवार की सुबह 5 बजे वह खेत पहुंचा तो देखा कि उसकी 2700 फीट सिल्वर वायर, 15 फीट केबल एवं स्टाटर कीमती 40 हजार रूपये की अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पत्नी की हत्या के बाद पति ने लगाई फांसी

जबलपुर। अधारताल के न्यू कंचनपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव मिलने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में सामने आया है कि 35 वर्षीय नेहा सिंह की हत्या उसके पति मयंक सिंह ने की थी। घटना का सबसे महत्वपूर्ण गवाह नेहा का 8 वर्षीय बेटा बना, जिसने पुलिस को बताया कि उसके पिता ने ही उसकी मां की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार नेहा सिंह का शव शुक्रवार को अधारताल स्थित किराए के मकान में मिला था। मकान से तेज दुर्गंध आने पर मकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो मकान का मुख्य दरवाजा बाहर से बंद मिला। ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करने पर रसोई में नेहा का शव पड़ा मिला। शव के गले में दुपट्टे का फंदा था और उसका दूसरा सिरा पंखे से बंधा हुआ था। प्रारंभिक जांच में महिला की मौत दो से तीन दिन पहले होना सामने आया था।

8 साल के बेटे ने खोला राज

जांच के दौरान घर के भीतर नेहा का 8 वर्षीय बेटा डरा-सहमा मिला। बच्चे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता मयंक सिंह अक्सर शराब के नशे में घर आते थे और उसकी मां के साथ मारपीट करते थे। बच्चे के अनुसार घटना वाली रात भी दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके बाद उसके पिता ने मां की हत्या कर दी। पत्नी का शव मिलने के बाद से ही अधारताल पुलिस मयंक सिंह की तलाश कर रही थी। इसी बीच शनिवार सुबह रांझी थाना क्षेत्र स्थित व्हीकल फैक्ट्री इस्टेट के एक खंडहर हो चुके क्वार्टर में मयंक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। पुलिस का मानना है कि पत्नी की हत्या के बाद मयंक ने आत्महत्या कर ली। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के अनुसार शुक्रवार शाम व्हीकल इस्टेट क्षेत्र में एक संदिग्ध युवक घूमता दिखाई दिया था। सुरक्षा कर्मियों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह अपना वाहन छोड़कर भाग गया। वाहन की तलाशी में एक सुसाइड नोट मिलने के बाद उसकी तलाश शुरू की गई थी। अगले दिन उसी क्षेत्र के एक खंडहर क्वार्टर में उसका शव बरामद हुआ। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि नेहा का यह दूसरा विवाह था। पहले पति की मृत्यु के बाद उसने करीब दो वर्ष पहले कटनी जिले के विजयराघवगढ़ निवासी मयंक सिंह से शादी की थी। नेहा अपने पहले पति से हुए बेटे के साथ मयंक के साथ न्यू कंचनपुर में किराए के मकान में रह रही थी। मयंक एक चॉकलेट फैक्ट्री में काम करता था, जबकि नेहा स्पा सेंटर में नौकरी करती थी। पुलिस के मुताबिक नेहा के स्पा सेंटर में काम करने को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी घरेलू कलह ने अंततः इस दर्दनाक वारदात का रूप ले लिया। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है और पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजी कृष्ण भक्ति, बाल लीलाओं के वर्णन से भावविभोर हुए श्रद्धालु

जबलपुर। द्वारका नगर स्थित श्री शिव दुर्गा मंदिर परिसर में श्री शिव दुर्गा मंदिर महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा पंडाल भक्तिमय माहौल और जयघोषों से गूंज उठा। कथाव्यास पं. महेन्द्र दुबे (पनागर) ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, भक्तों पर उनकी कृपा तथा धर्म स्थापना से जुड़े प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मनुष्य को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है तथा वर्तमान समय में समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। कथा के दौरान भजन-कीर्तन और संकीर्तन ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालु "राधे-राधे" और "जय श्रीकृष्ण" के जयघोष के साथ भक्ति रस में डूबे नजर आए।

कथाव्यास ने कहा कि कलियुग में भगवान के नाम का स्मरण और भागवत कथा का श्रवण आत्मिक शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। यह आयोजन परम पूज्य कूड़ा वाले दद्दा जी के आशीर्वाद से संपन्न हो रहा है। आयोजन की व्यवस्थाओं में सुधा मिश्रा, किरण विश्वकर्मा, वर्षा झा, शालू शर्मा, रमला जी, शोभा झा, गीता कटारिया, प्रमिला उपाध्याय, मालती भार्गव, ज्योति, रमेश चंद्र झा एवं राजेश झा सहित महिला मंडल के सदस्य सक्रिय रहे। कथा का समापन 9 जून को होगा।

एसीएस वर्णवाल ने दिया स्पष्टीकरण

एमपीएमएसयू के विखंडन पर अभी कोई फैसला नहीं

जबलपुर। मप्र आर्युविज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) को तीन हिस्सों में बांटने के प्रस्ताव पर प्रदेश सरकार ने फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया है, यह जानकारी अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने दूरभाष पर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ. पीजी नाजपांडे को दी, साथ ही उन्होंने मंच से आग्रह किया कि इस संबंध में एक ठोस प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजे, जिस पर विचार किया जा सके। गौरतलब है कि नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने अपर मुख्य सचिव को फोन लगाकर एमपीएमएसयू के विखंडन को लेकर जबलपुर के व्याप्त आक्रोश से अवगत कराया। इस वार्ता के दौरान अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने स्पष्ट किया कि विखंडन पर अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है. यदि मंच के पास कोई ठोस प्रस्ताव है तो भेजें, उस पर विचार किया जाएगा। डॉ. नाजपांडे ने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी के परिनियम में भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और रीवा में 5 क्षेत्रीय समन्वय केंद्र बनाने का प्रावधान पहले से है. मंच की मांग है कि यूनिवर्सिटी का विखंडन करने की बजाय इसी प्रावधान के तहत रीजनल सेंटर बनाए जाएं। मंच ने अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि यूनिवर्सिटी का मुख्यालय जबलपुर में ही रखने के स्पष्ट निर्देश हैं. ऐसे में एक्ट का उल्लंघन नहीं होना चाहिए. मंच के रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अघोलिया, डी.आर. लखेरा, मनीष शर्मा, सुशीला कनौजिया और गीता पांडे ने बताया कि अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर जल्द ही विस्तृत प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।

माढ़ोताल के वसंत नगर नई बस्ती में वारदात

आधी रात को तीन वाहनों में लगाई आग

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के ग्राम रैगवां स्थित वसंत नगर नई बस्ती में देर रात अज्ञात शरारती तत्व द्वारा घर के बाहर खड़े तीन दोपहिया वाहनों में आग लगा देने का मामला सामने आया है। घटना के समय परिवार के सदस्य भोजन के बाद सो रहे थे। तभी घर के बुजुर्ग राम चरण चौधरी ने बाहर आग की लपटें उठती देख शोर मचाया, जिससे घर के लोग जागे और बाहर पहुंचे। जब तक परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक टेक सिंह अहिरवार के आंगन में खड़ी पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी-20 एमटी-9318 सहित एक सीटी-100 बाइक और एक्टिवा स्कूटी आग की चपेट में आ चुकी थीं। स्थानीय लोगों ने पानी और मिट्टी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तीनों वाहन पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच

घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और नाराजगी का माहौल है। पीड़ितों का आरोप है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर रंजिश या शरारत के चलते वाहनों में आग लगाई है। सूचना मिलने पर माढ़ोताल पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है तथा आगजनी करने वाले आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वेटरनरी विश्वविद्यालय में निविदा प्रक्रिया पर उठे सवाल, एनएसयूआई ने की जांच की मांग

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में निविदा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर कुलपति डॉ. मनदीप शर्मा को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई प्रदेश सचिव एजाज अंसारी ने किया। ज्ञापन में विश्वविद्यालय के संपदा अधिकारी डॉ. एस.के. कारमोरे पर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि जबलपुर एवं महू के लिए फर्नीचर क्रय संबंधी GeM पोर्टल निविदा में पात्रता और दस्तावेजों की शर्तें पूरी नहीं करने वाली कुछ फर्मों को कथित रूप से लाभ पहुंचाकर कार्य आदेश जारी किए गए। साथ ही निविदा समिति के गठन और प्रक्रिया में नियमों के पालन नहीं होने का भी आरोप लगाया गया है। एनएसयूआई ने यह भी आरोप लगाया कि फर्नीचर आपूर्ति के लिए पंजीकृत नहीं होने वाली फर्म को कार्य आदेश दिया गया तथा प्रशासनिक कार्यों में नियमित कर्मचारियों के बजाय संविदा और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों से कार्य लिया जा रहा है। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान शफी खान, अनुराग शुक्ला, सैफ मंसूरी, वकार खान, युग ठाकुर एवं अनिकेत तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आम वृक्ष के नीचे खाट पर बैठकर ग्रामीणों के साथ सीएम साय ने लगाई चौपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

मुख्यमंत्री साय।

प्रदेश में चल रहे सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड स्थित निमधा गांव पहुंचे।

यहां उन्होंने गांव के आम के पेड़ के नीचे खाट पर बैठकर ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाई और उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत जानी तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती, राजस्व मामलों में अनियमितताओं, पेयजल तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने बिजली व्यवस्था पर नाराजगी जताई और संबंधित डिविजनल इंजीनियर को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की हकीकत जानी

1 मई से शुरु हुआ 10 जून तक चलेगा सुशासन तिहार

मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 1 मई से 10 जून तक सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंच रहा है या नहीं, इसका प्रत्यक्ष फीडबैक प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि अब तक वे 28 जिलों का दौरा कर चुके हैं और समाधान शिविरों के साथ-साथ अचानक चौपाल लगाकर भी लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राशन, स्वास्थ्य, राजस्व, पेयजल और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने नई उद्योग नीति 2024-30 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य में 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही उन्होंने गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में पर्यटन विकास की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए प्रसिद्ध विष्णुभोग चावल के उत्पादन, ब्रांडिंग और विपणन को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि किसानों को इसका अधिक लाभ मिल सके।

कलेक्टर को स्वयं जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश

उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। वहीं राजस्व विभाग से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन को स्वयं जांच कर दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की लखपति दीदियों ने मुख्यमंत्री को अपने कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

पेक्स में गड़बड़ी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, समिति पूर्ववत रहेगी संचालित

प्रकृति मित्र बनकर धरती माता का आंगन हरा-भरा रखने लगाएं पेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें भविष्य के लिए सचेत हो जाने का संकेत देता है। यह दिवस याद दिलाता है कि हमें अपना और अपनी पीढ़ियों के भविष्य को बचाए रखने के लिए पेड़ लगाने होंगे, पानी बचाना होगा, प्रदूषण कम करना होगा, तभी हमारी यह धरती बची रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति का मित्र बनना होगा। हम यदि आज नहीं संभले तो जलवायु परिवर्तन से हमारे अस्तित्व पर संकट का खतरा मंडराने लगेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मप्र राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि अपनी धरती माता का आंगन स्वच्छ एवं हरा-भरा रखने के लिए हम सब कम से कम एक-एक पेड़ अवश्य लगाएं। उन्होंने अपेक्स बैंक परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आम का पौधा भी रोपा। इसमें 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत अपेक्स बैंक मुख्यालय सहित सभी जिला सहकारी बैंक एवं प्रत्येक प्राथमिक साख सहकारी समिति (पेक्स) में सघन पौधरोपण महाभियान चलाया जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को अपेक्स बैंक के नेतृत्व में प्रदेश भर में एक साथ 1 लाख पौधे लगाए गए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने एक पेड़ मां के नाम तहत अपेक्स बैंक परिसर में लगाया आम का पौधा

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र मिल्क कैपिटल बनने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। प्रदेश के किसान दूध उत्पादन में अपनी समृद्धि का मार्ग खोज रहे हैं। दूध उत्पादन से किसानों का आय में वृद्धि हुई है। सरकार ने दूध का उत्पादन 8 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। मप्र में इन दिनों दूध का प्रतिदिन संकलन 13 लाख लीटर बढ़ गया है। गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ देने के लिए शिवपुरी जिले के कोलारस कस्बे में जल्द ही शुगर फैक्ट्री स्थापित की जाएगी। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि हर संभव प्रयास करके अपने पर्यावरण को संरक्षित करना ही होगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर इस साल हम एक लाख पौधे लगाने जा रहे है। कार्यक्रम को अपेक्स बैंक के अध्यक्ष (प्रशासक) महेन्द्र सिंह यादव ने भी संबोधित किया।

पौधरोपण करते सीएम डॉ. यादव।

कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सरकार के एक विशेष प्रावधान के बारे में कहा कि अगर प्राथमिक सहकारी समिति (पैक्स) में कोई अधिकारी-कर्मचारी गड़बड़ी करेगा, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। समिति के सदस्य किसानों पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया जाएगा। सोसाइटी पर नहीं दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होगी। वह सोसाइटी पहले की तरह संचालित रहे, इसके लिए सभी तरह के प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के हित में हमारा प्रयास है कि वर्ष का अंत (फसल ऋण आदि लेने की अवधि) 31 मार्च से बढ़ाकर 31 मई तक कर दी जाएगी, ताकि किसान लोन डिफाल्टर न हो पाएं और अपना सालाना टर्न ओवर पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) से 21 जून (विश्व योग दिवस) तक पूरे एक पखवाड़े के दौरान सभी सहकारी समितियों के माध्यम से एक लाख पौधे रोपित किए जाएंगे।

राज्यसभा चुनाव में मप्र से प्रत्याशी तरुण ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन से की सौजन्य भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को उनके निवास पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा चुनाव में मप्र से प्रत्याशी तरुण चुघ ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें विजय की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी और भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा, कोई जनहानि नहीं

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में अचानक आग लगने से मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी के बॉम्बे मार्केट स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। कार्यालय परिसर से धुआं उठता देख कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे कार्यालय भवन के भीतर से धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसके बाद कुछ ही मिनटों में आग ने तेज रूप ले लिया। आग लगने की खबर फैलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर तेजी से मोर्चा संभाला और आग को भवन के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक दिया। कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। अधिकारियों का कहना है कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं होती तो नुकसान और अधिक बढ़ सकता था। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, लेकिन वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है।

महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलों को पहुंचा नुकसान

पुलिस और फायर विभाग संयुक्त रूप से पूरे मामले की पड़ताल कर रहे हैं।आगजनी की इस घटना में बैंक के कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, फाइलें और कार्यालयीन रिकॉर्ड प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। बैंक प्रबंधन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और यह पता लगाया जा रहा है कि कितने दस्तावेज नष्ट हुए हैं और आर्थिक क्षति कितनी हुई है।

फर्जी नामांतरण मामले में पटवारी निलंबित

गौरेला पेंड्रा मरवाही। मरवाही तहसील के ग्राम मगुरदा में आदिवासी परिवार की पैतृक भूमि में फर्जी नामांतरण के मामले में जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। कलेक्टर संतोष कुमार देवांगन ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर सख्त निर्देश दिए हैं। हल्का पटवारी रवींद्र कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। तहसीलदार प्रीति शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। मामले में संलिप्त महेश साकत के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश मिले हैं। यह शिकायत ग्राम सेमरदर्री निवासी सावन सिंह वाकरे और अन्य ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी आदिवासी भूमि का फर्जी दस्तावेजों से नामांतरण हुआ। भूमि को अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज कर बेचने की तैयारी थी। अनुविभागीय अधिकारी मरवाही की जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

मप्र वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार 2024-25 से सिवनी मालवा नगर पालिका परिषद सम्मानित

सिवनी मालवा नगर पालिका परिषद को सम्मानित करते मुख्यमंत्री।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विश्व पर्यावरण दिवस पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सिवनी मालवा नगर पालिका परिषद् को मप्र वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा नगर पालिका परिषद् को प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए नगर पालिका नगर परिषद श्रेणी में यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। पुरस्कार के अंतर्गत परिषद् को स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं 1 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस उपलब्धि से पूरे नगर में हर्ष का वातावरण है।

कंदेली नदी के संरक्षण विकास को मिली गति

नगर पालिका परिषद् द्वारा कंदेली नदी के उन्नयन एवं संरक्षण को लेकर भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। नदी के गहरीकरण, रिटर्न वॉल निर्माण, स्टॉप डैम के किनारे सड़क एवं पार्क निर्माण सहित सुविधाओं के विकास कार्य जारी हैं। एक वर्ष में पार्कों का निर्माण, स्टेडियम एवं इंडोर स्टेडियम की स्थापना, ओपन जिम का विकास, पौधरोपण अभियान, घाटों एवं तालाबों का सौंदर्यीकरण, सुलभ शौचालयों का निर्माण जैसे अनेक कार्य प्राथमिकता से पूर्ण किए गए।

नगर पालिका अध्यक्ष रितेश ने जताया आभार

नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने सम्मान प्राप्त होने पर नगर के नागरिकों, माताओं, बहनों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं नगर पालिका के अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे सिवनी मालवा परिवार की मेहनत, सहयोग और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा, यह सम्मान सिवनी मालवा की जनता, मातृशक्ति, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका परिवार को समर्पित है। हमारा संकल्प केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों को बेहतर एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंदेली नदी के संरक्षण, स्वच्छता, हरियाली और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

आज आसमान पर बादल छाए रहने की उम्मीद

अगले पांच दिनों तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री से पहले ही कई जिलों में आंधी-तूफान और बारिश का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार के बाद शनिवार को भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा।

रायगढ़ में अचानक तेज हवाएं चलीं और बारिश हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में इसी तरह के मौसम बने रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रायपुर समेत कई जिलों में शनिवार और रविवार को बादल छाए रहने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों में गरज-चमक, बारिश और धूलभरी आंधी चलने की भी संभावना है।

गरज-चमक, बारिश या धूलभरी आंधी की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार आज राजधानी रायपुर में बादल छाए रह सकते हैं। गरज-चमक, बारिश या धूलभरी आंधी की संभावना है। शहर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इसके अलावा प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अभी राज्य में मानसून के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

मेयर ने पीब्ल्यूडी अफसरों को किया तलब, शुरू करवाया नाले का निर्माण

भोपाल। महापौर मालती राय ने शुक्रवार को त्रिलंगा ओरामाल क्षेत्र में अपनी मौजूदगी में नाले का निर्माण कार्य शुरू करवाया। वे गत दिवस तेज आंधी-बारिश से जलभराव की सूचना मिलने पर निरीक्षण करने पहुंची थीं। उन्हें स्थानीय रहवासियों ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा सीमेंट क्रांकीटीकृत सड़क का निर्माण करा दिया गया है और नाले का निर्माण किया जाना है। इस पर उन्होंने तत्काल लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मौके पर तलब कर नाले की नप्ती कराई और नारियल फोड़कर अपने समक्ष ही नाला निर्माण कार्य प्रारंभ कराया।

■ महापौर मालती करने पहुंची थीं निरीक्षण

अनियमितताओं पर नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने की सख्त कार्रवाई

प्रदेश के नगरीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारियों की वेतनवृद्धि रोकने, पदावनति एवं पेंशन कटौती के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा विभिन्न नगरीय निकायों में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध लंबित जांच प्रकरणों में अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा वित्तीय अनियमितताओं, निर्माण कार्यों में लापरवाही, शासकीय भूमि एवं आय हड़पने तथा कोरोना काल में सामग्री क्रय में अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों को दंडित किया है।

नगर परिषद नगौद में स्टॉप डेम निर्माण कार्य में पाई गई अनियमितताओं के मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी संजय पांडे को एक वर्ष तक पदोन्नति की पात्रता नहीं रहेगी। नगर परिषद जैतहरी, जिला अनूपपुर में कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन अवधि में सामग्री क्रय में अनियमितताओं के मामले में तत्कालीन भंडार प्रभारी मोहित शर्मा की चार वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोक दी गई हैं। इसी मामले में तत्कालीन प्रभारी मुख्य लिपिक लेखपाल रजनीश लहंगीर एवं तत्कालीन स्वच्छता प्रभारी संजीव राठौर की भी चार वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।

इन अधिकारियों पर भी ऊपर हुई कार्रवाई

जैतहरी में ही शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की भूमि एवं आय हड़पने के मामले में राजस्व निरीक्षक अवधेश बीझी को दोषी मानते हुए उनकी दो वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह की आगामी दो वेतनवृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है। नगर परिषद जैतहरी में भूमि संबंधी अनियमितताओं के मामले में तत्कालीन प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम मिलन तिवारी को दोषी पाए जाने पर उनके सेवानिवृत्त होने के कारण देय पेंशन की 10 प्रतिशत राशि स्थायी रूप से रोक दी गई है। वहीं कोरोना काल में सामग्री क्रय में अनियमितता के एक अन्य मामले में तिवारी की पेंशन की 20 प्रतिशत राशि स्थायी रूप से रोकने की कार्रवाई की गई है। नगर परिषद पिपलौदा में नीलामी प्रक्रिया में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी अरुण पाठक की तीन वेतनवृद्धियां रोक दी गई हैं।

अनियमितताओं के कारण गिरी गाज

तालाब संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण योजना के अंतर्गत नगर पालिका परिषद धार में देवीसागर तालाब निर्माण कार्य में अनियमितता पाए जाने पर तत्कालीन उपयंत्री सुधीर ठाकुर की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। इसी प्रकार तालाब सौंदर्यीकरण कार्य में अनियमितता के मामले में तत्कालीन सहायक यंत्री देवेन्द्र कोल की भी एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी गई है।

रोजगार की तलाश में कही थी विदेश जाने की बात, बाद में पत्नी और बच्चों से आरोपी ने बनाई दूरी

पत्नी से पति मोबाइल पर तीन बार बोला तलाक, रायपुर पुलिस ने आरोपी को धरा

महाराष्ट्र के नागपुर से पकड़ाया, रायपुर लाकर की जा रही पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

विदेश में रहकर पत्नी को फोन पर तीन तलाक देने के मामले में रायपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ दर्ज शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर रायपुर पहुंचाया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसका पति रोजगार के लिए कई वर्ष पहले कुवैत चला गया था। विदेश में रहने के दौरान उसने परिवार से दूरी बना ली और पत्नी व बच्चों की जिम्मेदारियों से भी किनारा कर लिया। महिला का कहना है कि हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान पति ने विवाद के बाद तीन बार तलाक बोलकर वैवाहिक संबंध समाप्त करने की बात कही और उसे पत्नी के रूप में स्वीकार करने से इनकार कर दिया। शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम समेत अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी भारत लौट आया है। तकनीकी निगरानी और सूचना तंत्र की मदद से उसका लोकेशन नागपुर में ट्रेस किया गया। पुलिस टीम ने नागपुर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार किया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

मामले से जुड़े सभी तथ्यों पर पुलिस कर रही जांच, पुलिस से की अभद्रता

जांच में यह भी देखा जा रहा है कि कहीं उसने पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी से बचने के लिए इस तरह का कदम तो नहीं उठाया। मामले से जुड़े सभी तथ्यों और पारिवारिक विवाद के पहलुओं की जांच जारी है। अधिकारियों के मुताबिक कार्रवाई के दौरान आरोपी ने विरोध करने का प्रयास किया और पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी की। हालांकि टीम ने उसे काबू में लेकर रायपुर ले आई। जांच के दौरान एक और पहलू सामने आया है। पुलिस का कहना है कि कार्रवाई के समय आरोपी की मां एक नाबालिग बच्ची को साथ लेकर वहां से चली गई।

ईरान ने कुवैत व बहरीन पर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं अमेरिका ने ईरानी रडार साइट्स पर किया जवाबी हमला

अमेरिकी सेना ने 6 मिसाइलों को हवा में किया नष्ट

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव/तेहरान

अमेरिका ने कहा है कि उसकी सेना ने गोरक और केश्म आइलैंड पर ईरानी रडार साइट्स पर हमला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के मुताबिक, पहले होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए, फिर आगे के हमले रोकने के लिए रडार साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के पास दुश्मन ठिकानों पर मिसाइल हमला किया। वहीं, सेंटकॉम के मुताबिक ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर 7 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनमें 6 को हवा में ही रोक दिया गया, जबकि सातवीं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी।

बहरीन ने मिसाइल हमले की निंदा करते हुए इसे देश की संप्रभुता का खुला उल्लंघन और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा बताया

◂ होर्मुज में ईरान के 4 अटैक ड्रोन मार गिराए गए

◂ कुवैत में संपत्तियों को पहुंचा नुकसान लोग सुरक्षित

अमेरिका का ईरानी रडार साइट्स पर हमला

ईरान की मिसाइलों को रोका: कुवैत

कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि शनिवार सुबह देश की सेना ने कुवैत के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुई ईरान की सात बैलिस्टिक मिसाइलों का इंटरसेप्ट कर लिया। मंत्रालय के अनुसार, इन मिसाइलों को रिहायशी इलाकों के ऊपर ही रोक लिया गया। हालांकि, उन्हें नष्ट करने के बाद उनका कुछ मलबा जमीन पर गिरा, जिससे कुछ जगहों पर संपत्ति को नुकसान पहुंचा। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस घटना में किसी भी व्यक्ति की मौत या घायल होने की खबर नहीं है।

हमले का जायजा लेते अधिकारी

हमला खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा: बहरीन

बहरीन ने मिसाइल हमले की निंदा करते हुए इसे देश की संप्रभुता का खुला उल्लंघन और खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा बताया। बहरीन ने कहा कि सभी मिसाइलों को सफलतापूर्वक इंटरसेप्ट कर लिया गया और इसके लिए उसने अपनी और कुवैत की सेनाओं की सतर्कता की तारीफ की। बहरीन ने ईरान से तुरंत हमले रोकने, होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खोलने, समुद्री बारूदी सुरंगों की जानकारी देने और फंसे हुए 20 हजार से ज्यादा नाविकों को सुरक्षित निकलने देने की मांग की।

ट्रंप ने की मोजतबा से मुलाकात की पेशकश

अराघची बोले- असल दुनिया में नहीं जी रहे राष्ट्रपति ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई से मुलाकात करने की इच्छा जताई है। इस पर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तंज कसा है। अराघची ने कहा कि मैंने वह रिपोर्ट देखी है जिसमें ट्रंप ने मुलाकात की इच्छा जताई है। लेकिन मेरा मानना है कि हमें व्यावहारिक होना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति को हवा में बातें करने के बजाय असली दुनिया में सोचना और जीना चाहिए। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा था कि अगर तेहरान के साथ कोई ठोस समझौता होता है, तो वह ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मिलने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने यहां तक कहा कि इस मुलाकात से वह सम्मानित महसूस करेंगे।

खबर संक्षेप

भारतीय 'गेम डिजाइनर्स अवार्ड' की सूची में

लंदन। ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में पढ़ रहे एक भारतीय छात्र को भारत के एक कारखाने में काम करने वाले मजदूर के जीवन पर आधारित गेम के लिए 'बाफ्टा यंग गेम डिजाइनर्स अवार्ड' के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। स्कॉटलैंड के ग्लासगो स्थित 'स्ट्रैथक्लाइड' विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग में प्रथम वर्ष के छात्र डार्सी ढांडा को उनके गेम 'माया' के लिए 15-18 वर्ष के आयु वर्ग में नामांकित किया गया। यह गेम एक विधवा की कहानी पर आधारित है, जो कपड़े के कारखाने में लंबे समय तक काम करती है।

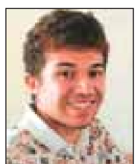

न्यूयॉर्क में योग दिवस का नेतृत्व एचआर नागेंद्र करेंगे

वॉशिंगटन। पीएम नरेंद्र मोदी के योग गुरु एचआर नागेंद्र 21 जून को न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित टाइम्स स्क्वायर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व करेंगे। वे न्यूयॉर्क के मोंटिसेलो में एक विशेष योग और कल्याण शिविर का भी उद्घाटन करेंगे जो 12 से 14 जून तक आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएएनए), बीआरयूएचयूडी एनवाई सीनियर्स और जयपुर फुट यूएसए द्वारा किया जा रहा है। शिविर में इस शिविर में योग सत्र, ध्यान, तनाव से निपटने संबंधी व्याख्यान दिए जाएंगे।

वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम 2026 में बोले पुतिन

भारत हमेशा अपने हितों के अनुसार ही फैसले लेता है.. बैन लगाने वाले खुद भुगतेंगे अंजाम

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत हमेशा एक संप्रभु देश के रूप में काम करता है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों का कोई भी संभावित खतरा तुरंत बूमरैंग साबित होगा

» भारत संग रिश्ते राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होते

एजेंसी ▸▸ सेंट पीटर्सबर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के खिलाफ प्रतिबंधों की कोई भी धमकी तुरंत उल्टा असर करने वाली साबित होगी। वार्षिक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (एसपीआईईएफ) में बोलते हुए, रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत हमेशा एक संप्रभु देश के रूप में काम करता है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रतिबंधों का कोई भी संभावित खतरा तुरंत बूमरैंग साबित होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत उन उत्पादों को चुनने के लिए स्वतंत्र है जिन्हें वह सबसे आधुनिक और अपने लिए सबसे उपयुक्त मानता है। भारत हमेशा अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही फैसले लेता है।

भारत उन उत्पादों को चुनने के लिए स्वतंत्र जो उसके हित के

भारत के साथ सहयोग राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होता

एसपीआईईएफ को संबोधित करते रूसी राष्ट्रपति पुतिन

पीएम मोदी से रही है करीबी बातचीत

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वह लंबे समय से पीएम मोदी के साथ करीबी बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने उस समय को भी याद किया जब मोदी के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि पीएम मोदी इसे कभी नहीं भूलेंगे। अब जब वह पीएम हैं, तो सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, और जहां तक मैं समझता हूं, अमेरिका और भारत के बीच रिश्ते कामयाबी के साथ बढ़ रहे हैं।

भारत-रूस अपनी प्रतिबद्धताओं पर कायम

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के साथ क्रेमलिन का सहयोग किसी भी तरह के राजनीतिक माहौल के अधीन नहीं है और मॉस्को भारत जैसे अपने भरोसेमंद भागीदारों को दी गई प्रतिबद्धताओं पर हमेशा कायम रहेगा। भारत के साथ हमारा सहयोग, हमारे बाकी सभी भागीदारों की तरह, राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होता है। कोई हमें यह निर्देश नहीं दे सकता है कि हम भारत को क्या आपूर्ति करें और क्या नहीं। कोई भी हमें निर्देशित नहीं कर सकता और कोई ऐसा करने की कोशिश भी नहीं करेगा।

आईटी उद्योग का दिग्गज है भारत

डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की भूमिका की सराहना करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि हमारा एक और प्रमुख भागीदार, भारत, आईटी उद्योग में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है। वैश्विक सॉफ्टवेयर बाजार में भारत की बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। बता दें, आपको बता दें कि भारत साल 2026 में ब्रिक्स देशों के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। व्लादिमीर पुतिन इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए 12 और 13 सितंबर को भारत की यात्रा पर आने वाले हैं।

ब्रिक्स ने जी7 देशों को पीछे छोड़ा

पुतिन ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वार्षिक वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा (49%) ब्रिक्स देशों से आया है, जबकि जी7 समूह का योगदान केवल 18% अनुमानित है। पुतिन ने बताया कि ब्रिक्स ने 2020 में ही जी7 को पीछे छोड़ दिया था और यह अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकासशील देश लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जबकि पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी लगातार सिकुड़ रही है।

ब्रिक्स देश की विकास दर 4% रहेगी

पुतिन ने अनुमान जताया कि विकसित राष्ट्रों (जी7) की विकास दर सालाना अधिकतम 1.1% रहेगी, जबकि ब्रिक्स देश 4% से अधिक की दर से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक और आइएमएफ भी यही कहते हैं। स्वाभाविक रूप से, जहां विकास सबसे अधिक गतिशील है और जहां उत्पादन और बिक्री की संभावनाएं हैं, वहां निवेश करना अधिक आकर्षक होता है। परिणामस्वरूप, वैश्विक व्यापार और वित्तीय प्रणाली का केंद्र पहले से ही बदल रहा है और यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

यूएन में पाक ने उठाया कश्मीर का मुद्दा

भारत बोला- ये हमारा आंतरिक मामला, यहां 'झूठ' न फैलाएं

» जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा, यह सच्चाई नहीं बदलेगी

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

राजदूत पर्वतनेनी हरीश

संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, महासभा में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की, लेकिन भारत ने तुरंत कड़ा जवाब देते हुए उसे फटकार लगा दी। भारत ने साफ कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता कोई राजनीतिक प्रचार का मंच नहीं है और इसका इस्तेमाल झूठे और पक्षपातपूर्ण दावे फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने दो टूक कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस सच्चाई को कोई नहीं बदल सकता। बता दें, संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है और उसका कार्यकाल इसी साल खत्म होना है। भारत ने पाकिस्तान के इस कदम को राजनीतिक एजेंडा बताया और कहा कि वह हर वैश्विक मंच का इस्तेमाल अपने हितों के लिए कर रहा है।

भ्रामक सूचनाएं फैला रहा पाक

पी. हरीश ने पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और इस पर किसी बाहरी टिप्पणी की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में अपनी मौजूदगी का गलत इस्तेमाल कर रहा है। भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान लगातार भ्रामक और गलत सूचनाएं फैलाने की कोशिश करता रहा है। हरीश ने कहा कि सुरक्षा परिषद की सदस्यता बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और इसे झूठे प्रचार का मंच नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने साफ कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है। इस बार भी उसने संयुक्त राष्ट्र में वही कोशिश दोहराई।

सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग दोहराई

भारत ने इस मौके पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग भी दोहराई। भारत ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिषद आज की दुनिया की वास्तविकता को नहीं दर्शाती। भारत के मुताबिक, 1945 की भू-राजनीतिक स्थिति के आधार पर बनी व्यवस्था अब पुरानी हो चुकी है। भारत ने कहा कि सिर्फ अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार जरूरी है। भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता रहा है।

कांगो में इबोला वायरस से 82 लोगों की मौत

नई दिल्ली। कांगो में इबोला के मामले में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। इकांगो के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के कंफर्म मामलों की संख्या 452 हो गई है, जिनमें 82 लोगों की जान चली गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने 4 जून को इतुरी और नॉर्थ किवु प्रांतों में 71 नए मामलों की जानकारी दी थी, जिनमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। यह वायरस बुंडिबुग्यो स्ट्रेन के लगातार कम्युनिटी ट्रांसमिशन का संकेत है।

दुरईस्वामी ने बीजिंग यूनिवर्सिटी का किया दौरा

कहा- भारत और चीन दो हजार सालों से ज्ञान की विरासत साझा कर रहे

एजेंसी ▸▸ बीजिंग

चीन में भारतीय राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने कहा है कि दो हजार सालों से अधिक समय से भाषाओं का पारस्परिक ज्ञानवर्धन और विचारों का आदान-प्रदान दोनों देशों के बीच संबंधों की एक परिभाषित विशेषता रहा है। दुरईस्वामी ने 'बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी' (बीएफएसयू) का दौरा किया, जहां उन्होंने व्याख्यान दिया तथा छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। चीन में विदेशी भाषाओं के प्रमुख संस्थान 'बीएफएसयू' में तमिल, हिंदी, बंगाली, संस्कृत और उर्दू सहित 102 भाषाओं के पाठ्यक्रम हैं। इसने हाल ही में अपने पाठ्यक्रमों की सूची में पंजाबी को भी शामिल किया है। ये भाषाएं मुख्य रूप से चीनी छात्रों के साथ-साथ राजनयिकों और अधिकारियों को सिखाई जाती हैं। दुरईस्वामी ने मौर्य काल से लेकर आधुनिक युग तक का हवाला देते हुए, बताया कि दो सबसे पुरानी सभ्यताओं के बीच आदान-प्रदान ने ज्ञान, दर्शन, कलात्मक परंपराओं, प्रौद्योगिकी, नवाचार को समृद्ध किया।

फलों के राजा आम की अमेरिका में धूम

वाणिज्य दूतावास ने आम महोत्सव मनाया, 100 आयातक रहे मौजूद

एजेंसी ▸▸ सिएटल

भारतीय आमों की अमेरिकी शहरों में धूम मची हुई है। अमेरिकी लोग इस फल की लोकप्रिय किस्मों को बड़े चाव से खा भी रहे हैं और उनकी अधिक की मांग भी कर रहे हैं। सिएटल स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें 'फलों के राजा' आम के अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में निर्यात और उपयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। इस आयोजन में 'कॉस्को' जैसी अमेरिकी खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों के वरिष्ठ नेतृत्व सहित भारतीय फलों के 100 से अधिक प्रमुख आयातकों ने भाग लिया। इस दौरान आयातकों को भारतीय आमों की सात उम्दा किस्मों-महाराष्ट्र के अल्फांसो (हापुस) और केसर, आंध्र प्रदेश के बंगनपल्ली (सफेदा) और हिमायत, उत्तर प्रदेश के लंगड़ा और प्रसिद्ध दशहरी तथा गुजरात के राजापुरी का स्वाद चखने का भी अवसर मिला। कार्यक्रम में आम से बने व्यंजन भी परोसे गए और क्षेत्रीय किस्मों की भी जानकारी दी गई।

अल्फांसो आम

जून में हिमाचल में बर्फबारी, झूम उठे पर्यटक

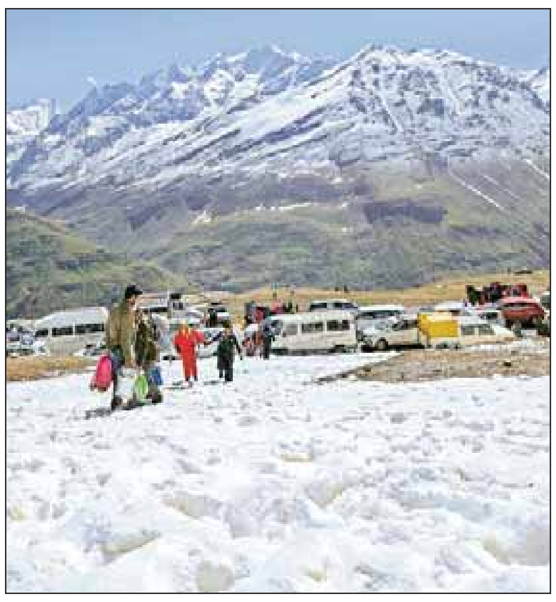

शिंकुला व रोहतांग दर्रे में गिरे बर्फ के फाहे

शिमला। जून महीने के चिलचिलाते तापमान के बीच मनाली के पर्यटन स्थलों में पहुंच रहे पर्यटकों का स्वागत बर्फ के फाहों से हो रहा है। दो दिन से मौसम सुहावना हो गया। रोहतांग सहित शिंकुला व बारालाचा में पर्यटकों ने बर्फ के फाहों में मस्ती कर अपने टूर को यादगार मनाया। सप्ताहांत के चलते शुक्रवार को साढ़े तीन हजार से अधिक पर्यटक वाहन मनाली पहुंचे हैं। छोटे और बड़े होटल पैक हो गए हैं। मनाली सहित लाहुल के समस्त पर्यटन स्थलों में रौनक लौट आई है। इन दिनों बर्फ 10 से 15 फीट ऊंची बर्फ की दीवारें और फ्रेश स्नो देखने को मिला। जून महीने में ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के फाहे सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

हवाई में 29वीं भारत-अमेरिका सैन्य वार्ता आयोजित

द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने और रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने पर हुई बात

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका के हवाई में 29वीं भारत और अमेरिका ने 'आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता' आयोजित की, जिसमें दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

साथ ही, दोनों पक्षों ने अपने रणनीतिक साझेदारी संबंधों को और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता उप सेना प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई और अमेरिकी सेना प्रशांत के उप कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल वोवेल ने की।

सेनाओं के बीच बढ़ेगा तालमेल

भारतीय सेना ने कहा कि चर्चा का मुख्य फोकस द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत करना, सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाना, पेशेवर आदान-प्रदान का विस्तार करना और साझा सुरक्षा हितों के लिए सैन्य सहयोग को गहरा करना था। दोनों पक्षों ने सेना के बीच बढ़ते सहयोग की सराहना की और भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर विचार-विमर्श

पिछले सप्ताह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने सिंगापुर में अमेरिकी कांग्रेस के द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल (सीओडीईएल) के प्रमुख और हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सदस्य पैट हैरिगन से मुलाकात की। इस दौरान क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा सहयोग के विस्तार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमानों को दिलाई 'सुपर ताकत'

नई एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण, स्टेल्थ जेट भी नहीं बचेंगे

दुश्मन के विमानों, हेलिकॉप्टरों, ड्रोन, मिसाइलों को निशाना बनाने की क्षमता

एजेंसी ▸▸ पेरिस

फ्रांस ने राफेल लड़ाकू विमान के लिए बनाई गई नई और आधुनिक एमआईसीए एनजी मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

खास बात यह है कि इस मिसाइल को पहली बार राफेल से बहुत तेज यानी सुपरसोनिक गति में दागा गया और यह स्टेल्थ फाइटर जेट्स को भी निशाना बना सकता है। मिसाइल बनाने वाली कंपनी एमबीडीए के मुताबिक, एमआईसीए एनजी को भविष्य के युद्धों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

जून 2025 में किया गया था पहला परीक्षण

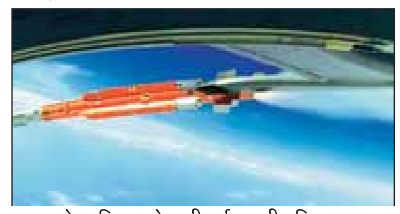
राफेल विमान से दागी गई एनजीए मिसाइल

कंपनी के मुताबिक, यह मिसाइल दुश्मन के लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों, ड्रोन, स्टेल्थ फाइटर जेट और तेज रफ्तार क्रूज मिसाइलों को भी निशाना बना सकती है। ये स्टेल्थ विमान वे होते हैं जिन्हें रडार पर पकड़ना काफी मुश्किल होता है। यह एमआईसीए एनजी का राफेल विमान से दूसरा परीक्षण था। पहला परीक्षण जून 2025 में किया गया था। इस बार इसे ऐसी स्थिति में परखा गया जब विमान ध्वनि की गति से भी ज्यादा तेजी से उड़ रहा था। इतनी तेज गति पर तापमान बहुत बढ़ जाता है, जिससे लक्ष्य को पहचानना मुश्किल हो जाता है।

गर्मी पहचानकर निशाना लगाती है मिसाइल

परीक्षण के दौरान मिसाइल के इन्फ्रारेड सीकर की जांच की गई। यह तकनीक दुश्मन के विमान या मिसाइल से निकलने वाली गर्मी को पहचानकर उसे ट्रैक करती है। परीक्षण में यह साबित हो गया कि बेहद कठिन परिस्थितियों और अधिक तापमान में भी यह प्रणाली सही तरीके से काम कर सकती है। इससे जरिए लड़ाकू विमान दुश्मन के विमानों को रोकने, हवाई लड़ाई लड़ने और अपनी सुरक्षा करने में ज्यादा सक्षम होंगे।

114 नए राफेल जेट खरीदना चाहता है भारत

मिसाइल का एक दूसरा संस्करण जहाजों और जमीन पर महत्वपूर्ण ठिकानों की सुरक्षा के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। भारत ने हाल ही में फ्रांस को 114 नए राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का प्रस्ताव भेजा है। इस सौदे की अनुमानित कीमत करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए बताई जा रही है। प्रस्ताव के अनुसार 114 में से 94 राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। इन्हें फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन और एक भारतीय कंपनी मिलकर तैयार करेंगी।

पिछले कुछ सालों में भारत में पेपर लीक की घटनाएं एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या बनकर उभरी हैं। इसने न सिर्फ लाखों युवाओं के करियर पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि पूरी शिक्षा और भर्ती प्रणाली के भरोसे को भी गहरा धक्का पहुंचाया है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है। तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक हो गई। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा, ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

पेपर लीक : सिस्टम को इलाज की जरूरत

विश्लेषण

चरणजीत चरण

स्वतंत्र स्तंभकार

सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा।

किसी भी देश को आत्मनिर्भर बनाने और उसके सांस्कृतिक, धार्मिक, तकनीकी एवं नैतिक उत्थान को उसके वैभव तक ले जाने में उस देश की शिक्षा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान होता है। अगर किसी कारण से शिक्षा व्यवस्था में कोई सेंधमारी होती है तो यह निश्चित रूप से उस देश के भविष्य के लिए चिंता का विषय है। पिछले कई वर्षों से भारत की कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं इस समस्या से जूझ रही हैं। सामान्य परीक्षाओं से लेकर भर्ती परीक्षाएं भी पेपर लीक की शिकार हुई हैं। अगर हालिया वर्ष की बात करें तो सीबीएसई एवं नीट की परीक्षाओं ने देश के युवा को निराश किया है। इस तरह की घटनाएं जब भी होती हैं तो देश के युवा मन में निराशा और अवसाद का एक बीज उपजने लगता है, जिससे उस युवा का समूचा परिवार प्रभावित होता है। सरकार नीतियां निर्धारित करती है, लेकिन उन नीतियों का क्रियान्वयन करने वाले प्रशासनिक अधिकारी, पेपर बनाने वाले एक्सपर्ट वो लोग जिन पर उस पेपर को संभालने और उसकी गोपनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी होती है या कोई बड़ा राजनीतिक व्यक्ति जब किसी लालच का शिकार हो जाता है तो पेपर लीक जैसी घटनाएं समाज में घटती हैं। इस तरह की घटनाओं को किसी एक व्यक्ति की गलती के तौर पर देखना पूरे सिस्टम की गंदगी पर पर्दा डालने जैसा होगा। सिस्टम में बैठे लोगों की लापरवाही कोई तकनीकी खामी या किसी व्यक्ति का नैतिक पतन किसी भी परीक्षा के लीक के लिए जिम्मेदार हो सकता है, लेकिन इसके लिए भी सबसे अधिक जिम्मेदारी सरकार की ही बनती है। पेपर लीक का यह मामला पहला नहीं है। कई वर्षों से इस तरह के मामले निरंतर आ रहे है, लेकिन उसके लिए कोई ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना, एक निचले स्तर के कर्मचारी से लेकर किसी बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना और उसका उल्लंघन होने पर कड़ी सजा का प्रावधान न होना इस सारे घटनाक्रम का कारण बनता है।

संगठित अपराध बना पेपर लीक

लीक होने वाली इन परीक्षाओं के लिए सरकार, प्रशासन और विशेषज्ञ ही जिम्मेदार हों, ऐसा नहीं है। बात अब इससे बहुत आगे बढ़ चुकी है। पेपर लीक अब एक संगठित अपराध का रूप ले चुका है। इसमें मोटा पैसा, रसूक और माफिया तंत्र का कॉकटेल बन चुका है। समाज के मध्यवर्ग में बैठे कुछ बड़े अधिकारी, उद्योगपति और कोचिंग संचालक इस पूरी प्रक्रिया से मोटा पैसा खींच रहे हैं। एक तरफ जहां लोगों पर सामाजिक दबाव है, बच्चों को किसी अच्छे कोर्स में डालने का और उन्हें कामयाब होते हुए देखने का, तो दूसरी तरफ अपनी सामाजिक और आर्थिक सत्ता को बचाने का भी दबाव है। इसके चलते पेपर लीक जैसे शॉर्टकट के माध्यम से नालायक बच्चों को भी कामयाब बनाने की कोशिश की जा रही है।

पैसे वाले माता-पिता की इसी मज़बूरी और महत्वाकांक्षा का फायदा पेपर लीक माफिया उठा रहा है। लीक पेपर के लाखों रुपये पेरेंट्स से वसूले जाते हैं। लीक पेपर से बना डॉक्टर इंजीनियर या अन्य किसी पद पर बैठा व्यक्ति समाज में कभी नैतिकता के पैमाने पर खरा नहीं उतर सकता। आज बहुत से इंस्टिट्यूट ये दावा करते हैं कि उनके यहां से कोचिंग लेने पर परीक्षा पास करने की सौ प्रतिशत गारंटी है।

भ्रामक विज्ञापन पर रोक लगे

पेपर लीक की बुनियाद यही गारंटी है। इसको बस ऐसे समझ लीजिए कि कोई तरबूज बेचने वाला अगर सौ प्रतिशत लाल और मीठे की गारंटी लेता है तो निश्चित मानना चाहिए कि वहां तरबूज में किसी केमिकल का इस्तेमाल हुआ है। भारत में भी पेपर लीक का एक बड़ा सोर्स इसी तरह के संस्थान हैं, जिन पर पूर्णतया रोक लगाने या इस तरह के भ्रामक विज्ञापन बंद करने की आवश्यकता है। आज सरकार और स्वयं पेरेंट्स को यह तय करना होगा कि हम देश में कैसा तंत्र चाहते हैं। क्या हम एक ऐसे डॉक्टर से इलाज कराना चाहते हैं तो पेपर लीक से डॉक्टर बना है।

पेपर लीक : मुख्य कारण

- ठोस नेटवर्क तैयार न कर पाना पेपर लीक का मुख्य कारण
- दोषी लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान न होना शामिल
- निचले स्तर से बड़े अधिकारी तक जिम्मेदारी तय न करना
- कड़ी सजा का प्रावधान न होना

सुधरनी चाहिए व्यवस्था

क्या हम किसी ऐसे इंजीनियर के मानकों पर खरे उतरे पुल से गुजरना चाहते हैं जो पेपर लीक सका सहारा लेकर यहां तक पहुंचा है, यह समस्या आज विकराल रूप लेती जा रही है। बार-बार पेपर लीक होना बताता है कि सिस्टम का एक बड़ा हिस्सा सड़ चुका है। उसे एक सतत इलाज की ज़रूरत है। जब तक सिस्टम में बैठे लोगों की जिम्मेदारी तय नहीं होती और जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा का प्रावधान नहीं होता, तब तक इस समस्या से निपटना आसान नहीं है।

साथ ही हमें बच्चों को बेसिक शिक्षा से ही नैतिक मूल्यों की कसौटी पर इस परिपक्वता के साथ ढालना होगा कि वे स्वयं इस तरह के अनैतिक कार्य के विरुद्ध खड़े होकर अपनी आवाज मुखर कर सकें। अगर ये नहीं होता है तो भविष्य में इसके बहुत ही दुखद परिणाम देखने को मिलेंगे। क्योंकि सालों साल मेहनत करने वाला बच्चा जब यह देखता है कि जिस करियर के सपने को सजाकर वह वर्षों से मेहनत कर रहा था, वह परीक्षा लीक हो चुकी है तो उसके मन मस्तिष्क पर इसका ऐसा दुष्प्रभाव पड़ेगा कि वह पूरे जीवन देश की सरकार और सिस्टम पर विश्वास नहीं कर पाएगा। हो सकता है कि यह घटना उसके मानसिक अवसाद का कारण बन जाए।

समाज होता है प्रभावित

इसका एक और दुष्परिणाम यह होगा कि बहुत सारे योग्य बच्चों की जगह अयोग्य बच्चे उन महत्वपूर्ण पदों पर बैठ जाएंगे, जहां से पूरा समाज प्रभावित होता है। यह ऐसी स्थिति होती है जैसे किसी स्वस्थ शरीर में एक अंग का खराब हो जाना,जो आज नहीं तो कल पूरे शरीर के लिए घातक साबित होगा।

स्कूली शिक्षा के अनुरूप हों प्रतियोगी परीक्षाएं

व्यवस्था

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पिछले कुछ वर्षों में गंभीर प्रश्नों के घेरे में आई है। विशेष रूप से मेडिकल प्रवेश परीक्षा जैसे नीट से जुड़े विवादों ने लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों को चिंता में डाल दिया है। लाखों की संख्या मे छात्रों द्वारा दी गई इस परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने, असामान्य रूप से बड़ी संख्या में छात्रों के अत्यधिक अंक प्राप्त करने तथा परीक्षा संचालन में अनियमितताओं के आरोप लगे। साथ ही विभिन्न राज्यों में शिक्षक भर्ती, पुलिस भर्ती, रेलवे भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों ने न केवल युवाओं का विश्वास कमजोर किया है बल्कि परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पेपर लीक की समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को लगातार अत्यधिक कठिन बनाया जा रहा है। जेईई एडवांस्ड और नीट जैसी परीक्षाओं में कई प्रश्न ऐसे पूछे जाते हैं जो भले ही औपचारिक रूप से पाठ्यक्रम के अंतर्गत हों, लेकिन उनकी जटिलता सामान्य विद्यालयी शिक्षा के स्तर से कहीं अधिक होती है। राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकों पर आधारित होने का दावा करने वाली परीक्षाओं में भी अनेक ऐसे प्रश्न देखने को मिलते हैं, जिनके समाधान के लिए विशेष कोचिंग की आवश्यकता पड़ती है। इस संदर्भ में यह प्रश्न प्रासंगिक हो जाता है कि जब चयन प्रक्रिया का अंतिम आधार मेरिट ही है, तब प्रश्नपत्रों की कठिनाई का स्तर इतना अधिक रखने की आवश्यकता क्यों महसूस की जाती है? यदि किसी परीक्षा में दस लाख विद्यार्थी शामिल होते हैं और केवल पांच हजार का चयन होना है, तो अपेक्षाकृत संतुलित और पाठ्यक्रम आधारित प्रश्नपत्र में भी श्रेष्ठ विद्यार्थियों की पहचान की जा सकती है। कठिनाई बढ़ाने से चयन प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष नहीं हो जाती, बल्कि यह उन छात्रों को अतिरिक्त लाभ देती है जिन्हें महंगे कोचिंग संस्थानों तक पहुंच उपलब्ध है। भारत में शायद इसीलिए भी कोचिंग उद्योग का आकार लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का कोटा, तेलंगाना का हैदराबाद तथा दिल्ली का मुखर्जी नगर जैसे क्षेत्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बड़े केंद्र बन चुके हैं। अनेक परिवार अपने बच्चों की तैयारी पर लाखों रुपये खर्च करने के लिए विवश हो जाते हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्र इस प्रतिस्पर्धा में पीछे छूट जाते हैं। यह स्थिति शिक्षा में समान अवसर के सिद्धांत के विपरीत है। यदि किसी छात्र ने अपने विद्यालय में पूरी लगन से पढ़ाई की है और बोर्ड के निर्धारित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, तो उसे केवल इसलिए नुकसान नहीं होना चाहिए कि उसने किसी महंगे कोचिंग संस्थान में प्रवेश नहीं लिया। प्रतियोगी परीक्षाओं का उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना होना चाहिए, न कि उसे अप्रासंगिक बनाना। सरकार और परीक्षा संचालित करने वाली संस्थाओं को इस विषय पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। नीट और जेईई जैसी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम देश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों के पाठ्यक्रमों के अनुरूप होना चाहिए। प्रश्नों का स्तर ऐसा हो जो अवधारणात्मक समझ की जांच करे, लेकिन विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले विषयों की सीमा से बाहर न जाए। यदि किसी प्रश्न को हल करने के लिए छात्र को अतिरिक्त कोचिंग सामग्री या विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ती है, तो यह परीक्षा की मूल भावना के विरुद्ध माना जाना चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा को भी मजबूत करना आवश्यक है। प्रश्नपत्रों की डिजिटल सुरक्षा, एनक्रिप्टेड वितरण प्रणाली, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, दोषियों के विरुद्ध त्वरित कड़ी कार्रवाई तथा पारदर्शी जांच व्यवस्था को और सशक्त बनाया जाना चाहिए।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर।

पेपर लीक केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह लाखों मेहनती छात्रों के सपनों पर चोट है। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, जबकि कुछ लोग अवैध तरीकों से उस मेहनत का मूल्य समाप्त कर देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रतियोगी परीक्षाओं को कठिन बनाने की बजाय निष्पक्ष, पारदर्शी और विद्यालयी शिक्षा के अनुरूप बनाया जाए। यदि प्रश्नपत्र देश के विभिन्न बोर्डों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे, तो छात्रों का कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता कम होगी, आर्थिक असमानता घटेगी और विद्यालयी शिक्षा का महत्व बढ़ेगा। साथ ही, यदि परीक्षा प्रणाली सुरक्षित और विश्वसनीय होगी तो युवाओं का विश्वास भी मजबूत होगा। भारत जैसे युवा देश के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि प्रतिभा का चयन अवसरों की समानता और ईमानदार प्रतिस्पर्धा के आधार पर हो, न कि कोचिंग की उपलब्धता, आर्थिक क्षमता या पेपर लीक जैसी विकृतियों के आधार पर। शिक्षा व्यवस्था का लक्ष्य प्रतिभा को पहचानना होना चाहिए, उसे अनावश्यक दबाव और असमानताओं के जाल में फंसाना नहीं।

तकनीक की चमक में गायब हुई गुणवत्ता

मंथन

डॉ. सुरेंद्र कुमार

स्वतंत्र स्तंभकार

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, तेज और निष्पक्ष बनाने के लिए तकनीक का दामन थामा। डिजिटल मूल्यांकन, ऑन-स्क्रीन मार्किंग, बारकोड आधारित उत्तर पुस्तिकाएं और ऑनलाइन मॉडरेशन जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं का उद्देश्य सिर्फ एक था, मानवीय भूलों को कम करना और पूरे देश में एक समान मानक स्थापित करना। साल 2026 के 12वीं बोर्ड के नतीजों ने इस पूरी चमक-दमक के पीछे छिपी एक गंभीर वास्तविकता को उजागर कर दिया है। परीक्षा परिणाम आते ही जिस तरह देश भर के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने मूल्यांकन प्रक्रिया पर तीखे सवाल उठाए, उसने एक नई बहस को जन्म दे दिया।

सवाल यह है कि तकनीक के बेहतर इस्तेमाल के बड़े-बड़े दावों के बीच आखिर चूक कहां हुई? सबसे जरूरी यह कि आने वाले समय में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली का मूल विचार बहुत प्रगतिशील था, जिसमें शिक्षक कंप्यूटर स्क्रीन पर कॉपियां जांचते हैं ताकि कॉपियों का विवरण आसानी से रखा जा सके और समय पर परिणाम घोषित हों। मगर इस बार के नतीजों ने इस पूरी व्यवस्था पर ही एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। हजारों मेधावी छात्रों ने यह शिकायत की है कि उन्होंने सभी प्रश्नों के पर्याप्त और सही उत्तर लिखे थे फिर भी उन्हें उम्मीद से बहुत कम अंक मिले। सबसे चौंकाने वाली स्थिति कुछ खास विषयों, जैसे फिजिक्स में देखने को मिली, जहां लगभग 58 % छात्रों को फेल या 'रिपीट' की श्रेणी में डाल दिया गया। इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का पिछड़ना सीधे तौर पर इस तकनीकी मूल्यांकन की विश्वसनीयता को कटघरे में खड़ा करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विफलता का कारण स्वयं तकनीक नहीं है, बल्कि उसके क्रियान्वयन का तरीका और मशीनों पर हमारी जरूरत से ज्यादा निर्भरता है। इसमें पहली और सबसे बड़ी चूक शिक्षकों के प्रशिक्षण से जुड़ी रही। कंप्यूटर स्क्रीन पर लंबे-लंबे उत्तरों को पढ़ना, उन्हें समझना और मार्किंग टूल्स का इस्तेमाल करना, पारंपरिक रूप से कागज पर कॉपी जांचने से बिल्कुल अलग अनुभव है। चूंकि शिक्षकों को इसके लिए व्यावहारिक रूप से तैयार नहीं किया गया, इसलिए वे स्क्रीन पर उत्तरों के गहरे भाव और गुणवत्ता को समझने में चूक गए। तकनीक ने गति तो दी, लेकिन मजबूत 'क्वालिटी चेक' न होने के कारण यह गति अंततः भारी त्रुटियों में बदल गई। इसके अलावा, मॉडरेशन और री-वेरिफिकेशन की व्यवस्था भी इस बार बेहद कमजोर साबित हुई। आधुनिक सॉफ्टवेयर होने के बावजूद यह सुनिश्चित नहीं किया जा सका कि हर कॉपी को तय मानकों के अनुसार जांचा जा रहा है या नहीं। परिणाम यह हुआ कि शुरुआती स्तर पर हुई गलतियां बिना किसी रोक-टोक के सीधे फाइनल रिजल्ट तक पहुंच गईं। कॉपियों के डिजिटल होने के बावजूद छात्रों को कोई ऐसा विस्तृत फीडबैक या स्पष्टीकरण नहीं मिला जिससे वे समझ सकें कि उनके अंक आखिर कहां और क्यों कटे।

इस पारदर्शिता की कमी ने छात्रों के असंतोष को गहरे अविश्वास में बदल दिया है। अब सवाल उठता है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए क्या किया जाना चाहिए। तकनीक आज की जरूरत है और इससे पीछे लौटना कोई समाधान नहीं हो सकता; समाधान केवल तकनीक और मानवीय विशेषज्ञता के बीच एक सही संतुलन बनाने में है। इसके लिए सीबीएसई को परीक्षकों के लिए एक अनिवार्य और व्यापक डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना होगा ताकि वे स्क्रीन पर भी न्यायपूर्ण मूल्यांकन कर सकें। दूसरा, ए आई और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग केवल 'ऑडिट' और निगरानी के लिए होना चाहिए। यदि किसी छात्र को बहुत असामान्य अंक मिलते हैं तो एआई सिस्टम को उसे स्वतः चिन्हित कर देना चाहिए ताकि वरिष्ठ शिक्षक उस कॉपी को दोबारा देख सकें।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है। यह अनुभव एक बड़ी चेतावनी है कि शिक्षा में आधुनिकता का स्वागत तो है, लेकिन किसी भी तकनीक को छात्रों के भविष्य की कीमत पर लागू नहीं किया जा सकता।

बोर्ड को मार्किंग स्कीम और कॉपियों को देखने की प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता अपनानी होगी, तभी छात्रों का भरोसा वापस जीता जा सकेगा। परीक्षा परिणाम के चलते प्रभावित हुए छात्रों के संकट का तत्काल निवारण करना भी बहुत आवश्यक है।

योग्यता पर प्रहार, भविष्य पर वार

परीक्षा

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

भारत में 'पेपर लीक' की निरंतर बढ़ती घटनाएं केवल प्रशासनिक विफलता या वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं है बल्कि यह देश के भविष्य के साथ होने वाला एक गंभीर क्रूर मज़ाक है। एक अदद सरकारी नौकरी या प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले के लिए दिन-रात एक करने वाले करोड़ों विद्यार्थियों के लिए यह स्थिति एक मानसिक विभीषिका जैसी है।

हर साल लाखों युवाओं की उम्मीदें, उनके माता-पिता की गाढ़ी कमाई और सालों की तपस्या एक झटके में पेपर लीक के काले बाज़ार की भेंट चढ़ जाती है। एक सुरक्षित परीक्षा प्रणाली का ढांचा तीन स्तंभों पर टिकता है- गोपनीयता, सत्यनिष्ठा और उपलब्धता। पेपर लीक की घटनाएं दर्शाती हैं कि हमारे तंत्र में इन तीनों ही स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। प्रश्नपत्र तैयार होने से लेकर प्रिंटिंग प्रेस, लॉजिस्टिक्स (परिवहन) और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने के बीच कई ऐसे 'लीक प्वाइंटस' होते हैं, जहां सुरक्षा बेहद कमज़ोर है। स्थानीय स्तर पर अधिकारियों या निजी एजेंसियों की मिलीभगत से प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर तैरने लगते हैं। दूसरा, पेपर लीक मामले में मज़बूत कानून और त्वरित न्याय का अभाव है। राज्य स्तर के कानून इतने लचर हैं कि दोषी कुछ ही दिनों में ज़मानत पर बाहर आ जाते हैं और दोबारा इसी धंधे में लग जाते हैं। त्वरित और कठोर सज़ा न होना अपराधियों के हौसले बढ़ाता है। तीसरा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों की निजी केंद्रों और आउटसोर्सिंग पर अत्यधिक निर्भरता भी इसका बड़ा कारण है। परीक्षा कराने वाली नोडल एजेंसियों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिससे वे बाहरी वेंडर्स पर निर्भर हो जाती हैं। मनोविज्ञान के नजरिए से देखें तो परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब इस तनाव के बीच पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद देशभर के राज्यों में जिस तरह से युवा-युवतियों के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन और दबाव का ही परिणाम हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र महीनों, सालों तक 'क्रॉनिक स्ट्रेस' यानी लगातार बने रहने वाले तनाव से गुज़रते हैं। जब परीक्षा रद्द हो जाती है तो छात्र 'बर्नआउट' की स्थिति में पहुंच जाते हैं। बर्नआउट का अर्थ है मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से पूरी तरह टूट जाना, जिसके बाद दोबारा ऊर्जा जुटाना असंभव सा लगने लगता है। मनोविज्ञान में मार्टिन सेलिगमैन का 'लर्नड हेल्पलेसनेस' का सिद्धांत यहां सटीक बैठता है। जब छात्रों को लगता है कि उनकी कड़ी मेहनत, बुद्धिमत्ता और प्रयासों का परीक्षा के परिणाम से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि अंततः पेपर तो पैसे वाले ही खरीद लेंगे तो वे मान लेते हैं कि परिस्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हैं। यह सोच उन्हें गहरे डिप्रेशन की ओर धकेलती है और वे प्रयास करना ही छोड़ देते हैं। पेपर लीक होने पर जब सालों की मेहनत शून्य हो जाती है तो छात्रों में 'आईडेंटिटी क्राइसिस' पैदा होता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों और समाज के ताने, 'इतने साल से क्या कर रहे हो?' जैसी बातें उनके आत्मसम्मान को पूरी तरह नष्ट कर देती हैं। यही कारण है कि कोटा से लेकर प्रयागराज तक, छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डराने वाले स्तर तक बढ़ गई है। पेपर लीक होने पर सरकारें अकसर परीक्षा रद्द करके 'दोबारा परीक्षा' की घोषणा कर देती हैं। प्रशासनिक रूप से यह एक समाधान लग सकता है, लेकिन एक विद्यार्थी के धरातल पर यह एक नई प्रताड़ना की शुरुआत है। अधिकांश छात्र ग्रामीण या निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों से आते हैं जो शहरों में किराए के कमरों या लॉज में रहकर, कर्ज़ लेकर कोचिंग और रहने का खर्च उठाते हैं। कई परिवारों के पास दोबारा परीक्षा तक छात्र को बाहर रखने के पैसे ही नहीं होते। मानव मस्तिष्क किसी एक लक्ष्य के लिए एक निश्चित समय तक ही उच्चतम एकाग्रता बनाए रख सकता है। परीक्षा के दिन छात्र का मानसिक स्तर चरम पर होता है। परीक्षा टलने या रद्द होने पर वह मानसिक लय टूट जाती है। जब देश की मेधावी युवा शक्ति व्यवस्था से निराश होकर अवसाद और आक्रोश में डूबने लगेगी तो राष्ट्र निर्माण की नींव भी कमजोर होगी। अब समय आ गया है कि एक पारदर्शी, सुरक्षित और अचूक परीक्षा प्रणाली का निर्माण किया जाए ताकि किसी भी युवा की मेहनत पर भ्रष्टाचार का पानी न फिरे और 'योग्यता' का मान सुरक्षित रहे।

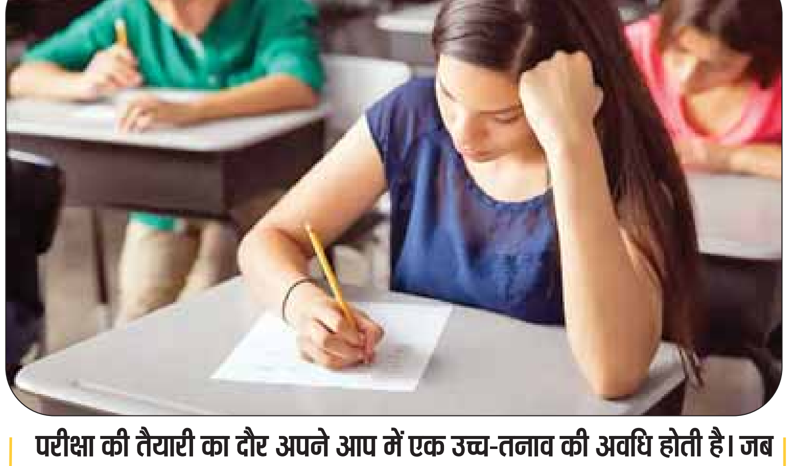

परीक्षा की तैयारी का दौर अपने आप में एक उच्च-तनाव की अवधि होती है। जब परीक्षा रद्द होने की खबर आती है तो विद्यार्थी का मानसिक संतुलन बुरी तरह डगमगा जाता है। नीट पेपर लीक के बाद जिस तरह से युवाओं के आत्महत्या करने की घटनाएं सामने आईं, वे मानसिक असंतुलन का ही परिणाम हैं।

पे-रोल लिंक्ड एसआईपी

वेतन से सीधे निवेश करने का नया रास्ता

कर्मचारियों के लिए धन सृजन का सबसे आसान फॉर्मूला

सेबी का प्रस्ताव बचत व निवेश की आदत को मजबूत करेगा

जोखिमभरी ट्रेडिंग से दूर होकर दीर्घकालिक संपत्ति बना सकेंगे

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश लगातार लोकप्रिय हो रहा है और करोड़ों लोग सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अब भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेश को और सरल तथा अनुशासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा है। इसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों की सैलरी से सीधे म्यूचुअल फंड में निवेश की व्यवस्था की जा सकती है। इस व्यवस्था को पे-रोल-लिंक्ड एसआईपी कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य कर्मचारियों में नियमित निवेश की आदत विकसित करना, उन्हें जोखिमपूर्ण फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग से दूर रखना और शेयर बाजार में स्थिर घरेलू पूंजी का प्रवाह बढ़ाना है। यदि यह योजना लागू होती है तो कर्मचारियों को हर महीने अलग से निवेश करने की चिंता नहीं रहेगी, बल्कि वेतन मिलने के साथ ही तय राशि स्वतः म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाएगी। विशेषज्ञ इसे भारत में निवेश संस्कृति को नई दिशा देने वाला कदम मान रहे हैं। सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार सूचीबद्ध कंपनियां और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) से पंजीकृत नियोक्ता अपने कर्मचारियों की सैलरी से एक निश्चित राशि काटकर सीधे म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश कर सकेंगे। कर्मचारी स्वयं यह तय करेंगे कि उन्हें किस फंड में और कितनी राशि निवेश करनी है। यह प्रक्रिया उसी प्रकार होगी जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) या कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) के लिए वेतन से राशि काटी जाती है। अंतर केवल इतना होगा कि यह राशि कर्मचारी के चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश होगी और उसकी यूनिट्स कर्मचारी के डीमैट खाते में जमा हो जाएंगी।

सफलता अगले स्तर पर ले जाने की कोशिश

एसआईपी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह निवेश को नियमित और स्वचालित बनाती है। निवेशक को हर महीने अलग से निर्णय लेने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है कि देश में **SIP** के माध्यम से हर महीने हजारों करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। पेरोल-लिंक्ड एसआईपी इस अवधारणा को और आगे बढ़ाता है। इसमें कर्मचारी को निवेश शुरू करने या हर महीने भुगतान की चिंता नहीं करनी होगी। वेतन जारी होते ही निर्धारित राशि निवेश हो जाएगी। इससे निवेश की निरंतरता बनी रहेगी और धन सृजन की प्रक्रिया स्वतः चलती रहेगी।

पहले बचत, फिर खर्च की आदत

अधिकांश लोग वेतन मिलने के बाद पहले खर्च करते हैं और बाद में बची राशि निवेश करने की सोचते हैं। कई बार महीने के अंत तक निवेश के लिए पैसा ही नहीं बचता। पेरोल एसआईपी इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। निवेश की राशि पहले ही कट जाएगी, जिससे बचत और निवेश को प्राथमिकता मिलेगी।

निवेश में अनुशासन

निवेश का सबसे कठिन हिस्सा नियमितता बनाए रखना होता है। नौकरी, घरेलू खर्च और अन्य जिम्मेदारियों के कारण लोग एसआईपी बंद कर देते हैं या किस्तें छोड़ देते हैं। पेरोल आधारित व्यवस्था निवेश को स्वचालित बनाकर इस समस्या को काफी हद तक समाप्त कर सकती है।

लंबी अवधि में बड़ा फंड

नियमित निवेश और चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ मिलकर समय के साथ बड़ी संपत्ति तैयार कर सकते हैं। यदि कोई कर्मचारी लंबे समय तक हर महीने छोटी राशि भी निवेश करता है तो वह भविष्य में बड़ा कोष तैयार कर सकता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ लंबे समय तक **SIP** जारी रखने पर जोर देते हैं।

एफएंडओ ट्रेडिंग में नुकसान

हाल के वर्षों में फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग में खुदरा निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश निवेशकों को इसमें नुकसान उठाना पड़ रहा है। सेबी के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में लगभग 91 प्रतिशत व्यक्तिगत डेरिवेटिव ट्रेडर्स को नुकसान हुआ और कुल नुकसान एक लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

घरेलू पूंजी को मजबूत करना

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है, लेकिन वैश्विक परिस्थितियों के कारण विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशक और SIP निवेश लगातार बाजार को सहारा देते हैं। पेरोल-लिंक्ड SIP के माध्यम से घरेलू निवेश का आधार और मजबूत हो सकता है।

व्यवहारिक मनोविज्ञान का उपयोग

इस प्रस्ताव की खास बात यह है कि यह लोगों की वित्तीय आदतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पहला, पैसा निवेश होने के बाद ही कर्मचारी के हाथ में पहुंचेगा, इसलिए उसे खर्च करने या जोखिमपूर्ण ट्रेडिंग में लगाने की संभावना कम होगी। दूसरा, अधिकांश लोग किसी डिफॉल्ट व्यवस्था को बदलना पसंद नहीं करते। यदि डिफॉल्ट विकल्प निवेश है तो लोग नियमित निवेश जारी रखेंगे। तीसरा, हर महीने बढ़ती निवेश राशि कर्मचारियों को अपने वित्तीय लक्ष्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी और उनमें निवेशक की सोच विकसित होगी।

योजना की सफलता के लिए क्या जरूरी है

विशेषज्ञों का मानना है कि म्यूचुअल फंड से निकासी की प्रक्रिया को और तेज बनाना होगा। वर्तमान में इक्विटी म्यूचुअल फंड से पैसा निकालने पर आमतौर पर एक से दो दिन का समय लगता है। जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट तोड़ने पर राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल जाती है। यदि निवेशकों को जरूरत पड़ने पर जल्द पैसा उपलब्ध हो जाए तो उनका भरोसा बढ़ेगा और वे अधिक उत्साह से इस योजना में भाग लेंगे। डिजिटल भुगतान और यूपीआई के दौर में निवेशकों की अपेक्षा भी तेज और सुविधाजनक सेवाओं की है।

पैसों को लेकर अपनाएं सही आदतें, भविष्य होगा सुरक्षित

सुझाव

बिजनेस डेस्क

20 साल की उम्र जिंदगी का वह पड़ाव है, जब पहली नौकरी, अपनी कमाई और आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास एक साथ मिलता है। यही वह समय भी होता है जब वित्तीय आदतों की नींव पड़ती है। यदि इस दौर में पैसों को लेकर सही फैसले लिए जाएं तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और मजबूत बन सकता है। वहीं कुछ सामान्य गलतियां लंबे समय में आर्थिक लक्ष्यों को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए जरूरी है कि कम उम्र से ही बचत, निवेश और खर्च के बीच संतुलन बनाना सीखा जाए। कमाई शुरू होने के बाद अक्सर युवा अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाते हैं। महंगे रेस्टोरेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, छुट्टियां और नए गैजेट्स पर खर्च बढ़ जाता है। जीवन का आनंद लेना गलत नहीं है, लेकिन यदि आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश नहीं बढ़ते तो भविष्य में आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर वेतन वृद्धि का एक हिस्सा सीधे बचत या निवेश में लगाया जाए। इससे धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार होता है और बड़े लक्ष्यों को हासिल करना आसान हो जाता है।

जल्दी निवेश से बड़ा फायदा

निवेश की दुनिया में समय सबसे बड़ा साथी माना जाता है। कई युवा यह सोचकर निवेश टालते रहते हैं कि अभी उम्र कम है और बाद में शुरुआत कर लेंगे। लेकिन जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाता है, उतना अधिक फायदा चक्रवृद्धि यानी कंपाउंडिंग का मिलता है। छोटी-छोटी रकम का नियमित निवेश भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकता है। इसलिए पहली नौकरी के साथ ही निवेश की आदत विकसित करना भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकता है।

क्रेडिट कार्ड का प्रयोग समझदारी से करें

क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन इसे अतिरिक्त आय समझना बड़ी गलती हो सकती है। कई युवा जरूरत से ज्यादा खर्च कर लेते हैं और बाद में भुगतान करने में परेशानी का सामना करते हैं। समय पर भुगतान न होने पर भारी ब्याज देना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग केवल उतना ही करना चाहिए, जितना आसानी से चुकाया जा सके। जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने पर यह अच्छा वित्तीय साधन साबित हो सकता है।

निवेश के उद्देश्य अलग-अलग हैं

कम उम्र में कई लोग ऐसे उत्पाद चुन लेते हैं जो बीमा और निवेश दोनों का दावा करते हैं। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि बीमा का उद्देश्य सुरक्षा देना है, जबकि निवेश का उद्देश्य संपत्ति बनाना होता है। इसलिए पर्याप्त बीमा सुरक्षा के लिए अलग योजना और निवेश के लिए अलग विकल्प चुनना अधिक बेहतर माना जाता है। इससे दोनों लक्ष्यों को प्रभावी तरीके से पूरा किया जा सकता है।

इमरजेंसी फंड देता है आर्थिक सुरक्षा

जीवन में कब कोई अप्रत्याशित स्थिति आ जाए, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। नौकरी छूटना, अचानक स्वास्थ्य संबंधी खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में आर्थिक संकट पैदा हो सकता है। ऐसे समय में आपातकालीन फंड बड़ी राहत देता है। विशेषज्ञ कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर राशि अलग रखने की सलाह देते हैं। यह फंड मुश्किल समय में कर्ज लेने की जरूरत को कम कर सकता है।

वित्तीय लक्ष्य तय करना भी है जरूरी

सिर्फ कमाना और निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है। यह भी जरूरी है कि निवेश का उद्देश्य स्पष्ट हो। घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, व्यवसाय शुरू करना या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग योजना बनानी चाहिए। स्पष्ट लक्ष्य होने से सही निवेश विकल्प चुनने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिलती है। लक्ष्य आधारित निवेश लंबे समय में बेहतर परिणाम दे सकता है।

सही आदतें बनाती हैं मजबूत भविष्य

20 की उम्र में अपनाई गई अच्छी वित्तीय आदतें भविष्य की आर्थिक सफलता का आधार बनती हैं। नियमित बचत, समय पर निवेश, नियंत्रित खर्च, पर्याप्त बीमा और आपातकालीन फंड जैसी आदतें आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करती हैं। युवावस्था में लिया गया हर समझदारी भरा वित्तीय फैसला आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और स्थिरता का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इसलिए आज बनाई गई अच्छी आदतें ही कल के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव बनती हैं।

अब बिना सैलरी वाले भी ले सकते हैं किराए पर टैक्स छूट

- फ्रीलांसर, बिजनेसमैन और सेल्फ-एंप्लॉयड लोगों के लिए राहत
- एचआरए के बिना भी उपलब्ध है टैक्स छूट, जाने सेक्शन 80जीजी नियम
- छूट का दावा करने से पहले कुछ शर्तों को भी पूरा करना जरूरी
- छोटी-सी चूक पड़ सकती है भारी, इन सामान्य गलतियों से बचें

बचत मंत्र

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने का मौसम शुरू हो चुका है और अधिकांश लोग टैक्स बचाने के विकल्प तलाश रहे हैं। आम धारणा यह है कि मकान किराए पर टैक्स छूट यानी हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) का लाभ केवल नौकरीपेशा लोगों को मिलता है, क्योंकि यह उनके वेतन पैकेज का हिस्सा होता है, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यदि आप नौकरीपेशा नहीं हैं, फ्रीलांसर हैं, स्वरोजगार करते हैं, व्यवसायी हैं या आपकी कंपनी आपको एचआरए उपलब्ध नहीं कराती, तब भी आप घर के किराए पर टैक्स छूट का दावा कर सकते हैं। आयकर अधिनियम की धारा 80जीजी तथा नए आयकर कानून 2025 की धारा 134 के तहत ऐसे करदाताओं को किराए पर टैक्स राहत प्रदान की जाती है। हालांकि इसका लाभ लेने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही यह छूट केवल पुरानी कर व्यवस्था चुनने वाले करदाताओं को ही उपलब्ध होती है।

क्या है सेक्शन 80जीजी

सेक्शन 80जीजी उन लोगों के लिए बनाया गया है जिन्हें किसी भी रूप में एचआरए नहीं मिलता, लेकिन वे किराए के मकान में रहते हैं और नियमित रूप से किराया अदा करते हैं। यह प्रावधान विशेष रूप से फ्रीलांसर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, छोटे व्यापारी, सलाहकार और अन्य स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। हालांकि इस छूट का लाभ लेने के लिए कुछ महत्वपूर्ण शर्तें पूरी करनी होती हैं।

जरूरी पात्रता शर्तें

करदाता को नौकरी या व्यवसाय से किसी प्रकार का एचआरए प्राप्त नहीं होना चाहिए। वह वास्तव में किराए के मकान में रह रहा हो और किराया चुका रहा हो। जिस शहर में वह रहता या काम करता है, वहां उसके नाम, उसके जीवनसाथी, नाबालिग बच्चों या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के नाम कोई आवासीय मकान नहीं होना चाहिए। आयकर रिटर्न दाखिल करने से पहले या उसके साथ ऑनलाइन फॉर्म 10बीए जमा करना अनिवार्य है। करदाता को पुरानी टैक्स व्यवस्था का चयन करना होगा। यदि इनमें से किसी भी शर्त का उल्लंघन होता है तो टैक्स विभाग छूट के दावे को अस्वीकार कर सकता है।

एचआरए और सेक्शन 80जीजी में अंतर

कई लोग एचआरए और सेक्शन 80जीजी को एक जैसा समझते हैं, जबकि दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है।नौकरीपेशा कर्मचारियों को मिलने वाली एचआरए छूट उनके वेतन, शहर और वास्तविक किराए के आधार पर निर्धारित होती है। इसमें किसी निश्चित अधिकतम सीमा का प्रावधान नहीं है। इसलिए उच्च वेतन वाले कर्मचारियों को बड़ी टैक्स छूट मिल सकती है। वहीं, सेक्शन 80जीजी के तहत मिलने वाली छूट की एक निर्धारित अधिकतम सीमा है। चाहे कोई व्यक्ति सालभर में कितना भी अधिक किराया क्यों न चुका रहा हो, उसे एक निश्चित सीमा से अधिक टैक्स लाभ नहीं मिल सकता। वर्तमान नियमों के अनुसार सेक्शन 80जीजी के तहत अधिकतम 60,000 रुपये वार्षिक यानी 5,000 रुपये प्रतिमाह तक की ही छूट उपलब्ध है।

ऐसे होता है टैक्स छूट का कैलकुलेशन

धारा 80 जीजी के तहत मिलने वाली टैक्स छूट तीन अलग-अलग गणनाओं के आधार पर तय की जाती है। इनमें से जो राशि सबसे कम होती है, वही अंतिम डिडक्शन के रूप में स्वीकार की जाती है।

- **पहला फॉर्मूला** : 5,000 रुपये प्रति माह या 60,000 रुपये प्रति वर्ष
- **दूसरा फॉर्मूला** : समायोजित कुल आय का 25 प्रतिशत
- **तीसरा फॉर्मूला** : पूरे वर्ष में दिया गया वास्तविक किराया
- माइनस कुल आय का 10 प्रतिशत
- इन तीनों में जो सबसे कम राशि होगी, वही टैक्स छूट के रूप में मिलेगी।

जानकारी

बिजनेस डेस्क

पीपीएफ में निवेश का सही समय भी बढ़ा सकता है आपका रिटर्न

छोटी-सी सावधानी बरतने से ही मिल जाएगा बड़ा फायदा

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) देश की सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। सरकारी गारंटी, टैक्स छूट और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न के कारण यह निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। अधिकांश लोग इसे केवल टैक्स बचाने का साधन मानते हैं, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इससे बेहतर रिटर्न भी हासिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि पीपीएफ में केवल निवेश की राशि ही नहीं, बल्कि निवेश की तारीख भी आपके रिटर्न को प्रभावित करती है। यदि निवेशक हर महीने सही समय पर पैसा जमा करें तो उन्हें अतिरिक्त ब्याज का लाभ मिल सकता है, जो लंबे समय में बड़ी रकम में बदल सकता है।

हर महीने 5 तारीख क्यों मानी जाती है महत्वपूर्ण

पीपीएफ खाते में ब्याज की गणना एक खास नियम के तहत की जाती है। प्रत्येक महीने की 5 तारीख और महीने के अंतिम दिन के बीच खाते में मौजूद न्यूनतम बैलेंस पर ब्याज तय किया जाता है। इसका मतलब है कि यदि कोई निवेशक किसी महीने की 5 तारीख या उससे पहले पैसा जमा करता है, तो उस रकम पर उसी महीने से ब्याज मिलना शुरू हो जाता है। इसके विपरीत यदि पैसा 5 तारीख के बाद जमा किया जाता है, तो उस पर ब्याज अगले महीने से लागू होता है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15 वर्षों जैसी लंबी अवधि में यही अतिरिक्त ब्याज निवेशक की कुल संपत्ति को काफी बढ़ा सकता है।

नियमित निवेश के साथ बढ़ता है कंपाउंडिंग का फायदा

पीपीएफ की सबसे बड़ी ताकत कंपाउंडिंग यानी चक्रवृद्धि ब्याज है। निवेश पर मिलने वाला ब्याज भी आगे चलकर ब्याज कमाने लगता है। यही कारण है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने वाले निवेशकों को बड़ा लाभ मिलता है। यदि निवेशक हर महीने की 5 तारीख से पहले निर्धारित राशि जमा करते हैं तो उनके खाते में अधिक समय तक ब्याज जुड़ता रहता है। इससे मैच्योरिटी के समय मिलने वाली राशि में सकारात्मक अंतर देखने को मिलता है।

अप्रैल में निवेश करने वालों को अतिरिक्त लाभ

पीपीएफ में एक वित्त वर्ष के दौरान अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक निवेश किया जा सकता है। जिन निवेशकों के पास पर्याप्त धन उपलब्ध है, वे वित्त वर्ष की शुरुआत यानी अप्रैल में ही पूरी राशि जमा कर सकते हैं। ऐसा करने पर पूरी रकम पूरे वर्ष के लिए ब्याज अर्जित करती है, जिससे कुल रिटर्न बढ़ जाता है। हालांकि अधिकांश वेतनभोगी निवेशकों के लिए एकमुश्त निवेश करना संभव नहीं होता। ऐसे में मासिक निवेश एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

निवेशक अक्सर कर बैठते हैं ये सामान्य गलतियां

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कई निवेशक कुछ छोटी-छोटी गलतियों के कारण पीपीएफ का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। सबसे आम गलती 5 तारीख के बाद पैसा जमा करना है। इससे उस महीने का ब्याज नहीं मिल पाता और लंबे समय में रिटर्न प्रभावित होता है। इसके अलावा कुछ निवेशक सालाना न्यूनतम निवेश की शर्त भूल जाते हैं। पीपीएफ खाते को सक्रिय बनाए रखने के लिए हर वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपये जमा करना जरूरी होता है। वहीं कई लोगों को यह भ्रम रहता है कि पीपीएफ की ब्याज दर 15 वर्षों तक एक जैसी बनी रहती है, जबकि ऐसा नहीं है।

ब्याज दरों में समय-समय पर हो सकता है बदलाव

वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत वार्षिक ब्याज मिल रहा है। हालांकि यह दर स्थायी नहीं होती। केंद्र सरकार हर तिमाही इसकी समीक्षा करती है और आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार इसमें बदलाव कर सकती है। इसलिए निवेशकों को यह समझना चाहिए कि भविष्य में मिलने वाला वास्तविक रिटर्न ब्याज दरों में होने वाले संभावित बदलावों पर भी निर्भर करेगा। फिर भी सरकारी सुरक्षा और टैक्स लाभ के कारण पीपीएफ को कम जोखिम वाला निवेश विकल्प माना जाता है।

15 वर्षों में कितना फंड बनेगा

यदि कोई निवेशक 15 वर्षों तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश करता है, तो मौजूदा ब्याज दरों के आधार पर मैच्योरिटी पर उसके पास लगभग 15 से 16 लाख रुपये का टैक्स फ्री फंड तैयार हो सकता है। वहीं यदि मासिक निवेश 10,000 रुपये हो, तो यह राशि 30 लाख रुपये से अधिक तक पहुंच सकती है। जो निवेशक हर वर्ष अधिकतम 1.5 लाख रुपये की सीमा तक निवेश करते हैं, उनके लिए 15 वर्षों में 40 लाख रुपये से अधिक का कोष तैयार होने की संभावना रहती है। हालांकि वास्तविक राशि उस दौरान लागू ब्याज दरों पर निर्भर करेगी।

जारी रख सकते हैं निवेश

पीपीएफ की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि 15 वर्षों की मूल अवधि पूरी होने के बाद भी खाता बंद करना अनिवार्य नहीं है। निवेशक इसे पांच-पांच वर्षों के ब्लॉक में आगे बढ़ा सकते हैं। वे चाहें तो नए निवेश के साथ खाते को जारी रख सकते हैं या बिना अतिरिक्त निवेश के भी जमा राशि पर ब्याज प्राप्त करते रह सकते हैं। इससे कंपाउंडिंग का लाभ और अधिक समय तक मिलता रहता है तथा रिटायरमेंट जैसी दीर्घकालिक जरूरतों के लिए बड़ा कोष तैयार किया जा सकता है।

सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प

म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और कई अन्य निवेश विकल्प उपलब्ध हैं। इनमें अधिक रिटर्न की संभावना होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है। इसके विपरीत पीपीएफ बाजार की अस्थिरता से प्रभावित नहीं होता और सरकारी गारंटी के साथ सुरक्षित निवेश का अवसर प्रदान करता है। साथ ही इसमें निवेश की गई राशि, अर्जित ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाली रकम तीनों टैक्स फ्री होती हैं।

गलत एसेट एलोकेशन और जल्दबाजी से बिगड़ती है निवेश की रणनीति

एसआईपी में पैसा लगाने के बाद भी क्यों नहीं बन पाती दौलत?

अक्सर ये गलतियां कर बैठते हैं निवेशक

बिजनेस डेस्क

देश में म्यूचुअल फंड और एसआईपी निवेश तेजी से बढ़ रहा है। हर महीने लाखों लोग भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और बड़ा फंड बनाने के उद्देश्य से एसआईपी शुरू कर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में एसआईपी के जरिए निवेश 32 हजार करोड़ रुपये के पार पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा है। इसके बावजूद कई निवेशक लंबे समय तक निवेश करने के बाद भी उम्मीद के मुताबिक संपत्ति नहीं बना पाते। इसकी सबसे बड़ी वजह गलत एसेट एलोकेशन यानी निवेश का सही बंटवारा न होना है। अधिकतर लोग "सबसे अच्छा फंड" चुनने में समय लगाते हैं, लेकिन यह तय नहीं करते कि पैसा इक्विटी, डेट, गोल्ड या लिक्विड फंड में कितना बांटना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल अच्छा फंड चुनना काफी नहीं होता, बल्कि सही एसेट एलोकेशन ही लंबे समय में संपत्ति बनाने की असली कुंजी है।

क्या होता है एसेट एलोकेशन?

एसेट एलोकेशन का मतलब है अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लास में बांटना। इसमें इक्विटी म्यूचुअल फंड, डेट फंड, गोल्ड, लिक्विड फंड और इंटरनेशनल निवेश शामिल हो सकते हैं।

गलती नंबर 1 : जोखिम उठाने की क्षमता और इच्छा में भ्रम

कई निवेशक सोचते हैं कि वे ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं, इसलिए पूरा पैसा इक्विटी में लगा देते हैं। लेकिन बाजार गिरते ही घबरा कर निवेश निकाल लेते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जोखिम उठाने की इच्छा और वास्तविक वित्तीय क्षमता अलग-अलग चीजें हैं। यदि किसी व्यक्ति पर होम लोन, परिवार की जिम्मेदारी या नौकरी की अनिश्चितता है तो उसके लिए 100 प्रतिशत इक्विटी निवेश सही नहीं माना जाता। बाजार में बड़ी गिरावट आने पर ऐसे निवेशक अक्सर नुकसान में पैसा निकाल लेते हैं।

गलती नंबर 2 : डेट फंड को पूरी तरह नजरअंदाज करना

आजकल अधिकतर निवेशक केवल इक्विटी एसआईपी पर फोकस कर रहे हैं। डेट फंड को कई लोग बेकार समझते हैं। जबकि विशेषज्ञों का कहना है कि डेट निवेश पोर्टफोलियो का "शॉक एब्जॉर्बर" होता है। जब बाजार गिरता है तो डेट फंड पोर्टफोलियो को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही निवेशकों को कम कीमत पर इक्विटी खरीदने का मौका भी मिलता है। यदि पूरा पैसा इक्विटी में हो तो बाजार गिरावट के समय नुकसान ज्यादा दिखाई देता है और निवेशक घबरा सकते हैं।

गलती नंबर 3 : हालिया टॉप परफॉर्मर फंड के पीछे भागना

कई निवेशक हर साल सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले फंड में पैसा डालने लगते हैं। इससे उनका मूल एसेट एलोकेशन बिगड़ जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक ने शुरुआत में 70:30 का इक्विटी-डेट अनुपात तय किया था, लेकिन बाद में केवल तेजी वाले इक्विटी फंड में निवेश करता रहा, तो धीरे-धीरे उसका पोर्टफोलियो 90:10 बन सकता है। यह असंतुलन भविष्य में बड़ा जोखिम पैदा कर सकता है।

गलती नंबर 4 : जरूरत से ज्यादा फंड खरीद लेना

कुछ लोग मानते हैं कि ज्यादा फंड लेने से जोखिम कम हो जाएगा। इसी सोच में वे 10-12 इक्विटी फंड खरीद लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि कई फंड्स में एक जैसे शेयर होते हैं। यानी निवेशक अलग-अलग फंड लेकर भी वही कंपनियां खरीद रहे होते हैं। इससे पोर्टफोलियो जटिल हो जाता है और ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है। असली विविधता अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश से आती है, न कि बहुत सारे फंड रखने से।

गलती नंबर 5 : लिक्विडिटी को नजरअंदाज करना

अधिकतर निवेशक अपना पूरा पैसा लंबी अवधि के निवेश में लगा देते हैं। लेकिन आपात स्थिति में तुरंत नकदी की जरूरत पड़ सकती है। यदि मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटने या किसी पारिवारिक जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो, तो निवेशक मजबूरी में बाजार गिरावट के दौरान इक्विटी बेच देते हैं। इससे बड़ा नुकसान हो सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पोर्टफोलियो का कुछ हिस्सा हमेशा लिक्विड फंड या इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए।

गलती नंबर 6 : समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा न करना

कई लोग एक बार एसआईपी शुरू करने के बाद वर्षों तक पोर्टफोलियो की समीक्षा नहीं करते। जबकि उम्र और जिम्मेदारियों के साथ निवेश रणनीति भी बदलनी चाहिए। शादी, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट जैसे बड़े जीवन बदलावों के अनुसार एसेट एलोकेशन बदलना जरूरी होता है। विशेषज्ञों के मुताबिक साल में कम से कम एक बार पोर्टफोलियो की समीक्षा और रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

सही एसेट एलोकेशन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय में निवेश का परिणाम केवल अच्छे फंड चुनने पर निर्भर नहीं करता। असली फर्क सही एसेट एलोकेशन बनाता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो बाजार की गिरावट में भी स्थिर रहता है और निवेशक को घबराने से बचाता है। वहीं गलत एसेट एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो तेजी के समय अच्छा दिख सकता है, लेकिन गिरावट में भारी नुकसान दे सकता है।

अनुशासन और संतुलन ही सफलता का मंत्र

एसआईपी के जरिए संपत्ति बनाने के लिए केवल नियमित निवेश काफी नहीं है। निवेशकों को अपने लक्ष्य, जोखिम क्षमता और जरूरतों के अनुसार सही एसेट एलोकेशन बनाना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि सफल निवेशक वही होते हैं जो बाजार की चमक-दमक से प्रभावित हुए बिना अनुशासन बनाए रखते हैं।

पेड्डी’ विवाद: बुची बाबू सना ने मांगी माफी

हैदराबाद । राम चरण और जान्हवी कपूर की फिल्म ‘पेड्डी’ को रिलीज हुए दो दिन हो चुके हैं। इस बीच फिल्म विवादों के घेरे में भी घिर गई है। फिल्म में जान्हवी कपूर के किरदार और कुछ रोमांटिक सीन्स को लेकर जमकर आलोचना हो रही है। ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर बुची बाबू सना ने इस विवाद पर सफाई देते हुए माफी मांग ली है। डायरेक्टर ने सोशल मीडिया प्लटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सिनेमा का काम दर्शकों का मनोरंजन करना, उन्हें प्रेरित करना और उनसे जुड़ना है। इससे किसी को असहज या बेइज्जती महसूस नहीं होनी चाहिए।

लाइफ Style

शरवरी

भाषाएं करती हैं मुझे आकर्षित

एजेंसी ⏭ मुंबई

बॉलीवुड अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में उन्हें एक ऐसी महिला का किरदार निभाने का मौका मिला, जो उनकी अपनी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से काफी अलग है, जिसके चलते उन्हें नई भाषा और संस्कृति को समझना पड़ा।

शरवरी वाघ ने कहा,’घर में मैं मराठी भाषा बोलती हूं और मेरी परवरिश पूरी तरह मराठी संस्कृति के बीच हुई है। ऐसे में एक पंजाबी महिला का किरदार निभाना मेरे लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव था। शरवरी ने कहा, भाषाएं हमेशा से मुझे आकर्षित करती रही हैं। मेरा मानना है कि भारत जैसे देश में कलाकारों के लिए सीखने और समझने के अवसर कभी खत्म नहीं होते। यहां इतनी सारी भाषाएं और संस्कृतियां हैं कि हर नया किरदार किसी नई दुनिया का दरवाजा खोल देता है। एक अभिनेता के लिए सिर्फ डायलॉग बोलना ही काफी नहीं होता, बल्कि उस भाषा की भावना, उसके लहजे और उससे जुड़ी संस्कृति को समझना भी जरूरी होता है। शरवरी ने कहा, भले ही मैं नई भाषाएं सीखने को लेकर उत्साहित रहती हूं, लेकिन मेरी मातृभाषा मराठी आज भी मेरे दिल के सबसे करीब है। जब भी मुझे किसी सीन के लिए भावनात्मक रूप से खुद को तैयार करना होता है या किसी खास एहसास से जुड़ना होता है, तो मैं अक्सर मराठी गाने सुनती हूं। मराठी भाषा के शब्द मेरे दिल को सबसे गहराई से छूते हैं। शरवरी ने कहा, अपनी जड़ों से जुड़ा रहना और साथ ही नई चीजें सीखना, दोनों ही जरूरी हैं।

हॉलीवुड मसाला

अमीर म्यूजिशियन में हुई शुमार

लॉस एंजेलिस। टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे अमीर म्यूजिशियन की लिस्ट में शुमार हो गई हैं। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिंगर की नेटवर्थ 2 अरब डॉलर से अधिक हो गई है। इसी नेटवर्थ के साथ वह संगीत की दुनिया की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। उन्हें ये कामयाबी उनके म्यूजिक टूर से हुई जबरदस्त कमाई और अपने गानों की ओनरशिप को वापस लेने के लिए उठाए गए उनके समझदारी भरे कदम से मिली है। इन आंकड़ों के साथ टेलर स्विफ्ट को अरबपति का दर्जा मिल गया है।

जेनिफर ने तोड़ी अफवाहों पर चुप्पी

लॉस एंजेलिस। जेनिफर लोपेज इस वक्त सिंगल हैं। हालांकि, कुछ फैंस ने कयास लगाए हैं कि जेनिफर ने अपनी फिल्म ‘ऑफिस रोमांस’ के को-स्टार के साथ रियल लाइफ में रोमांस शुरू कर दिया है। हालांकि, इन अफवाहों पर खुद ही चुप्पी तोड़ी है। बता दें कि लोपेज और 45 साल के गोल्डस्टीन इन दिनों नेटफ्लिक्स रोमांटिक कॉमेडी ‘ऑफिस रोमांस’ में लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इसी प्रोजेक्ट को लेकर अपने प्रमोशनल टूर के दौरान कपल की जबरदस्त केमिस्ट्री नजर आई और इसी के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें लगने लगीं। लोपेज ने अपनी डेटिंग की अफवाहों पर साफ-साफ बात की। उन्होंने कहा, ‘ऐसा कभी नहीं होता कि जब मुझे किसी के साथ देखें या किसी के साथ काम करते हुए देखा जाए तो लोग मुझे उस व्यक्ति के साथ न जोड़ें।

‘बेबी डू डाई डू’ का टीजर रिलीज...

मुंबई। हुमा कुरैशी की नई फिल्म ‘बेबी डू डाई डू’ का टीजर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें एक्ट्रेस का अवतार चौंकाने वाला है। फैंस क्रेजी हो गए हैं और वो तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। टीजर की शुरुआत कॉमिक स्टाइल में होती है और यह काफी इंगेजिंग है। हुमा कुरैशी इसमें एक किलर के रोल में नजर आ रही हैं और उनका अंदाज एकदम बेखौफ और धाकड़ है। इसमें हुमा कुरैशी एक हिटवुमन के रोल में हैं। टीजर में दिखाया गया है कि मुंबई में लगातार हत्याएं हो रही हैं, पर कातिल कौन है, इसका किसी को कुछ पता नहीं है। मीडिया से लेकर पुलिस खोजबीन कर रही है, पर कातिल का कहीं कोई सुराग नहीं। फिर पता चलता है कि कातिल एक महिला है, जो बोल-सुन नहीं सकती है और वो हैं हुमा कुरैशी फिल्म को नचिकेत सामंत ने डायरेक्ट किया है।

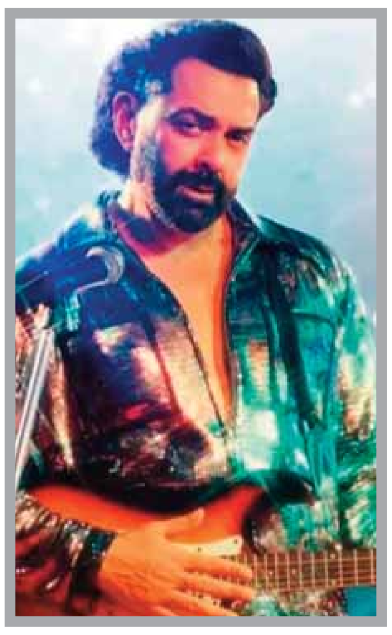

बॉबी की फिल्म ‘बंदर’ पड़ी फीकी...

मुंबई। सिनेमाघरों में जब दो फिल्में एक ही दिन रिलीज हो तो बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तुलना अक्सर की जाती है। इसी तरह 5 जून को रिलीज हुईं दो फिल्में, अनुराग कश्यप की ‘बंदर’ और डेविड धवन की ‘है जवानी तो इश्क होना है।’ दोनों ही फिल्मों की शैली एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। इसके बावजूद फिल्मों को उनकी ऑडियंस मिली और फिल्मों को पसंद किया गया। फिल्म की रिलीज के पहले दिन इनकी कमाई का बात करें तो ‘बंदर’ थोड़ी फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। कलेक्शन के मामले में ‘है जवानी तो इश्क होना है’ फिल्म ने बंदर को पीछे छोड़ दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेविड धवन के निर्देशन में बनी ‘है जवानी तो इश्क होना है’ फिल्म 9081 शोज में चली, जिससे फिल्म का पहले दिन का नेट कलेक्शन 7.50 करोड़ रुपए रहा।

टीवी मसाला

एकता ने स्मृति पर लुटाया प्यार..

मुंबई। अभिनेत्री स्मृति ईरानी और टेलीविजन की महारानी एकता कपूर ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को दो दशकों से अधिक पुरानी अपनी अटूट दोस्ती की झलक दिखाई है। एकता कपूर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर

स्मृति की साझा की गई एक पोस्ट को रीशेयर किया, जिसमें स्मृति ने एकता को उनके नए व्यवसाय के लिए शुभकामनाएं दीं। स्मृति के प्यार के लिए धन्यवाद देते हुए एकता ने कहा कि स्मृति का साथ उनके लिए गर्व की बात है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एकता ने लिखा, मेरी तुलसी, तुम्हारा साथ मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। साथ में उन्होंने दिल वाले इमोजी भी लगाए। स्मृति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, आप हमेशा से ही चमकती रही हैं, एकता कपूर और आज आपने दूसरों को भी अपनी चमक बिखेरने का मौका दिया... एक और सफलता के लिए बधाई। एकता ने स्मृति को मशहूर सीरियल ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ में उनके किरदार के नाम से संबोधित किया। इस शो की बात करें तो इसका निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स ने किया था और इसका प्रीमियर 2000 में हुआ था। ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ शो जुलाई 2000 में पहले सीजन के रिलीज होने के 25 साल बाद अगस्त 2025 में इसका दूसरा सीजन शुरू हुआ। स्मृति ईरानी तुलसी का किरदार निभा रही हैं और अमर उपाध्याय एक बार फिर मिहिर की भूमिका में नजर आ रहे हैं।

शिल्पा का विवादित पोस्ट, कहा- ‘हमेशा बोलने को तैयार, जो उखाड़ना है उखाड़ लो

मुंबई। अंगूरी भाभी के किरदार से घर घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे इन दिनों काफी सुर्खियों में हैं। साल 2017 में उन्होंने ‘भाभी जी घर पर हैं’ के प्रोड्यूसर पर यौन उत्पीड़न का इल्जाम लगाया था। अब हाल ही में भारती सिंह के पॉडकास्ट पर उन्होंने कबूला कि वो इल्जाम झूठा था। ये बात सामने आते ही कई लोगों के रिएक्शन इस पर देखने मिले। सोशल मीडिया यूजर्स से लेकर एक्ट्रेस हिना खान ने भी शिल्पा शिंदे के खिलाफ अपना रिएक्शन दिया। शिल्पा शिंदे की जमकर ट्रोलिंग शुरु हो गई।

ऐसे में शिल्पा ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिस पर लिखा था- ‘हमेशा बोलने को तैयार, जो उखाड़ना है उखाड़ लो।’ साथ ही बिना किसी का नाम लिए कैप्शन में लिखा- ‘जलने वालों जलते रहो अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जलाकर खत्म कर दो।’ शिल्पा शिंदे ने पॉडकास्ट में बताया कि साल 2016 में जब उन्होंने ‘भाभी जी घर पर है’ शो छोड़ा, तब उनका मेकर्स के साथ कॉन्ट्रेक्ट को लेकर विवाद चल रहा था। अपने पैसे लेने के लिए एक्ट्रेस मजबूर हो गईं थीं इसलिए उन्होंने प्रोड्यूसर पर यौन उत्पीड़न का झूठा इल्जाम लगाया। बाद में उन्होंने मेकर्स के साथ सेटलमेंट कर ली थी। हैरानी की बात ये है कि एक्ट्रेस ने सालों तक इस बात छिपाकर रखा और करीब 9 साल बाद इस बात खुलासा किया।

दीया : करियर के शिखर पर लिया ब्रेक

मुंबई। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल ही में अपने जीवन के ऐसे दौर को याद किया, जब वह कॅरियर की ऊंचाइयों पर होने के बावजूद अंदर से खुद को अधूरा महसूस कर रही थीं। दीया ने बताया कि केवल 24 साल की उम्र में उन्होंने दो साल के लिए काम से दूरी बनाने का फैसला किया था। दीया ने कहा, मैंने जीवन का एक बड़ा हिस्सा मॉडलिंग और अभिनय की

दुनिया में बिताया, लेकिन एक समय ऐसा आया, जब मुझे अपने काम और अपने विचारों के बीच अंतर महसूस होने लगा। उन्होंने कहा, यह ब्रेक मेरे लिए सिर्फ काम से दूरी बनाने का समय नहीं था, बल्कि खुद को फिर से समझने और पहचानने की यात्रा थी। यह अपने घर लौटने जैसा अनुभव था। इस समय ने मेरी यह समझने में मदद की कि जीवन में केवल नाम, पैसा और लोकप्रियता ही सबकुछ नहीं है। असली खुशी तब मिलती है, जब इंसान अपने काम, विचारों और उद्देश्य के साथ जुड़ाव महसूस करे।

कॉकटेल में अपने रोल को लेकर डरी हुई थीं रश्मिका

मुंबई। फिल्म पुष्पा की श्रीवल्ली और एनिमल की गीतांजलि जैसी भूमिकाओं से बिल्कुल अलग अभिनेत्री रश्मिका मंदाना आगामी फिल्म कॉकटेल 2 में एक ग्लैमरस और बिंदास लड़की दीया की भूमिका में नजर आएंगी। कॉकटेल में ‘दीया’ का रोल स्वीकार करने से पहले रश्मिका के मन में भी कई सवाल थे। इस बारे में रश्मिका कहती हैं, मैं बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने अब तक जितनी फिल्में की हैं, उनमें से इसमें मेरा लुक अब तक का सबसे ज्यादा ग्लैमरस और बिंदास है। इससे पहले कि मेरी जिस तरह की फिल्में रही हैं, उनको ध्यान में रखकर मैंने सोचा कि दर्शकों को मुझसे कुछ गंभीर या ड्रामेटिक परफार्मेंस की उम्मीद होगी। इसमें मैंने पहली बार ऐसा कुछ हल्का-फुल्का, प्यार, दोस्ती और पागलपन पर आधारित काम किया है। रश्मिका ने कहा, शुरू में मेरे मन में भी यह सवाल था कि क्या इस फिल्म के साथ आगे बढ़ना सही निर्णय होगा।

थिएटर में चीखने-चिल्लाने की आवाजें, रिकॉर्ड तोड़ रही ‘ऑब्सेशन’

लॉस एंजेलिस। बीते कुछ सालों में रोमांस से भरपूर फिल्मों की बजाय हॉरर फिल्मों ने इंडस्ट्री में अपना दबदबा बना लिया है। हॉरर फिल्मों में भी लोगों को सिर्फ भूत प्रेत की कहानी पसंद नहीं आती बल्कि लोगों को हॉरर फिल्मों में दमदार स्टोरी के साथ ही इमोशनल और मेंटल स्ट्रेस से भरपूर फिल्मों में मजा आता है। हॉरर फिल्मों का क्रेज लोगों के मन में इतना ज्यादा बढ़ गया है कि लोग इसे बेहतर साउंड इफेक्ट्स के साथ थिएटर्स में देखना पसंद करते हैं। तो अगर आपको हॉरर फिल्में देखने का शौक है तो हम आपको एक ऐसी फिल्म के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने पूरी दुनिया में धमाल मचा दिया है।

सिर्फ 9 करोड़ में बनी फिल्म, कमा डाले 1400 करोड़

फिल्म की कहानी

यह कहानी बेयर की है, जो एक अकेला और रोमांटिक लड़का है और एक म्यूजिक स्टोर में काम करता है। वह बचपन से ही अपनी दोस्त और साथ काम करने वाली निक्की से चुपके-चुपके प्यार करता है। अपने दिल की बात कहने की एक और नाकाम कोशिश के बाद, बेयर एक क्रिस्टल की दुकान पर जाता है और ‘वन विश विलो’ नाम की एक अजीब चीज खरीदता है। वह एक विश मांगता है कि निक्की उसे दुनिया में किसी भी और इंसान से ज्यादा प्यार करे। उसकी यह विश काफी खतरनाक तरीके से पूरी होती है। निक्की की फीलिंग्स बेकाबू, जुनून भरी हो जाती है। उसका प्यार घुटन भरा हो जाता है। वह बेयर से दूर नहीं रह पाती। जब बेयर उससे दूर जाता है तो वह घबरा जाती है, और जैसे-जैसे उसका प्यार एक जुनून में बदलता है, वह बेहद डरावना बर्ताव करने लगती है।

‘ऑब्सेशन’ की स्टोरी ने उड़ाए होश : हम बात कर रहे हैं साल 2026 में आई धमाकेदार फिल्म ऑब्सेशन की जिसकी स्टोरी ने लोगों को होश उड़ा दिए हैं और इस फिल्म को देखकर लोग डर के मारे थर-थर कांप रहे हैं। फिल्म के अंदर कुछ ऐसे सीन डाले गए हैं, जिनके अचानक सामने आते ही किसी की भी चीख निकल जाएगी।

‘ऑब्सेशन’ का इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन

29 मई को रिलीज हुई फिल्म ‘ऑब्सेशन’ के बारे में 9 से 10 करोड़ रुपए में बनी ये हॉरर फिल्म फैन्स के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। दुनिया भर में इस फिल्म ने 10 करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जिससे यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। भारत में भी, ‘ऑब्सेशन’ सिनेमाघरों में काफी अच्छा परफॉर्म कर रही है। ‘ऑब्सेशन’ इंटरनेशनल बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की दुनिया भर में कुल कमाई करीब 1400 करोड़ रुपए (162 मिलियन डॉलर) हो गई है।

अद्भुत

यहां होता है दो दुनिया का मिलन! एक कदम पर बदल जाता है माहौल

जंगल से रेगिस्तान पहुंच जाते हैं लोग

ब्रासीलिया। पृथ्वी पर कई ऐसी जगहें हैं जो देखकर लगता है कि प्रकृति ने अपना जादू दिखा दिया हो। ब्राजील के मरान्हाओ राज्य में स्थित लेनसोइस मारान्हेंस ऐसी ही एक अनोखी जगह है जहां जंगल और रेगिस्तान का मिलन होता है। यहां एक कदम आगे बढ़ते ही पूरा माहौल बदल जाता है। सफेद रेत के विशाल टीले एक तरफ और हरे-भरे वनस्पति वाले क्षेत्र दूसरी तरफ. यह देखकर पर्यटक दंग रह जाते है। यह जगह इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। पर्यटक यहां आकर वीडियो और फोटो शेयर कर रहे है। इस जगह को देखकर ऐसा लगता है कि दो दुनिया का मिलन हो रहा है।

रेत और जंगल का मिलन

इस जगह एक तरफ लंबे-लंबे सफेद रेतीले टीले जो रेगिस्तान की याद दिलाते हैं, वहीं कुछ कदम दूर हरे पेड़, झाड़ियां और हरी-भरी वनस्पति नजर आते है। ऐसा लगता है मानो दो अलग-अलग दुनिया एक ही जगह पर बसी हुई हों। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अद्भुत दृश्य महासागर की लहरों, लगातार चलने वाली हवाओं और मौसमी बारिश के कारण बनता है। समुद्र से आने वाली रेत हवाओं के साथ उड़कर टीले बनाती है। बारिश के मौसम में इन टीलों के बीच मीठे पानी के आकर्षक लैगून (तालाब) बन जाते हैं, जो नीले रंग के आकाश की तरह चमकते है। लेकिन, सूखे मौसम में रेत फिर से हावी हो जाती है। यह जगह सूखे रेगिस्तान जैसी नहीं है। यहां की रेत समुद्री है और पूरी तरह सूखी नहीं रहती। यही वजह है कि हरी वनस्पति भी आसानी से बढ़ पाती है। रेस्टिंगा वन, मैंग्रोव और हिलते हुए टीले एक साथ इस इलाके को अनोखा बनाते है।

दूर-दूर से आते हैं पर्यटक

भारतीय पर्यटक भी अब यहां पहुंच रहे है। एक तरफ रेगिस्तान जैसा नजारा, दूसरी तरफ जंगल। लगता है जैसे फोटोशॉप किया हो, लेकिन यह पूरी तरह रियल है। लेनसोइस मारान्हेंस राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है। यहां साल भर पर्यटक आते रहते हैं, लेकिन बारिश के बाद का समय सबसे खूबसूरत माना जाता है। उस समय टीलों के बीच नीले पानी के तालाब बन जाते हैं, जो फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग साबित होते है। लोग इन तालाबों में तैरते भी है।

इकोसिस्टम बेहद संवेदनशील

यह जगह सिर्फ देखने लायक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। यहां का इकोसिस्टम बेहद संवेदनशील है। रेत के टीले लगातार अपनी जगह बदलते रहते है। हवा और पानी की गति पर निर्भर यह पूरा सिस्टम दिखाता है कि प्रकृति कितनी गतिशील है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ संरक्षण की चुनौतियां भी बढ़ रही है। स्थानीय प्रशासन पर्यटकों को निर्देश देता है कि वे प्लास्टिक ना फेंकें और निर्दिष्ट रास्तों पर ही चलें ताकि नाजुक इकोसिस्टम को नुकसान ना पहुंचे।

जबलपुर के हर्षवर्धन ने हासिल की AIR 1825

जेईई एडवांस्ड 2026 में आकाश के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस्ड 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया। राष्ट्रीय स्तर पर आकाश के कई विद्यार्थियों ने टॉप-100 ऑल इंडिया रैंक में स्थान प्राप्त किया। जबलपुर रीजन में हर्षवर्धन गुप्ता ने 200 अंक हासिल कर AIR 1825 प्राप्त की, जबकि राघवेंद्र उपाध्याय ने 180 अंकों के साथ AIR 2940 हासिल की। इसके अलावा आयुष मिश्रा, मननदीप सिंह कोहली, हर्षवर्धन विकास भगत, श्रीआंश रावत, अहाना खरे, प्रणय अमरवंशी एवं अक्षित शिवहरे ने भी परीक्षा सफलतापूर्वक क्वालिफाई की।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय आकाश के शिक्षकों, अध्ययन सामग्री, मॉक टेस्ट और नियमित मार्गदर्शन को दिया। एईएसएल के चीफ एकेडमिक एवं बिजनेस हेड डॉ. एच.आर. राव ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि कठिन परिश्रम, अनुशासित तैयारी और उत्कृष्टता के प्रति समर्पण का परिणाम है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति
पलारी जिला - सिवनी (म.प्र.)
ईमेल - Palarimandi@gmail.com
क्रमांक /मंडी/तौलकांटा/2026-27/06 पलारी दिनांक - 05/06/2026
निविदा आमंत्रण सूचना
कृषि उपज मंडी समिति पलारी "द" श्रेणी मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी.) के तहत संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026_MPSAM_513120_1 के अंतर्गत ऑनलाईन निविदायें दिनांक 20.06.2026 को शाम 3.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandiboard.co.in पर भी अवलोकनीय होगी।
नोट :- आवश्यक होने पर, उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।
भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति
पलारी, जिला- सिवनी
सचिव
कृषिउपज मंडी सीमित
पलारी, जिला- सिवनी

प्रकृति का सुपरहीरो, न दर्द होता है, न बुढ़ापा आता है, बिना ऑक्सीजन भी रहता है जिंदा!

नई दिल्ली। आज हम आपको एक ऐसे अनोखे जीव 'नेकेड मोल रैट' के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे न तो दर्द का अहसास होता है और न ही कैंसर जैसी घातक बीमारी उसका कुछ बिगाड़ सकती है। इस जीव के कारनामे भी किसी सुपरहीरो से कम नहीं है। जब बात अजीबोगरीब जीवों की आती है, तो प्रकृति हमें हमेशा हैरान कर देती है। ऐसा ही एक जीव है 'नेकेड मोल रैट'। पहली नजर में देखने पर यह किसी झुर्रीदार, बिना बालों वाले छोटे से चूहे जैसा दिखता है, लेकिन इसके कारनामे किसी सुपरहीरो से कम नहीं है। बिना ऑक्सीजन 18 मिनट तक जिंदा : आम चूहे या इंसान बिना ऑक्सीजन के कुछ ही मिनटों में दम तोड़ देते हैं, लेकिन नेकेड मोल रैट बिना ऑक्सीजन के भी करीब 18 मिनट तक बड़े आराम से रह सकता है। जब ऑक्सीजन खत्म होती है, तो यह जीव इंसानों की तरह ग्लूकोज का इस्तेमाल करना बंद कर देता है और फ्रुक्टोज से एनर्जी बनाना शुरू कर देता है। यह खूबी आमतौर पर केवल पौधों में पाई जाती है, लेकिन यह स्तनधारी जीव भी ऐसा करने में सक्षम है।

इस जीव को कभी कैंसर नहीं होता!

यह अनोखा जीव वैज्ञानिकों के लिए शोध का एक बड़ा विषय बना हुआ है, क्योंकि इस जीव को कैंसर कभी छू नहीं सकता। इसके शरीर में एक खास तरह की भारी शुगर पाई जाती है, जिसे हाई-मॉलिक्यूलर-मास हायलुरोनन कहते है। यह शुगर कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं को शरीर में फैलने नहीं देती।

बुढ़ापा नहीं आता!

जहां आम चूहों की लाइफ 2 से 3 साल ही होती है, वहीं नेकेड मोल रैट30 से 32 साल तक जिंदा रहता है। यही नहीं, ढलती उम्र के साथ यह बूढ़ा या कमजोर नहीं होता। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह जीव अपनी मौत के दिन तक वैसा ही फुर्तीला रहता है, जैसा जवानी में था।

मधुमक्खियों जैसा रहन-सहन

यह इकलौता ऐसा स्तनधारी जीव है, जो चींटियों या मधुमक्खियों की तरह मिलकर रहता है। इनकी पूरी बस्ती में सिर्फ एक 'रानी' होती है, जिसका काम बच्चे पैदा करना होता है। बाकी नेकेड मोल रैट मजदूर की तरह काम करते हैं, जैसे सुरंग खोदना, खाना लाना और रानी की रक्षा करना।

अनोखी बनावट और खूबियां

इनके दांत जबड़े के बाहर निकले होते हैं, ताकि सुरंग खोदते समय मिट्टी मुंह में न जाए। सबसे मजेदार बात यह है कि ये अपने दांतों को चॉपस्टिक की तरह अलग-अलग हिला भी सकते है। ये जीव लगभग अंधे होते है। ये सूंघकर और कंपन महसूस करके रास्ता ढूंढते है। इनकी एक और खासियत है कि ये सुरंगों में जितनी तेजी से आगे भाग सकते हैं, उतनी ही तेजी से उल्टे पांव भी दौड़ सकते हैं।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
वधु चाहिए
9131604310
9300328290

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश
E-Mail- civil.ctd@mp.gov.in
क्रमांक/निर्माण/2026-27/10400 निविदा आमंत्रण सूचना भोपाल, दिनांक 02.06.2026
जनजातीय कार्य विभाग की ओर से ऑनलाइन निविदा प्रतिशत दर पर लोक निर्माण में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित लोक निर्माण विभाग (भवन) म.प्र. भोपाल द्वारा जारी दिनांक 01 जनवरी 2024 से प्रभावशील तथा रोड एवं ब्रिज निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के प्रचलित एस. ओ. आर. 11 अप्रैल 2025 से प्रभावशील पर (निविदा दिनांक तक समस्त संशोधनों सहित) निम्नांकित कार्यो हेतु ऑनलाइन निविदा निम्न विवरण अनुसार आमंत्रित की जाती है।
कार्यो का विवरण निम्नानुसार है :

क्र.	सिस्टम टेंडर नंबर	जिला	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत (राशि लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में	निविदा/कार्य पूर्णता अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	2026_TAD_512477	छिंदवाडा	50 सीटर बालक छात्रावास दमुआ,वि.ख. जुन्नारदेव में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
2	2026_TAD_512480	छिंदवाडा	50 सीटर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास जुन्नारदेव, वि.ख. जुन्नारदेव में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
3	2026_TAD_512486	छिंदवाडा	50 सीटर बालक छात्रावास छिंदी, वि.ख. तामिया में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
4	2026_TAD_512482	छिंदवाडा	50 सीटर बालक छात्रावास राखीकोल, वि.ख. जुन्नारदेव में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
5	2026_TAD_512483	छिंदवाडा	50 सीटर सीनियर बालक छात्रावास खमारपानी,वि.ख. बिछुआ में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
6	2026_TAD_512484	छिंदवाडा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास भण्डारकुंड, वि.ख. मोहखेड में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
7	2026_TAD_512488	छिंदवाडा	50 सीटर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास हर्रई, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
8	2026_TAD_512489	छिंदवाडा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास परतापुर, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
9	2026_TAD_512490	छिंदवाडा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास चिलक, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्यमय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
10	2026_TAD_512491	छिंदवाडा	50 सीटर सीनियर कन्या छात्रावास अतरिया, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन
11	2026_TAD_512493	छिंदवाडा	50 सीटर महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास हर्रई, वि.ख. हर्रई में भवन निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण	316.35	316350/-	15000/-	18 माह वर्षा ऋतु सहित	लो.नि.वि. में नवीन केंद्रीकृत पद्धति में सिविल कार्य हेतु जीवित पंजीयन

1. इच्छुक निविदाकार MP Tenders के पोर्टल पर विवरण देख सकते हैं। 2. NIT (निविदा आमंत्रण सूचना) में किसी प्रकार के परिवर्तन सूचना केवल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। 3. निविदा प्रपत्र की उपलब्धता का विस्तृत विवरण : www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। 4. प्रस्ताव जमा करने की प्रक्रिया केवल उपरोक्त पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से की जाएगी। 5. संशोधन/परिशिष्ट/स्पष्टीकरण / शुद्धि पत्रक केवल www.mptenders.gov.in पर प्रकाशित किए जाएंगे। 6. आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। G-14003/26
अधीक्षण यंत्री ,जनजातीय कार्य, भोपाल, म.प्र.

राशिफल

मेष – वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष – आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ – स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन – शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

दुनिया की सबसे खतरनाक दवाई गर्भ में खा जाता था बच्चों का अंग

बर्लिन। दुनिया के चिकित्सा इतिहास में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जो आज भी रोंगटे खड़े कर देती है। इन्हीं में से एक है थैलिडोमाइड दवा की कहानी। 1950 के दशक में मॉर्निंग सिकनेस यानी गर्भावस्था में उल्टी-मितली से राहत दिलाने के लिए यह दवा दी जा रही थी। डॉक्टर इसे पूरी तरह सुरक्षित बता रहे थे, लेकिन इसने गर्भ में पल रहे बच्चों को भयानक नुकसान पहुंचाया।

थैलिडोमाइड दवा सबसे पहले जर्मनी में विकसित की गई थी। इसे 1957 में बाजार में लाया गया और जल्द ही 40 से ज्यादा देशों में बेचा जाने लगा। महिलाएं इसे नींद की दवा, चिंता कम करने और मॉर्निंग सिकनेस के इलाज के रूप में इस्तेमाल कर रही थीं। शुरुआती दिनों में सब कुछ ठीक लग रहा था। लेकिन, 1960 के आसपास डॉक्टरों को एक अजीब पैटर्न नजर आने लगा। कई महिलाएं ऐसे बच्चों को जन्म दे रही थीं ,जिनके हाथ या पैर बिल्कुल नहीं थे, या बहुत छोटे और विकृत थे।

आवश्यकता
आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /07/जून 26)
आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी में भर्ती परमानेंट बेसेस पर पद- फॉरेस्ट गार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी , हेतु आवेदन करे 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र सीमा (18 से 40) सैलरी- (28000/- से 35000/-) आवेदन हेतु - मार्कशीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो ,व्हाट्सएप / कॉल करे - 7384880262 (रायपुर /08/जून 26)
सूचना - पाठको से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नही होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी,धातु का पतलापन,शुगर,बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

शब्द पहेली - 6249

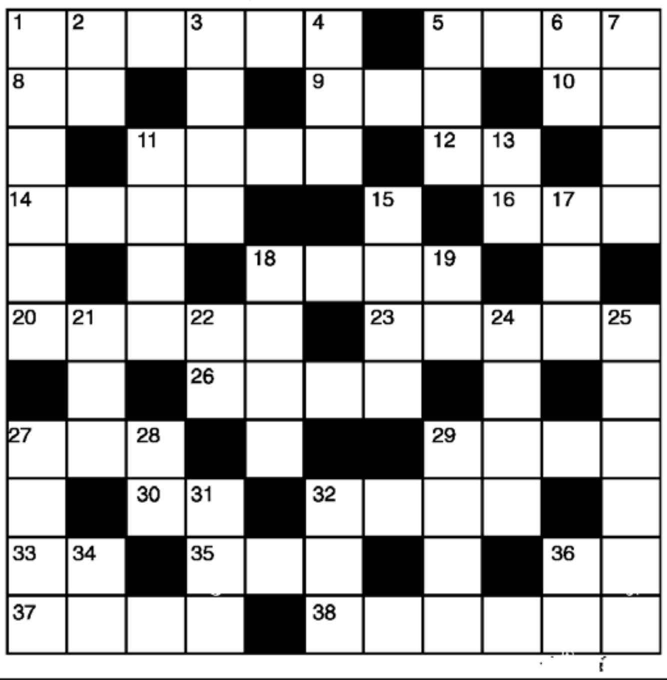

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब,तमीज-3
10. सत्य,तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम,आदर्शवादी-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
20. पागलपन,सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान,गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा,रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा,जीभ-3
5. घर,भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित,सही-3
22. पंख,पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद,सरूर-2
29. अनुसार,समान-4
31. निगाह,दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी,नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली- 6248 का हल

सूडोकु नवताल - 6259

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6258 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

फीफा वर्ल्ड कप 2026

रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। k

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

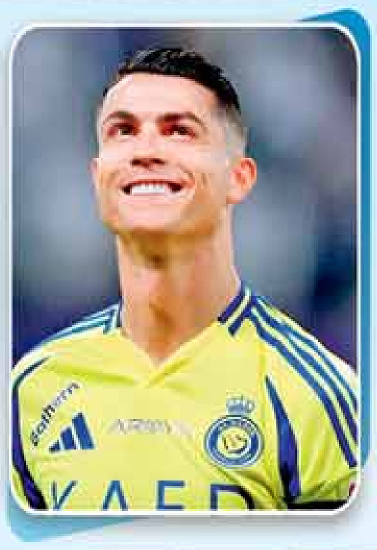

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

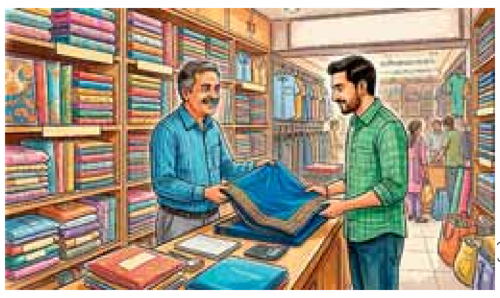

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए-ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! k

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। k

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

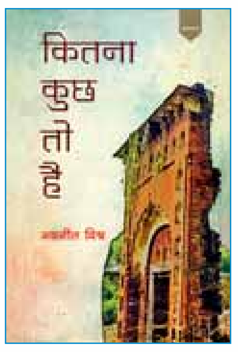

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। k

पुस्तकः कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखकः** नवनीत मिश्र, **मूल्यः** 450 रुपए, **प्रकाशकः** भावना प्रकाशन, दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप : जर्मनी को झटका लेनार्ट कार्ल वर्ल्ड कप से हुए बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले जर्मनी को बड़ा झटका लगा है। टीम के युवा अटैकिंग मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल चोट के चलते टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। कोच जूलियन नैगल्समैन ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि कार्ल को जांघ में यह चोट अमेरिका में ट्रेनिंग के दौरान लगी। 18 साल के इस खिलाड़ी को शिकागो में एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान बाईं जांघ की मांसपेशी में खिंचाव आ गया था। इसके बाद उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। कार्ल की जगह जर्मनी की वर्ल्ड कप टीम में असन ओएड्आोगो लेंगे।

कोच ने कहा कि उन्हें कार्ल के लिए बहुत दुख है। उन्होंने बताया कि कार्ल ने अपने सकारात्मक स्वभाव, रचनात्मक खेल, तेज गति और मजबूत व्यक्तित्व के दम पर टीम में अपनी खास जगह बना ली थी। कार्ल का टीम से बाहर होना जर्मनी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया था।

वॉर्म-अप मुकाबलों में खेल सकते हैं मेसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की टीम को वर्ल्ड कप से पहले बड़ी राहत मिल सकती है। टीम के कप्तान लियोनेल मेसी तेजी से चोट से उबर रहे हैं और संभावना है कि वे अमेरिका में होने वाले दो वार्म-अप मुकाबलों में से किसी एक में मैदान पर उतर सकते हैं। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने बताया कि मेसी की बाईं हैमस्ट्रिंग में हुआ दर्द अब काफी बेहतर हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेसी धीरे-धीरे टीम के साथ ट्रेनिंग में लौट रहे हैं। स्कालोनी के अनुसार, मेसी को होंडुरास के खिलाफ शनिवार को होने वाले मैच या फिर मंगलवार को आइसलैंड के खिलाफ मैच में कुछ मिनट खेलने का मौका मिल सकता है।

कोच ने बताया, मेसी तेजी से रिकवर हो रहे हैं। उन्होंने टीम के साथ ट्रेनिंग सेशन के दौरान हिस्सा लिया, जो एक अच्छा संकेत है। वह फ्रेंडली मुकाबलों में खेल सकते हैं, लेकिन हम यह तय करेंगे कि वह किस मैच में उतरेंगे। 38 साल के मेसी को 24 मई को अपने क्लब इंटर मियामी सीएफ के लिए खेलते समय चोट लगी थी। इसके बाद से उन्होंने कोई मैच नहीं खेला है। हालांकि, इस सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है, जहां उन्होंने 14 मुकाबलों में 12 गोल और 8 असिस्ट किए।

कनाडा ने आयरलैंड से खेला ड्रॉ

एजेंसी ▶▶ मांट्रियल

कनाडा के फुटबॉल विश्व कप से पहले आखिरी तैयारी मैच में चिएडोजी ओग्बेने के गोल की बदौलत आयरलैंड ने मुकाबले को 1-1 से ड्रॉ कराया। कनाडा को 24वें मिनट में आयरलैंड के डिफेंडर जेक ओब्रायन के आत्मघाती गोल से बढ़त मिली। स्टीफन यूस्टाकियो की कॉर्नर किक के समय ओब्रायन नेट के सामने खड़े थे। दूसरे हाफ में आयरलैंड को पेनल्टी मिली जब काइल लारिन ने आयरलैंड के जेमी मैक्ग्रा के खिलाफ लापरवाही से टैकल किया।

कनाडा के गोलकीपर मैक्सिम क्रेपो ने ट्रॉय पैरोट के प्रयास को रोक दिया लेकिन ओग्बेने ने रिबाउंड पर गोल करके 60वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इस साल के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे आयरलैंड की टीम 85वें मिनट में गोल करने के करीब पहुंची लेकिन क्रेपो ने मेसन मेलिया के प्रयास को नाकाम कर दिया।

खबर संक्षेप

कोर्स रिकॉर्ड के साथ अहलावत ने बनाई बढ़त

लुसर्न। भारत के वीर अहलावत ने दूसरे दौर में 10 अंडर 61 के कोर्स रिकॉर्ड के साथ होटल प्लानर टूर के स्विस चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त बढ़त बना ली। आमंत्रण पर यहां खेलने पर 30 वर्षीय अहलावत और मैथ्यू साउथगेट (64) कुल 12 अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। इन दोनों ने जॉर्ज ब्लूर (66) और मथीयू डिगोटिनिस लेफोन (63) पर एक शॉट की बढ़त बनाई हुई है। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे दो अन्य भारतीय अर्जुन प्रसाद (70-72) और सप्तक तलवार (74-70) कट हासिल करने में नाकाम रहे।

ईरानी फुटबॉल टीम को मिला अमेरिका का वीजा

वाशिंगटन। ईरान की विश्व कप फुटबॉल टीम के सदस्यों को अमेरिका का वीजा मिल गया है। इससे वे इस महीने लॉस एंजिलिस के पास होने वाले अपने शुरुआती दो मैच से पूर्व मैक्सिको के तिजुआना में बने अपने ट्रेनिंग बेस से अमेरिका आ सकेंगे। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान की टीम के सभी खिलाड़ियों के वीजा मंजूर हो गए हैं और उन्हें वीजा मिलने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों, कोच, ट्रेनर और कुछ सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा जारी कर दिए गए हैं। तिजुआना के लिए रवाना होने से पहले टीम तुर्की के अंताल्या में ट्रेनिंग शिविर में विश्व कप की तैयारी कर रही थी। टीम ने बताया कि उसे अंकारा में मैक्सिको के दूतावास से पहले ही वीजा मिल चुका है। तुर्की में अमेरिकी राजदूत टॉम बैराक ने ईरानी टीम को वीजा की प्रक्रिया शुरू करने के लिए अंकारा में अमेरिकी दूतावास की तारीफ की।

तीरंदाज प्रथमेश ने स्वीकार किया 2 साल का बैन

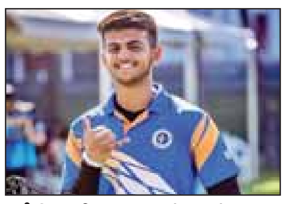

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने कहा कि एशियाई खेलों में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने दो साल का प्रतिबंध स्वीकार कर लिया है, जो पिछले साल तीन बार अपने स्थान की जानकारी नहीं देने के कारण लगाया गया। प्रथमेश 2022 एशियाड में कंपाउंड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली उस तिकड़ी का हिस्सा थे, जिसमें ओजस प्रवीण देवताले और अभिषेक वर्मा भी शामिल थे। उन्होंने 12 महीने के अंदर तीन बार अपने ठिकाने की जानकारी नहीं देने की गलती की थी। उन्हें सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए 12 सदस्यीय भारतीय तीरंदाजी टीम में शामिल नहीं किया गया था।

आयरलैंड इंग्लैंड एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान

वैभव ने तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

बदलाव की नई बयार, श्रेयस टी20 कप्तान, टीम में सूर्यवंशी की एंट्री

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय टी20 क्रिकेट में शनिवार को बदलाव की नई बयार देखने को मिली जब श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह राष्ट्रीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया तो वहीं युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया।

महज 15 वर्ष और 71 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम में जगह पाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का वर्षों पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। तेंदुलकर ने 15 नवंबर 1989 को कराची में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था। उस समय उनकी उम्र 16 वर्ष और 205 दिन थी।

टीम इंडिया खेलेंगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला

भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। इसके बाद टीम 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 श्रृंखला में हिस्सा लेगी। अय्यर की राष्ट्रीय टी20 टीम में वापसी 3 दिसंबर 2023 के बाद पहली बार हुई है। उन्होंने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच उसी दिन बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

श्रेयस को टी20 में कप्तानी का अनुभव

अगरकर ने कहा, ' श्रेयस टी20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के काफी करीब भी थे। लेकिन सूर्यकुमार की मौजूदगी में उनके लिए जगह नहीं बन पाई। मेरे अनुसार वह अब एक बेहद मजबूत दावेदार हैं, जिनके पास टी20 प्रारुप में कप्तानी का पर्याप्त अनुभव है। यह हालांकि निश्चित रूप से एक अलग तरह की चुनौती होगी।' इंडियन प्रीमियर लीग में उनकी शानदार कप्तानी और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

आईपीएल में किया शानदार प्रदर्शन

सूर्यवंशी का चयन लगभग तय माना जा रहा था। इस युवा बल्लेबाज ने 2026 आईपीएल सत्र में 776 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की थी। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक जड़े तथा 237.30 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। अगरकर ने बिहार के इस युवा खिलाड़ी की मैच का रुख बदलने की क्षमता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमने देखा है कि वह क्या कर सकता है। आईपीएल के प्लेऑफ में भी हमने देखा कि उसने लगभग अकेले दम पर राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचाया।'

आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 श्रृंखला के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव और वैभव सूर्यवंशी।

एशियाई खेलों के लिए

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और वैभव सूर्यवंशी।

श्रीलंका दौरे के टीम

ध्रुव जुरेल (कप्तान एवं विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, एन. जगदीशन, अमन मोकाडे, शेख राशिद और जीशान अंसारी।

फ्रेंच ओपन

ज्वेरेव और कोबोली के बीच आज फाइनल मुकाबला

एजेंसी ▶▶ पेरिस

फ्रेंच ओपन 2026 के पुरुष एकल का फाइनल मुकाबला रविवार को अलेक्जेंडर ज्वेरेव और फ्लेवियो कोबोली के बीच खेला जाएगा। दोनों के पास अपना पहला फ्रेंच ओपन जीतने का अवसर है। ज्वेरेव ने जैकब मेन्सिक को हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि कोबोली को मैटेओ अर्नाल्डो के बीमारी की वजह से मैच से हटने से फाइनल का टिकट मिला।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन एकल के पहले सेमीफाइनल में शुक्रवार को चेक स्टार जैकब मेन्सिक को चार सेट में हराकर फाइनल में जगह बनाई। तीन घंटे एक मिनट तक चले मैच में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जैकब मेन्सिक को पेरिस के कोर्ट फिलिप-चैटियर पर 7-5, 6-2, 3-6, 6-3 से हराया। ज्वेरेव दूसरी बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। जीत के बाद ज्वेरेव ने कहा, मन्सिक ने तीसरे सेट में कमाल का खेलना शुरू किया। वह सच में एक अलग लेवल पर पहुंच गया। लेकिन यह एक ग्रैंड स्लैम है। यह बेस्ट-ऑफ-फाइव सेट मैच हैं। विरोधी बेहतर खेलेंगे। आपको इससे निपटना होगा। मैंने किया, और मुझे उम्मीद है कि रविवार को एक और शानदार मैच खेलूंगा।

वायरल बीमारी की वजह से हटे अर्नाल्डी

फ्रेंच ओपन एकल का दूसरा सेमीफाइनल मैटेओ अर्नाल्डी के लिए दिल तोड़ने वाला रहा। पेरिस में वायरल बीमारी की वजह से फ्लेवियो कोबोली के खिलाफ उन्हें अपने मैच से हटना पड़ा। अर्नाल्डी के हटने के साथ ही कोबोली अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंच गए हैं। ज्वेरेव और कोबोली के बीच फाइनल रोमांचक होने की उम्मीद है। अपनी एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज में कोबोली से 3-1 से आगे हैं। वे पिछले साल रोलैंड गैरोस में तीसरे राउंड में खेले थे, जब ज्वेरेव ने 6-2, 7-6(4), 6-1 से जीत हासिल की थी।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट

पहले दिन केएल राहुल और गिल ने जड़ा शतक

एजेंसी ▶▶ न्यू चंडीगढ़

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इकलौते टेस्ट में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम इंडिया ने पहले दिन की समाप्ति तक 3 विकेट खोकर 368 रन बना लिए हैं।

पहले दिन 85 ओवरों का ही खेल हो सका। मुल्लांपुर में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 12वें ओवर की अंतिम गेंद पर यशस्वी जायसवाल के रूप के रूप में 41 के स्कोर पर पहला झटका लगा। जायसवाल 32 गेंदों में 5 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन जोड़कर भारतीय टीम को 180 के स्कोर तक पहुंचाया। सुदर्शन ने 104 गेंदों में 13 चौकों के साथ 81 रन टीम के खाते में जोड़े। वहीं केएल राहुल ने अपने 12वें टेस्ट शतक के दौरान 165 गेंद में 11 चौकों की मदद से 100 रन बनाए।

गिल और पंत के बीच 121 रन की साझेदारी

यहां से कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने केएल राहुल के साथ तीसरे विकेट के लिए 67 रन जुटाकर स्कोर 247 रन तक पहुंचा दिया था। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए और दिन की समाप्ति से पहले अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। पहला दिन खत्म होने तक गिल और पंत के बीच चौथे विकेट के लिए 148 गेंदों में 121 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। गिल 143 गेंदों में 1 छक्के और 11 चौकों के साथ 103 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि पंत ने 70 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 50 रन जुटा लिए हैं।

विश्व मुक्केबाजी कप : भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे मीनाक्षी और दीपक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज मीनाक्षी और अनुभवी दीपक चीन के गुइयांग में 15 से 21 जून तक होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप 2026 (चरण दो) में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे।

यह भारत की दूसरे दर्जे की टीम है, जिसमें वे मुक्केबाज शामिल हैं, जो राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के ट्रायल में उप विजेता रहे थे। भारत पिछले विश्व कप चक्र में शानदार प्रदर्शन के बाद इस टूर्नामेंट में उतर रहा है। उस दौरान टीम ने अलग-अलग चरण में लगातार कई पदक जीते और फाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे वैश्विक स्तर पर उसके बढ़ते रुतबे का पता चलता है।

महिला अंडर-18 एशिया कप : भारत ने जीता कांस्य पदक, कोरिया को हराया

एजेंसी ▶▶ काकामिगाहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने कोरिया के खिलाफ तीसरे स्थान के मैच में 3-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अंडर-18 एशिया कप में कांस्य पदक जीता।

भारत की ओर से संदीप कुमारी, कप्तान स्वीटी कुजूर और नौशीन नाज ने गोल दागे और टीम को पोडियम पर जगह दिलाई। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ शूटआउट में मिली करीबी हार के बाद भारतीय टीम ने कोरिया के खिलाफ शानदार शुरुआत की और शुरुआती दो मिनट में ही बढ़त बना ली। संदीप कुमारी ने बेहतरीन संयम दिखाया और दूसरे ही मिनट में शानदार फिनिश के साथ भारत को बढ़त दिला दी।

भारतीय प्लेयर ने बनाए सर्कल के अंदर मूव

भारत ने गेंद पर कब्जा बनाए रखा और सर्कल के अंदर कुछ अच्छे मूव बनाए। टीम को इस इनाम 16वें मिनट में मिला जब स्वीटी कुजूर ने मैदानी गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। भारतीय टीम मध्यांतर तक 2-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही भारत ने एक और गोल दागा जब 33वें मिनट में टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर नौशीन ने मैदानी गोल दागकर प्रतियोगिता में अपने कुल गोल की संख्या 12 तक पहुंचाई।

सात बार के चैंपियन कार्लसन को दो बार हराया

यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत : प्रज्ञानानंदा

एजेंसी ▶▶ धर्मशाला

ओस्लो। भारत के स्टार आर प्रज्ञानानंदा ने नार्वे शतरंज में जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि महान खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन सहित दुनिया के कुछ सबसे मजबूत खिलाड़ियों को हराने से यह खिताब और भी यादगार बन गया है। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का स्तर बहुत ऊंचा था और औसत रेटिंग भी अब तक के सबसे ऊंचे स्तरों में से एक थी, जिससे उनकी जीत का महत्व और बढ़ गया।

प्रज्ञानानंदा 2013 में शुरू हुए नार्वे शतरंज टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय बन गए। उन्होंने दुनिया के नंबर एक और सात बार के चैंपियन कार्लसन को दो बार हराकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रज्ञानानंदा ने कड़े मुकाबले में खिताब जीता क्योंकि ओपन वर्ग के सभी छह खिलाड़ियों की रेटिंग 2700 से ऊपर थी और कार्लसन 2840 रेटिंग के साथ शीर्ष खिलाड़ी थे, जिससे इस खिताब की अहमियत और बढ़ गई।

कीमर को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा के 18 अंक

विन्सेंट कीमर के खिलाफ आखिरी दौर में जीत के बाद प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। औसत रेटिंग के मामले में भी यह अधिक मजबूत है। मुझे लगता है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि विज्क आन जी (टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट) में कुछ खिलाड़ी 2600 रेटिंग वाले होते हैं लेकिन यहां सिर्फ शीर्ष खिलाड़ी हैं।' कीमर को हराने के बाद प्रज्ञानानंदा के 18 अंक हो गए और उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो और फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को पछाड़कर खिताब जीता।

इसे जीतना अधिक खास

प्रज्ञानानंदा ने कहा, 'इसे जीतना अधिक खास है और इसमें यह बात भी जुड़ जाती है कि मैग्नस वहां थे। साथ ही लगातार चार बाजी जीतना भी।' उनकी पिछली सबसे बड़ी जीत नीदरलैंड के विज्क आन जी में 2025 टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में आई थी। भले ही प्रज्ञानानंदा का पूरा ध्यान कीमर के खिलाफ मुकाबले पर था लेकिन कभी-कभी उनका ध्यान दूसरे बोर्ड की ओर भी चला जाता होगा, जहाँ सो का मुकाबला अलीरेजा से हो रहा था। अगर सो क्लासिकल बाजी जीत जाते तो प्रज्ञानानंदा खिताब से चूक जाते। उस मुकाबले का ड्रॉ नतीजा निर्णायक साबित हुआ और मैच टाईब्रेक में चला गया जहां सो ने जीत दर्ज की लेकिन उन्हें तीन की जगह सिर्फ डेढ़ अंक मिले।

हाईकोर्ट ने याचिका दायर करने वाले अभ्यर्थियों के परिणाम सीलबंद लिफाफे में सुरक्षित रखने के दिए निर्देश

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित करने की सशर्त अनुमति

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) को असिस्टेंट प्रोफेसर (कंप्यूटर विज्ञान) भर्ती परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। जस्टिस प्रणय वर्मा व जस्टिस जे.के. पिल्लई की डिवीजन बेंच ने कहा कि जिन उम्मीदवारों ने कोई याचिका दायर नहीं की है, उनके परिणाम घोषित किए जा सकते हैं। याचिकाकर्ताओं के परिणाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। उनके परिणाम सीलबंद लिफाफे में रखे जाएंगे और कोर्ट के अंतिम निर्णय के अधीन रहेंगे। अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी।

छतरपुर के हरचंडी अहिरवार सहित अन्य उम्मीदवारों ने याचिकाएं दायर कर उच्च शिक्षा विभाग और एमपीपीएससी द्वारा 24 एवं 30 दिसंबर 2024 को जारी असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती विज्ञापनों को चुनौती दी है।याचिकाकर्ताओं की ओर से अनुभव के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत अंकों के प्रावधान पर सवाल उठाया गया। आरक्षण से संबंधित लाभ नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए भर्ती प्रक्रिया में समान अवसर के सिद्धांत के उल्लंघन का दावा किया गया।कोर्ट ने गत 17 मार्च को कहा था कि जिन याचिकाकर्ताओं ने लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, उन्हें

साक्षात्कार (इंटरव्यू) में शामिल होने दिया जाए। हालांकि, यह भी स्पष्ट किया था कि कोर्ट की अनुमति के बिना इंटरव्यू के परिणाम घोषित नहीं किए जाएंगे।इस आदेश के बाद एमपीपीएससी ने हाईकोर्ट में आवेदन प्रस्तुत कर कहा कि परिणाम जारी न कर पाने के कारण भर्ती प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।परिणाम घोषित करने की अनुमति मांगी। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी तथा एमपीपीएससी की ओर से अधिवक्ता आदित्य पचौरी ने तर्क दिया कि लंबित अंतरिम आदेश के कारण चयन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है।

टिप्पणी- किसी निर्दोष को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

हाईकोर्ट ने कहा संदेह का लाभ आरोपित का वैधानिक अधिकार

नारकोटिक्स मामले में राज्य शासन की अपील निरस्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में साफ किया है कि किसी निर्दोष व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। आपराधिक कानून में आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी अभियोजन पर होती है और दोषमुक्ति के आदेश में अपीलीय अदालत तभी हस्तक्षेप कर सकती है, जब उपलब्ध साक्ष्यों से आरोपित का अपराध संदेह से परे सिद्ध होना ही एकमात्र निष्कर्ष हो। जस्टिस आरके वाणी की सिंगल बेंच ने इस टिप्पणी के साथ नारकोटिक्स एक्ट के मामले में राज्य सरकार की अपील निरस्त कर दी।

राज्य शासन की ओर से दायर अपील में दमोह जिले के पथरिया थाना क्षेत्र के एक प्रकरण में जिला अदालत के आदेश को चुनौती दी गई थी। पुलिस के अनुसार वाहन चेकिंग के दौरान रमेश सिंह, गणेश सिंह लोधी व काका उर्फ सुशील को मोटरसाइकिल की डिक्की में गांजा ले जाते हुए पकड़ा गया था। तीनों के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ट्रायल कोर्ट ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया। इसी आदेश को चुनौती देते हुए शासन ने हाई कोर्ट की शरण ली थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि अभियोजन का एक स्वतंत्र गवाह अपने पूर्व कथन से मुकर गया, जबकि दूसरे स्वतंत्र गवाह से पूछताछ ही नहीं कराई गई। रिकार्ड पर मुख्यतः विभागीय गवाहों के बयान ही उपलब्ध थे। मामले के प्रमुख गवाह तत्कालीन एसआई जेपी वर्मा के बयान में भी कई महत्वपूर्ण विसंगतियां सामने आईं। उन्होंने कहा कि पुलिस वाहन चेकिंग के लिए मौके पर पहुंची थी और गांजा मिलने की पूर्व सूचना नहीं थी, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी ने बयान दिया कि उन्हें पहले से सूचना प्राप्त हुई थी। कोर्ट ने यह भी नोट किया कि गवाह मोटरसाइकिल की कंपनी, रंग, पंजीयन क्रमांक अथवा डिक्की के रंग जैसी मूलभूत जानकारियां तक नहीं बता सके। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनकी उपस्थिति में केवल गांजे की जांच हुई थी, नमूना लेने की प्रक्रिया नहीं। इन परिस्थितियों में ट्रायल कोर्ट के दोषमुक्ति आदेश में हस्तक्षेप का कोई आधार नहीं पाते हुए हाई कोर्ट ने शासन की अपील निरस्त कर दी।

जनहित याचिका पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा

चांदोन रोड से रेलवे स्टेशन तक जाने वाला वर्षों पुराना मार्ग क्यों किया बंद

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नर्मदापुरम जिले के पिपरिया-बनखेड़ी मार्ग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज से प्रभावित ग्रामीणों की समस्या को लेकर राज्य शासन से जवाब तलब किया है। जस्टिस विवेक जैन व जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की डिवीजन बेंच ने एक जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद शासन को अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अगली सुनवाई जून के दूसरे सप्ताह में होगी।

जनहित याचिकाकर्ता बनखेड़ी निवासी व्यापारी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव व आयुष अग्रवाल के अनुसार आरओबी निर्माण के दौरान चांदोन रोड से रेलवे स्टेशन तक जाने वाला वर्षों पुराना मार्ग बंद कर दिया गया है। इससे पुल के दोनों ओर बसे लगभग 100 गांवों के ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं होने से कई लोग रेलवे ट्रैक पार करने को विवश हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। आरओबी के नीचे अंडरपास अथवा उपयुक्त वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाए। ऐसा नहीं होने पर हजारों ग्रामीणों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी।

प्रेम विवाह से स्वजनों की नाराजगी का मामला

हाईकोर्ट ने नवयुगल को सुरक्षा प्रदान करने के दिए निर्देश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नव विवाहित प्रेमी युगल को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस आरके वाणी की सिंगल बेंच ने यह जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक, राजगढ़ को सौंपी है।

याचिकाकर्ता राजगढ़ निवासी आरती पाल व सोनू जाट की ओर से दलील दी गई कि आरती व सोनू परस्पर प्रेम में थे। दोनों ने बालिग होने के कारण अपनी स्वतंत्र इच्छा से आर्य समाज मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार विवाह कर लिया। विवाह से आरती पाल के

स्वजन नाराज थे। वे याचिकाकर्ताओं को जान से मारने की धमकी दे रहे थे। इस कारण दंपत्ति को अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका थी। परिस्थितियों को देखते हुए याचिकाकर्ताओं ने पुलिस संरक्षण प्रदान किए जाने हेतु हाई कोर्ट की शरण ली। कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर राजगढ़, पुलिस अधीक्षक राजगढ़ व थाना प्रभारी राजगढ़ को याचिकाकर्ताओं को आवश्यक पुलिस सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश दे दिए। कोर्ट ने यह भी निर्देशित किया कि याचिकाकर्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न अथवा जान-माल की हानि न हो तथा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ 6 गिरफ्तार

15 लाख के नशीले इंजेक्शन बरामद

जबलपुर। नशा मुक्त मध्यप्रदेश अभियान के तहत जबलपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स तस्करी के एक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। थाना बेलबाग, अधारताल एवं क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 15 लाख रुपये मूल्य के 6600 नशीले इंजेक्शन, 5 मोबाइल फोन एवं एक ई-रिक्शा जब्त किया है। ई रिक्शों में नशीले इंजेक्शनों की खेप भरकर आई थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम जितेंद्र सिंह ने बताया बेलबाग क्षेत्र में 3200 और अधारताल क्षेत्र में 3400 नशीले इंजेक्शन बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में दुर्गा पटेल, मोहम्मद आरिफ, अमजद खान, सैय्यद असरफ अली उर्फ जीजा,

सौरभ नामदेव एवं गीतांशु साहू शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने नशीले इंजेक्शनों की सप्लाई और बिक्री से जुड़े अन्य लोगों में अमजद खान, सौरभ सोनकर के नाम भी बताए गए हैं, जो अभी फरार है। इस कार्रवाई में क्राईम ब्रांच के टीआई शैलेष मिश्रा, अधारताल टीआई विपिन ताम्रकार, क्राईम ब्रांच के एसआई प्रभाकर सिंह, एएसआई अशोक मिश्रा, प्रधान आरक्षक मनीष, सतेंद्र, आरक्षक प्रीतम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान के आदेश शीघ्र जारी किए जाएं, मांग

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक बताया कि प्रदेश के शिक्षा विभाग में भोपाल जिले के शिक्षक जो चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान पाने हेतु पात्र/ योग्य हैं उन सहायक शिक्षकों के आदेश जारी हो गए हैं परंतु अभी प्रदेश के अन्य जिलों में आदेश जारी नहीं होने की वजह से शिक्षकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं सैकड़ों सहायक शिक्षक प्रतिमाह सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है और शिक्षक हैरान, परेशान हैं कि आखिर आदेश जारी होने में इतनी लेट लतीफ़ी क्यों? अतः संगठन प्रदेश के जिला शिक्षा अधिकारियों से मांग करता है कि सभी पात्र सहायक शिक्षकों के चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान के आदेश अतिशीघ्र जारी किए जाएं।
संघ के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, हेमंत ठाकरे, रऊफ खान, दिनेश गोंड, राकेश श्रीवास, राजकुमार यादव, फिलिप एंथोनी, गुडविन चार्ल्स, एनोस विक्टर, दीपेश जैन, मनमोहन चौधरी, सुनील झारिया, उमेष सिंह ठाकुर, सुरेंद्र चौधरी, गोपीषाह आदि ने मांग की है।

घर-घर व्यापार से होगा देश का विकास : कलेक्टर

मेगा कृषि क्रेडिट कार्यक्रम में 28 करोड़ से अधिक के ऋण वितरित

जबलपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संस्कृति थियेटर भंवरताल में राष्ट्रव्यापी मेगा कृषि क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों, स्वयं सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों को विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई तथा 28 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण वितरित किए गए। मुख्य अतिथि कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि वित्तीय साक्षरता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाले ऐसे आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि "घर-घर जब व्यापार होगा, तभी देश उन्नत होगा।" कलेक्टर ने महिलाओं को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करते हुए कृषि उत्पादों के फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया। साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना से जुड़ने की सलाह दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के केंद्रीय कार्यालय मुंबई के महाप्रबंधक वीरेंद्र मेहता ने की। उन्होंने कहा कि बैंक किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को विभिन्न

योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। जबलपुर क्षेत्र के रीजनल हेड अविनाश कुमार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूह ऋण, मत्स्य पालन, पशुपालन, कृषि यंत्रीकरण, पीएमएफएमई, ग्रामीण उद्योग, एग्रो वितरण एवं सौर ऊर्जा प्लांट जैसी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए गए। इस अवसर पर सहायक कृषि उप संचालक रवि आम्रवंशी, एलडीएम, एनआरएलएम, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में किसान एवं नागरिक मौजूद रहे।

उमस भरी गर्मी से जनजीवन बेहाल

पारे ने फिर मारी 40 डिग्री की उछाल

क्योंकि पिछले एक पखवाड़े से चिपचिपाहट वाली गर्मी पड़ रही है इंसान तो इंसान पशु पक्षी भी परेशान है। कूलर, पंखे दम तोड़ चुके है न वो ठंडक दे रहे न राहत।

ऐसा रहा मौसम का हाल

शनिवार को अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस समान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 26.08 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 52 प्रतिशत और सायंकाल 25 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 5.24 मिनिट पर सूर्यास्त शाम 6.55 मिनिट पर हुआ। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 38.09 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.04 डिग्री दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 40.8 डिग्री खरगौन और नरसिंहपुर में दर्ज किया गया। उत्तर पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवा के साथ जिले में हल्की बारिश की संभावना है।

जबलपुर। पिछले 1 हफ्ते से पारा औसत से नीचे चल रहा था। शनिवार को मौसम शुष्क होते ही पारा फिर उछाल लेते ही 40 डिग्री पहुंच गया। यद्यपि मौसम विज्ञान ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों के दौरान तेज हवाओं के बीच कहीं कहीं गरज चमक के साथ बौछारे हो सकती है। शनिवार का दिन मौसम तल्ख स्वभाव से बेजार रहा। सबकी निगाह आसमान पर छाये बादलों की ओर टकटकी लगायी रही। उमस और गर्मी से बेजार लोग इंद्र देव से राहत की बारिश के लिए प्रार्थना करते रहे। शनिवार की सुबह से ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाये।

अभी और तड़पायेंगी गर्मी

गर्मी अभी और तड़पायेंगी आज 7 जून को भी मप्र में कहीं भी मानसून की दस्तक की आहट नहीं मिली है। लिहाजा जबलपुर में मानसून 20 जून के आसपास के आगमन की संभावना बन रही है। अभी फिलहाल गर्मी बढ़ने के संकेत मिल रहे है। लोगों को अब बस मानसून का ही आसरा है

वीडियो वायरल होने पर लोग भड़के, पुलिस ने लगाई फटकार

नर्मदा नदी की बीच धार में आपत्तिजनक हरकत पर आक्रोश

जबलपुर। गौरीघाट स्थित नर्मदा तट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है, जिसमें एक युवक और युवती नदी के बीच आपत्तिजनक हरकत करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं में नाराजगी देखी जा रही है। सूचना मिलते ही नर्मदा में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान मौके पर पहुंचे और दोनों को सुरक्षित नदी से बाहर निकाला। पूछताछ में पता चला कि युवक-युवती अपने कुछ दोस्तों के साथ गौरीघाट घूमने और स्नान करने आए थे। गौरीघाट को माँ नर्मदा की आराधना और धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में वायरल वीडियो को लेकर लोगों ने पवित्र स्थल की गरिमा बनाए रखने की आवश्यकता जताई है। हालांकि वीडियो कब का है और इसकी प्रामाणिकता क्या है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

युवती को तैरना भी नहीं आता था

होमगार्ड जवानों के मुताबिक युवती को तैरना नहीं आता था, इसके बावजूद युवक उसे नदी के बीच गहरे पानी तक ले गया था। इससे किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई थी। समय रहते दोनों को बाहर निकाल लिया गया, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई।

जांच की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि धार्मिक महत्व वाले स्थानों पर इस प्रकार की गतिविधियां उचित नहीं हैं और इससे श्रद्धालुओं की भावनाएं प्रभावित होती हैं। लोगों ने प्रशासन से मामले की जांच कर आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240